राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 पीएम गति शक्तिः 52,000 करोड़ रुपए की छह ढांचागत परियोजनाओं ...

राजकोट में रोहित शर्मा का आईफोन हुआ चोरी ... 11

वर्ष : 11 | अंक : 140 | पटना, शनिवार , 30 सितंबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दे दी है। केन्द्र सरकार ने इस संबंध शुक्रवार को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया, जिसके बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में कानून बन गया है। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक को संसद के विशेष सत्र में पेश किया गया था, जिसे 20 सितंबर को लंबी बहस के बाद लोकसभा ने 2 के मुकाबले 454 सांसदों की सहमति वाले बहुमत से पारित किया था। इसके बाद 21 सितंबर को यह विधेयक राज्यसभा में भी पास हो गया था। संसद में पास होने के बाद विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा जाता

है। राष्ट्रपति की सहमति मिलने यानी उनके हस्ताक्षर करने के बाद ही विधेयक कानून में तब्दील होता है। महिला आरक्षण विधेयक को शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी सहमति दे दी। हालांकि यह अधिनियम कानून तो बन गया लेकिन अभी इसकी राह में तीन और महत्वपूर्ण पड़ाव हैं, जिन्हें औपचारिक रूप से पूरा करना होगा। कानून बनने के बाद अब इसे राज्यों से भी मंजूरी मिलनी जरूरी है। अनुच्छेद 368 के अंतर्गत केंद्र के किसी कानून से राज्यों के अधिकार पर अगर कोई असर पड़ता है तो कानून बनने के लिए कम से कम 50 फीसदी राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी लेना आवश्यक होता है। एक तरह से ऐसे कानून को लागू करने से पूर्व कम से कम 14 राज्यों की विधानसभाओं से पारित कराना होगा। वैसे ये बिल कानून बनने के बाद भी नई जनगणना के बाद ही लागू हो सकेगा, क्योंकि 2021 में कोविड महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं कराई जा सकी थी। इसका उल्लेख केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में भी किया था। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही देश में जनगणना का काम शुरू होगा। जनगणना का काम पूरा होने के बाद लोकसभा और विधानसभा सीटों का नए सिरे से परिसीमन कराना होगा। संवैधानिक नियमों के तहत 2026 तक इस तरह के परिसीमन पर रोक है, इसलिए परिसीमन का काम भी 2026 के बाद ही किया जा सकेगा।

उपराष्ट्रपति ने बिहार में गया और नालंदा विश्वविद्यालय का किया दौरा

यह सदी एशिया की है, भारत को इसके उद्भव में निभानी है बहुत बड़ी भूमिका : धनखड़

उपराष्ट्रपति ने संवैधानिक संस्थाओं पर अनुचित टिप्पणियां करने पर जताई चिंता

प्रात : किरण

राजगीर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को नालंदा विश्वविद्यालय में वहां उपस्थित गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह चिंतन, मनन और चिंता का विषय है कि कुछ लोग राजनीतिक चश्मा पहनकर संवैधानिक संस्थाओं पर अनुचित टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने इस तरह के व्यवहार को हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के खिलाफ बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति जितने ऊंचे पद पर होता है, उसका आचरण उतना ही मर्यादित होना चाहिए। राजनीतिक लाभ लेने के लिए कोई भी टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। जब संवैधानिक संस्थाओं की बात आती है तो सभी को काफी जिम्मेदार होने का आह्वान करते हुए, श्री धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि हमें केवल राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए संवैधानिक पदाधिकारियों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए। यह स्वीकार्य नहीं है। शुक्रवार को बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों की एक सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में, दुनिया ने इससे अधिक शक्तिशाली केंद्र नहीं है। नालंदा, क्योंकि इसका इतिहास और विरासत दुनिया में अलग है और लोग इसे सलाम करते हैं। आपको इस विरासत को ऊंचे स्तर पर ले जाना है। यह देखते हुए कि नालंदा का पुनर्जन्म हमें ज्ञान के प्रसार के लिए वैश्विक आधार प्रदान

राज्यपाल ने उप राष्ट्रपति के गया हवाई अड्डा पहुंचने पर उनका स्वागत किया

- नालंदा के इतिहास और विरासत को सराहा, उच्च स्तर पर ले जाने का किया आह्वान
- उपराष्ट्रपति ने संवैधानिक संस्थाओं पर कुछ लोगों द्वारा अनुचित टिप्पणियां करने पर चिंता व्यक्त की
- राजनीतिक लाभ के लिए हमें संवैधानिक पदाधिकारियों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए

करेगा, उन्होंने हाल ही में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि में नालंदा महाविहार छवि के उपयोग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, नालंदा की उस पृष्ठभूमि में, नेताओं का स्वागत और अभिनंदन किया गया, जो आपके ज्ञान की स्वीकार्यता, गैर-विवादास्पद, गैर-टकरावपूर्ण, सहयोगात्मक, सहकारी, सहमतिपूर्ण और विकास के लिए अनुकूल है। यह देखते हुए कि दुनिया ज्ञान, उदात्तता, सहनशीलता और अन्य दृष्टिकोणों को सुनने के अच्छे गुणों पर पनपती है, उन्होंने दूसरों के दृष्टिकोण के प्रति सम्मान रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया, उन्होंने कहा कि इसके बारे में निर्णयात्मक मत बनो। मेरे अनुभव में, कभी-कभी दूसरे का दृष्टिकोण सही होता है। यह स्वीकार करते हुए कि शिक्षा मानव जाति के प्रति सम्मान पैदा करती है, उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह आपकी सोच का विस्तार करती है कि आप गाँव, राज्य या राष्ट्र के संदर्भ में नहीं सोचते... आप विश्व स्तर पर सोचते हैं! उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे जिज्ञासु बनें और नालंदा छोड़ने के बाद भी सीखना बंद न करें। युवाओं को लोकतंत्र के योध्या बताते हुए उन्होंने उन्हें देश की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया पर चल रहे नरेटिव के बारे में आगाह किया और उनसे ऐसे मुद्दों पर अपने मन की बात कहने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा, यह आपकी बुद्धिमत्ता है जिसे इस तरह के आख्यानों को बेअसर करना है, यह इस समाज के प्रति आपका दायित्व है कि आपको ऐसे भयावह विचारों और आख्यानों को रोकने के लिए सक्रिय होना चाहिए। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह सदी एशिया की है, श्री धनखड़ ने कहा कि इस तंत्र के उद्भव में, भारत को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है और भारत के लिए यह भूमिका कुछ ऐसी है जो केवल युवा दिमाग ही कर सकते हैं। इस अवसर पर, उपराष्ट्रपति ने भारत में अपनी तरह का पहला शून्य उत्सर्जन और शून्य अपशिष्ट परिसर होने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय परिसर की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़, श्रवण कुमार, मंत्री, बिहार सरकार, कौशलेंद्र कुमार, नालंदा निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य (लोकसभा), अभय कुमार सिंह, कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय, छात्र, संकाय और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश ने बिहारशरीफ में चंद्रिका पावर के इथेनॉल उत्पादन प्रतिष्ठान का किया शुभारंभ

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारशरीफ के दीपनगर थाना क्षेत्र के फतेहली ग्राम में चंद्रिका पावर के इथेनॉल उत्पादन प्रतिष्ठान का शिलापट्ट अनावरण कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने चंद्रिका पावर के इथेनॉल उत्पादन प्रतिष्ठान की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन सह सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री संजय कुमार झा, उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक राकेश कुमार रौशन, विधान पार्षद रीना देवी, पूर्व विधायक एवं जदयू नेता राजीव रंजन, पूर्व विधायक रवि ज्योति, पूर्व विधायक ई सुनील कुमार, पूर्व विधायक चन्द्रसेन प्रसाद, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त परामर्शी मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौण्ड्रिक, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नालंदा जिले के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने गया के विष्णुपद मंदिर में किया पिंडदान

प्रात : किरण

गया/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ ने अपने पूर्वजों की आत्मा के मोक्ष के लिए शुक्रवार को यहां के एक मंदिर में पिंडदान किया। धनखड़ ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनके मोक्ष के लिए जिले के विष्णुपद मंदिर में पिंडदान और जल तर्पण किया। इससे पहले, उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी शुक्रवार को सुबह गया हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर, राज्य के कृषि मंत्री सर्वजीत और सांसद (गया) विजय मांझी ने उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति को गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विष्णुपद मंदिर में पिंडदान और तर्पण के बाद धनखड़ नालंदा विश्वविद्यालय जाएंगे। उपराष्ट्रपति एक ओपन हाउस सत्र में नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे। गया में शुक्रवार से शुरू हुए पितृ पक्ष के दौरान पितृ पूजा और पिंडदान करना पुण्य का काम माना जाता है, माना जाता है कि जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें पितृ दोष से छुटकारा मिल जाता है तथा इन धार्मिक कार्यों को करने से उनके पितरों को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल जाती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। गया के विष्णुपद मंदिर में हर साल पितृ पक्ष मेले का आयोजन किया जाता है। हर साल दुनिया भर से बड़ी संख्या में हिंदू धर्म को मानने वाले लोग पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान करने के लिए यहां आते हैं।

इंडिया गठबंधन के शिल्पकार हैं नीतीश कुमार : संजय झा

प्रात : किरण

पटना। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के निर्माण में नीतीश कुमार की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। शुक्रवार को जनता दल यू मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों द्वारा प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के सवाल पर पर श्री झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई बार स्पष्ट किया है कि उन्हें किसी तरह के कोई पद की लालसा नहीं है। जहां तक बात योग्यता की है तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीतीश कुमार ने अपनी योग्यता और काबिलियत के बदौलत ही आर्थिक रूप से पिछड़े बिहार राज्य को आज विकास के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का एकमात्र मकसद देशभर के तमाम विपक्षी पार्टियों को एकजुट करना था और उनके विश्वसनीय व्यक्तित्व का ही परिणाम है कि दो अलग-अलग धुरी वाले राजनीतिक दल भी आज एक मंच पर साथ बैठे

हुए नजर आते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हम जाति और धर्म की राजनीति नहीं करते हैं। हमारे राजनीतिक विचारधारा में केवल विकास और जनता का कल्याण समाहित है। कार्यक्रम में जदयू के विधान पार्षद संजय कुमार सिंह गांधी जी एवं प्रदेश महासचिव अरुण कुमार सिंह मौजूद थे। इससे पहले जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह ने आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को जरुरी दिशा-निर्देश दिए।

केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह ने सीएसआर परियोजनाओं का किया शिलान्यास

प्रात : किरण

मोतिहारी। केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह ने शुक्रवार को मोतिहारी के मुंशी सिंह कॉलेज में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन सभी परियोजनाओं का कार्यान्वयन विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न उद्यम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत किया जा रहा है। सीएसआर पहल के तहत पावरग्रिड द्वारा मुंशी सिंह कॉलेज, मोतिहारी में एक वाचनालय, कॉमन रूम, आतंरिक सड़क और ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करने के साथ ही कई अन्य उपकरण और फायर अलार्म की व्यवस्था भी की जाएगी। इस परियोजना को पूरा होने में लगभग 18 महीने का समय लगेगा। परियोजना के पूरा होने से जहाँ एक ओर कॉलेज की आधारभूत संरचना का विकास होगा। वहीं दूसरी ओर इससे मुंशी सिंह कॉलेज के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के साथ ही आस-पास के 10 गाँवों के लगभग 10000 छात्र व शिक्षक लाभान्वित

होंगे। विदित हो कि पावरग्रिड द्वारा बिहार में निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों जैसे डीएमसीएच,दरभंगा एवं आईजीआईएमएस पटना में विश्राम सदनों का निर्माण, विद्यालय भवनों का निर्माण एवं बेंच डेस्क इत्यादि की व्यवस्था, शौचालयों, ग्रामीण सड़कों, छठ घाटों इत्यादि का निर्माण, सोलर लाइट व हाई मास्ट लाइटों की स्थापना इत्यादि जैसे विभिन्न कार्य करवाए गए हैं। विद्युत पारेषण के मुख्य व्यवसाय के अतिरिक्त सामाजिक कार्यों में भी भारत सरकार की महारत्न पीएसयू पावरग्रिड अग्रणी भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, पावरग्रिड के निदेशक (कार्मिक) डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, तथा पावरग्रिड एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री ने अरेराज में रखी पावरग्रिड विश्राम सदन की आधारशिला : केन्द्रीय मंत्री आर के सिंह ने पूर्वी चम्पारण के अरेराज में पावरग्रिड विश्राम सदन की आधारशिला रखी । इस विश्राम सदन का निर्माण विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न उद्यम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत पावरग्रिड द्वारा अनुमंडल अस्पताल, अरेराज में कुल 650 वर्ग मीटर बिल्ड अप एरिया में बनने वाला 50 बिस्तरों वाला भव्य पावरग्रिड विश्राम सदन, सभी आधुनिक सुविधाओं फर्नीचर, गद्दा, टीवी, पर्दे, सौर ऊर्जा के उपयोग से गर्म पानी, अग्निशमन और फायर अलार्म तथा पेयजल के लिए आरओ वाटर कूलर की सुविधाओं से लैस होगा। इस विश्राम सदन को पूरा होने में लगभग 18 महीने का समय लगेगा और परियोजना के पूरा होने पर इससे पूर्वी चम्पारण जिले के 42 गाँवों की जनता को लाभ होगा।

विधि आयोग 2029 से लोकसभा, विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के फॉर्मूला पर कर रहा काम

नई दिल्ली/एजेंसी। विधि आयोग मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर 2029 से लोकसभा चुनाव के साथ सभी के चुनाव एक साथ कराने के फॉर्मूले पर काम कर रहा है। आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार पहले ही लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के वास्ते एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है, इसलिए विधि आयोग को राष्ट्रीय और राज्यों के लिए अपनी वर्तमान सिफारिश के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों को भी शामिल करने को कहा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के वास्ते एक आम मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत कम हो सके।

संक्षिप्त खबरें

पीएम ने महिला और पुरुष निशानेबाजी टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एशियाई खेलों में निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करने वाली महिला और पुरुष टीम को बधाई दी है। श्री मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, एक शानदार जीत, प्रतिष्ठित स्वर्ण और एक विश्व रिकॉर्ड। एशियाई खेलों में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी टीम स्पर्धा में विजयी होने के लिए कुसाले स्वप्निल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और अखिल श्योरेन को बधाई। उन्होंने असाधारण दृढ़ संकल्प और टीम वर्क दिखाया है। एक अन्य एक्स में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, एशियाई खेलों में निशानेबाजी में एक और पदक। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर दिव्या थडिगोल, ईशा सिंह और पलक को बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। उनकी सफलता कई आगामी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों में आज शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते है।

स्वच्छ भारत साझा जिम्मेदारी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे, हमें एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आना है। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। एक स्वच्छ भविष्य की शुरूआत करने के लिए इस महान प्रयास में शामिल हों। यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर शुरू किया जाएगा। राष्ट्रपिता ने जीवन भर स्वच्छता पर जोर दिया था।

इस्कॉन ने मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा

कोलकाता। इस्कॉन ने शुक्रवार को कहा कि उसने उसकी गौशालाओं में गायों के रखरखाव को लेकर इस धार्मिक संगठन पर सवाल उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सांसद मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री गांधी का बिना तिथि वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उन्हें ह्यइंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस के खिलाफ आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक बयान में कहा, आज, हमने इस्कॉन के खिलाफ पूरी तरह से निराधार आरोप लगाने के लिए मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है।

विवाद से बचने के लिए सतर्कता बरतेगा विपक्षी गठबंधन : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता बरतेगा कि इसके सहयोगी साझेदारों के बीच कोई विवाद न हो। पवार ने पश्चिम बंगाल में स्पष्ट टकराव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वहां निकट भविष्य में अभी कोई चुनाव नहीं है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में कुछ सीट पर दावा जताया है। उन्होंने कहा, जब चुनाव नजदीक हों तो इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच मतभेदों से इनकार नहीं किया जा सकता।

युद्धाभ्यास रॉयल थाई नेवी बैंड ने गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का किया स्वागत

भारत के चार जहाजों ने किया थाईलैंड का दौरा, समुद्री दोस्ती हुई और मजबूत

मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप हिस्से के रूप में युद्धाभ्यास किए गए आयोजित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारतीय नौसेना की पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों ने लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत (थाईलैंड) का दौरा किया। इस प्रशिक्षण दौरे में तटरक्षक बल का जहाज आईसीजीएस सारथी भी शामिल था। रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) के बैंड ने धूमधाम से गर्मजोशी के साथ भारतीय जहाजों का स्वागत किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए।

भारतीय नौसेना ने अपनी पहली प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के तीन जहाजों आईएनएस तिर, आईएनएस सुजाता और आईएनएस सुदर्शनी को लंबी दूरी की तैनाती के हिस्से के रूप में फुकेत भेजा था। इनके साथ तटरक्षक बल के जहाज आईसीजीएस सारथी ने भी फुकेत का दौरा किया। यह चारों भारतीय जहाज 25-28 सितंबर तक विदेशी तैनाती पर रहे और रॉयल थाई नेवी (आरटीएन) बैंड की ओर से जहाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन सर्वप्रीत सिंह ने जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ थाई नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल पुचोंग रोडनिक्रोन से मुलाकात की। आईएनएस तिर पर आरटीएन अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ तीसरे नौसेना क्षेत्र कमान के चीफ ऑफ स्टाफ

के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। जहाजों को आगंतुकों के लिए खुला रखा गया और विभिन्न स्कूलों के बच्चों को जहाजों पर ले जाया गया। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के प्रशिक्षुओं ने फांग नगा नौसेना बेस पर नौसेना अकादमी का दौरा किया। इस यात्रा में दोनों नौसेनाओं के कर्मी क्रॉस ट्रेनिंग दौरों, पेशेवर बातचीत, खेल कार्यक्रमों और संयुक्त योग सत्रों में शामिल हुए। रॉयल थाई नेवल शिप क्लेंग के साथ मैरीटाइम ट्रेनिंग पार्टनरशिप एक्सरसाइज के हिस्से के रूप में प्रशिक्षुओं की क्रॉस एम्बार्केशन, युद्धाभ्यास आयोजित किए गए। नौसेना के मुताबिक भारतीय जहाजों की यह थाईलैंड यात्रा दोनों देशों के बीच समुद्री संबंधों और दोनों नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन को और मजबूत करती है।

संक्षिप्त खबरें

वाहनों के बेहतर सर्विस के लिए स्मार्ट गैरेज का हुआ शुभारंभ

दानापुर। नगर के अंतर्गत गोला रोड स्थित हनुमान चौक पर प्रजापति मोटर्स नाम से स्मार्ट गैरेज का शुभारंभ किया गया। गैरेज का उद्घाटन वां मौजूद अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस मौके पर प्रजापति मोटर्स के निदेशक अमित कुमार ने बताया कि स्मार्ट गैरेज में दो पहिया वाहनों का बहुत ही सुरक्षित व बेहतर ढंग से सर्विस प्रदान की जाती है। इससे वाहनों के कल पूर्जे ज्यादा समय तक सुरक्षित रहते है। उन्होने बताया कि शुक्रवार को फ्री सर्विस दी गई है। इस मौके पर संबंधित कंपनी के कई सम्मानित लोग मौजूद थे।

मानदेय के लिए सेविका, सहायिकाओं ने दिया धरना

दानापुर। नगर के अंतर्गत शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले धरना दिया गया। जहां धरने पर बैठे सेविका, सहायिकाओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। धरना का नेतृत्व कुमारी रंजना बताया कि सेविका, सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं ।हड़ताल को मानदेय प्राप्ति तक निर्वाध रूप से जारी रहेगा। आक्रोशित सेविकाओं ने कहा कि हमलोगों को दिन प्रतिदिन कार्य में बढ़ोत्तरी की जा रही है। लेकिन मानदेय बढ़ाने को लेकर कोई पहल नहीं की जा रही है।

तेज रफ्तार से आ रहे हैं टेंपो ने वृद्ध को मारी ठोकर इलाज के दौरान मौत

दानापुर खगौल। शुक्रवार की देर शाम तेज रफ्तार से आ रही टेंपो में एक वृद्ध को जोरदार ठोकर मार दिया जिससे वृद्ध मौके पर बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल वृद्ध व्यक्ति को उठाकर तत्काल इलाज के लिए दानापुर रेलवे अस्पताल मे पहुंचा दिया। जहां इलाज के दौरान उस वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु हो गई। मृतक गरीखाना का रहने वाला लगभग 70 वर्षीय हरिहर प्रसाद गुप्ता था। जानकारी के मुताबिक हरिहर प्रसाद पटना से काम करके गरीखाना अपने घर आ रहा था। जहां गरीखाना मेन रोड से घर जाने के दौरान तभी अचानक पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार की टेंपो ने उस वृद्ध व्यक्ति को पीछे से जोरदार ठोकर मार दिया। जहां दानापुर रेलवे अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मोबाइल चोरी करते दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस को सौंपा

फतुहा। शुक्रवार को मोजीपुर हाट के समीप एक दुकान में घुसकर मोबाइल चोरी करते दो युवक को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद दोनों युवक को ग्रामीणों ने नदी थाने को सौंप दिया। नदी थाना की पुलिस ने कारवाई करते हुए दोनों युवक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार दोनों युवक पटना सिटी के खाजेकला थाना क्षेत्र के निवासी मोहम्मद तौसिफ व मोहम्मद सद्दाम है। इस बात की जानकारी देते हुए नदी थाना एसएचओ अखिलेश सिंह ने बताया कि दोनों युवक पटना सिटी से आकर मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे।

आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका फिर गए हड़ताल पर

फतुहा। आश्वासनों के बाद भी मांगों के सरकार द्वारा नहीं माने जाने से आक्रोशित सेविका व सहायिका बिहार राज्य आंगनवाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये। फतुहा व दनियावां के 268 केन्द्र का काम काज ठप्प करते हुए सेविका व सहायिका हड़ताल के पहले दिन फतुहा के बाल विकास परियोजना कार्यालय पहुंचे तथा उसके परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दरम्यान सरकार के विरुद्ध नारे भी लगाए। केन्द्र 174 की सेविका रेखा कुमारी ने बताया कि बीते जनवरी व फरवरी माह में छह सूत्री मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया था लेकिन राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग के प्रधान सचिव द्वारा इन मांगों को तीन महीने के अंदर लागू करने की आश्वासन दिया गया था। लेकिन तीन महीने से अधिक का समय बीत गया लेकिन मांगों को मानना तो दुर की बात है, प्रतिनिधि मंडल से मिलने से भी इंकार कर दिया गया। रेखा कुमारी ने बताया कि पिछले विधान सभा के चुनाव के दौरान एक राजनीतिक दल द्वारा सेविका व सहायिका के मानदेय को दोगुना कर देने की घोषणा की गयी थी। लेकिन सरकार में रहते हुए भी यह घोषणा कोरा कागज साबित हुआ। विदित हो कि आंगनवाड़ी केन्द्र की प्रोत्साहन राशि दस हजार रुपए सुनिश्चित करने, सुप्रिम कोर्ट के आदेश के आलोक में ग्रेच्युटी भुगतान को सुनिश्चित करने, सेविका व सहायिका को ग्रेड सी व ग्रेड डी में समायोजित करते हुए सरकारी कर्मी का दर्जा दिए जाने व सेविका व सहायिका का मानदेय में वृद्धि करते हुए एक सुनिश्चित राशि तय किए जाने की प्रमुख मांग की गयी थी।

युवा नशामुक्त हो देश को प्रगति पथ पर ले जाएं : जनमेजय

विहिप का युवा इकाई बजरंग दल ने निकाला शौर्य जागरण यात्रा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

विश्व हिन्दू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल देश के युवाओं को व्यसन व नशा मुक्त कराने तथा देश के अलग कालक्रम में बलिदान हुए देशभर सहित बिहार के उन महापुरुषों की ओर ध्यान खींचना चाहता है, जिन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों के साथ लोहा लिया। भारत की स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेकर जिन्होंने अपना जीवन भारत माता को समर्पित कर दिया। इसके साथ ही चीन और पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय भी देश के जवानों ने जिस प्रकार का शौर्य व पराक्रम दिखाया है, वह आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। देश के युवा वर्तमान समय में ऐसे महापुरुषों से प्रेरणा ले सकें, सामाजिक जीवन में समरस होकर राष्ट्र को प्रगति पथ पर ले जाने में योगदान कर सकें तथा उसका जीवन राष्ट्र और धर्म के लिए प्रेरित हो सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विहिप की युवा इकाई बजरंग दल देश भर अनेक शौर्य जागरण यात्रा निकाल रही है। इसके अंतर्गत पटना साहिब में शुक्रवार को यात्रा का आगमन कुम्हरार से हुआ। बिस्कोमान गोलंबर, गायघाट, बेलवरगंज, पश्चिम दरवाजा होते हुए चौक स्थित सनातन धर्म सभा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में यात्रा के साथ आए हुए साधु-संतों का स्वागत हुआ। इसके बाद यात्रा सिटी के चौक, मारूफगंज, मालसलामी होते हुए फतुहा की तरफ प्रस्थान कर गई। इसमें माननीय जनमेजय जी, क्षेत्र संयोजक (बजरंग दल) के जनमेजय, विभाग मंत्री गौरव अग्रवाल, यात्रा प्रमुख अभिषेक राजा, समाजसेवी शशिशेखर रस्तोगी, डा टीपी गोलवारा, बाबा विवेक द्विवेदी सहित गण्यमान्य समाजसेवीगण के साथ बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में पटना साहिब जिला के सह मंत्री गंगाधर गिरी, सुमित कुमार, प्रियांशु, हर्ष चौधरी, संतोष कुमार, निशांत सुमन, रितिक, विनायक आदि की सक्रिय भूमिका रही। यात्रा में महात्यागी ब्रह्मदेव दास, महेंद्र दास, सुरेश दास, दयानंद मुनि, मिश्री बाबा और प्रह्लाद बाबा भी थे। शौर्य जागरण यात्रा का मच्छरहट्टा में श्री राम जन्मोत्सव समिति के द्वारा मच्छरहट्टा स्थित कार्यालय के पास समिति के अध्यक्ष राजेश चंद्रवंशी, बाबू भाई, विनय कुमार बिट्टू, संतोष कुमार सोनू, शंकर महतो, नैयर इकबाल, कीर्ति यादव, कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारीयों को माला एवं अंग वस्त्र के साथ शौर्य जागरण यात्रा में शामिल सभी सदस्य का स्वागत किया। साथ ही चल रहे रथ पर पुष्प वर्षा भी किया गया। यात्रा में शामिल जन्मजय कुमार, महंत महेंद्र दास, गुंजन सिंह राजपूत, अभिषेक राज, अमित कुमार सिन्हा, हिमाचल सिंह, चंद्रशेखर आजाद, गंगाधर गिरि, छोटू गिरि, प्रमोद राज, बीर कुमार, तुषार स्वासत आदि ने स्वागत किया।

पटना साहिब स्टेशन पर चला स्वच्छता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब स्टेशन पर गुरुवार को पर्यावरण व गृह व्यवस्था प्रबंधन दानापुर एवं रक्षक फाउंडेशन के साथ रेल यात्रियों के बीच स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने की अपील की गई। अभियान में स्टेशन प्रबंधक उपेंद्र कुमार, एसएस ई. संतोष कुमार सिंह, सीएचआई मृत्युंजय कुमार एवं अन्य रेल कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो पर लगने वाली ट्रेनों में सवार यात्रियों को भी हाथ मिलाकर, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों के बोगियों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। कहा गया कि स्टेशन के प्लेटफार्म पर खड़े या बैठ कर आप ट्रेन का इंतजार करते हैं। यदि गंदगी पसरी रहेगी, तो शायद आपको अच्छा नहीं लगेगा। ट्रेन के सफर के दौरान भी इधर-उधर थूकना कुछ खाकर सामान फेंकना भी अन्य यात्रियों के लिए कष्टप्रद होता है। इसलिए लिए हम सब मिलकर ट्रेन की बोगियों और प्लेटफार्म को साफ रखने में सहयोग करें। साथ ही अपने घर और उसके आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ रखने का संकल्प लें।

स्वच्छता अभियान को अपना शहर को साफ रखने में करें सहयोग : सीता

नुक्कड़ नाटक से भी राजकीय कृत उच्च विद्यालय गुलजारबाग में दिया गया संदेश

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा स्वास्थ्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती सीता साहू ने उपस्थित छात्राओं से आह्वान किया कि आइए हम सब मिलकर स्वच्छता के प्रति सजग हों और अपने नागरिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए पटना शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अपना योगदान दें । इस अवसर पर उन्होंने आगे कहा कि हर व्यक्ति को चाहिए कि आपने आसपास और गली-मोहल्ले में नगर निगम द्वारा रखे गए कचरा प्वाइंट पर ही घर के कचरे का निष्पादन करें। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि हमें प्लास्टिक का बहिष्कार करना चाहिए, क्योंकि यह कई बीमारियों की जड़ है। उन्होंने आगे बताया कि स्वच्छता सेवा अभियान के तहत हम सबों को सप्ताह में सिर्फ दो घंटे साफ-सफाई करने के लिए देना चाहिए, जिससे हमारे चारों ओर स्वच्छ वातावरण दिखाई दे। इस दौरान उपस्थित छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। प्रभारी प्राचार्य श्रीमती संगीता कुमारी ने कहा कि स्वच्छता सेवा के तहत चलाया जा रहा यह अभियान लोगों में जागरुकता लाने के लिए किया जा रहा है। एक अक्टूबर को दिन में 10 बजे एक घंटा भारत में श्रमदान करना निर्धारित किया गया है। आप जहां भी हों, एक घंटा श्रमदान करके इस स्वच्छता ही सेवा अभियान के साथ जुड़ सकते है। उसके बाद सभी उपस्थित छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर एवं आसपास के सार्वजनिक स्थल पर एक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम के तहत आसपास के स्थानों की साफ-सफाई की गई, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता पैदा हो सके। कार्यक्रम के दौरान विभागीय पंजीकृत सांस्कृतिक दल की प्रस्तुति पटना के कलाकारों द्वारा स्वच्छता पर गीत एवं संगीत भी प्रस्तुत किए।

केंद्रीय होम्योपैथी रिसर्च संस्थान में हिन्दी में हस्ताक्षर करने पर बल

प्रतियोगिता में डॉ मनीला, आयशा व सुमित हुए पुरस्कृत

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। श्री गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में संचालित केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की चिकित्सा सत्यापन इकाई होम्योपैथी पर हिन्दी पखवारा पर शब्दावली व काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार यादव ने हिन्दी में हस्ताक्षर करने और न्यायालय में कामकाज की भाषा हिन्दी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी को साहित्य की भाषा से आगे ले जाकर सिर्फ ज्ञान ही नहीं, विज्ञान की भाषा, शासन और प्रशासन की भाषा, न्याय और न्यायालय की भाषा बनाने की जरूरत है। उन्होंने आह्वान किया कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के लिए कम से कम अपना हस्ताक्षर हिन्दी में सभी करें । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारी डॉ केके अविनाश ने की। आयोजन में भारतीय नागरी लिपि की संयोजक डॉ अशुमाला ने हिन्दी को व्यवहार की भाषा बनाने पर बल दिया।

मुस्लिम महिलाओं के तालीम पर दिया गया जोर

सीरत कांफ्रेंस के साथ हजरत पैगंबर साहब का तीन दिवसीय यौमे पैदाइश का कार्यक्रम संपन्न

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

जश्न ईद मिलाद-उन-नबी के पर अंजुमने मोहम्मदिया के द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन सीरत कांफ्रेंस बराए ख्वातीन का आयोजन उर्दू मैदान मंगल तालाब में हुआ। इसी के साथ अंजुमने मोहम्मदिया का तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खानकाहे एमादिया, मंगल तालाब के सज्जादानशीं हजरत मौलाना सैयद मिसबाह उल हक एमादी की पुत्री ने और संचालन डॉ तलत जहां ने किया। संयोजन जीनत वजीह ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हफीजा आइशा रजा के तिलावत ए कलाम पाक से हुआ। तकरीर में ओरिएंटल कॉलेज की छात्रा कायनात कौसर ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहेब के पैदाइश से पहले लोग बच्चियों को जिंदा दफन कर दिया करते थे। इस्लाम से पहले औरतों की कोई कद्र नहीं थी। हजरत खदीजा पहली इस्लाम धर्म कबूल करने वाली महिला थीं। गजाला फातमा ने कहा कि हम औरतों को सम्मान दिया गया। इसके अलावा नेक फातमा, सबीहा अंजुम, अर्शी प्रवीण, नुसरत परवीण ने तकरीर किया और हजरत मोहम्मद सलल्लाह अलैह वसल्लम के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने महिलाओं के तालीम पर खासकर जोर दिया। नात पढ़ने वालों में जायमा बक्स, मदीहा कौसर, निशात थीं। कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका में रहे अंजुमन के अध्यक्ष सैयद शमसुल हुसैन, महासचिव इरशाद अहमद, परवेज अहमद, आसिम सिद्दीकी, हसन इमाम, मो साबिर अली, मो फिरदौस, जाकिर बक्श, इकबाल हुसैन, मो इरफान, मो समी, मो रियाज, मजहर इकबाल आदि रहे।

दिल की बीमारी को कम करने के लिए सुबह 45 मिनट टहलें: डॉ सुरुचि

पैनकार्डिया हार्ट सेंटर व गिरिजा फाउंडेशन ने लोदीकटरा में लगाया हेल्थ कैंप

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

विश्व हृदय दिवस पर पैनकार्डिया हार्ट सेंटर एवं गिरिजा फाउंडेशन के सहयोग से निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन लोदीकटरा में किया गया। इसका उद्घाटन डॉ एस सिकंदर अली खां, डॉ संतोष पांडेय और डॉ सुरुचि पांडेय ने किया।

शिविर में मरीजों का ब्लड प्रेशर नापा गया। डाइटिशियन सलाह दी गई। शुगर लिपिड प्रोफाइल, थायराइड और ईसीजी की जांच की गई। इस दौरान हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुरुचि पांडेय ने बताया कि हृदय रोगों के जोखिम को कम करने और दिल की बीमारी से बचने के लिए लोगों को 45 मिनट सुबह में मॉर्निंग वॉक करने सलाह दी। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हेल्थ कैंप शिविर का आयोजन किया गया है।

इसमें सौ से अधिक मरीजों के हृदय की जांच की गई और जरूरी सलाह दी गई। डॉक्टर ने कहा कि हृदय की समस्या पुरुष और महिलाओं में आज के समय में काफी देखा जा रहा है। लोगों को आहार और विचार सही समय पर लेना है, जिससे उनका स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक रहे।

कबीर मठ फतुहा में शौर्य जागरण यात्रा का भव्य स्वागत

देश की स्वतन्त्रता आंदोलन में बिहार की अग्रणी भूमिका : मंहत ब्रजेश

प्रात :किरण संवाददाता

फतुहा। शहर के दरियापुर स्थित कबीर मठ फतुहा में आज राम मंदिर के निर्माण के तहत विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की ओर से निकाली गई गुरु गोविंद सिंह शौर्य जागरण रथ यात्रा का आगमन हुआ। इस अवसर पर रथ यात्रा का स्वागत कबीर मठ फतुहा के संरक्षक आचार्य महंत ब्रजेश मुनि महाराज ने किया और कहा कि देश की स्वतन्त्रता आंदोलन में बिहार की अग्रणी भूमिका है। जब-जब विदेशी आक्रमणकारियों ने देश की तरफ कुदृष्टि डाली है तब-तब चाणक्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, गुरु गोविंद सिंह, बाबू वीर कुंवर सिंह जैसे वीर योद्धाओं ने उन्हें धूल चटा दी। बिहार के हर जिले हर गांव से वीर योद्धाओं का नाम अवश्य मिल जाएगा, जिन्होंने देश के लिए पराक्रम किया है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा, भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस जैसे वीरों ने देश भर के युवाओं के लिए जो प्रेरणा दी है उसे हमेशा स्मरण करते रहना चाहिए और हमारे जीवन मे भी शौर्यता और पराक्रम का भाव बना रहे इस हेतु देश भर में इस प्रकार की शौर्य यात्रा निकल रही है। इसी कड़ी में राम जानकी मंदिर कटैया घाट के महंत राम सुंदर दास शरण जी महाराज ने कहा कि हम सब को मिल कर भारत माता को फिर से परम वैभव तक लेकर जाना है। हमसब जाति-वर्ग का भाव छोड़कर देश को समरस बनाने के लिए कार्य करे। जिन बलिदानियों ने देश के लिए त्याग किया अपना सर्वस्व जीवन भारत माता को अर्पित कर दिया वैसे वीर बलिदानियों के जीवन का आदर्श लेकर युवाओं को प्रेरित करना है। ताकि अन्य कोई भी विधर्मी इस देश की ओर कुदृष्टि न डाल सके। इस अवसर पर महंत सत्यस्वरुप शास्त्री, राजेंद्र राणा, मुन्ना सिंह, अरुण झा, श्याम सुंदर केशरी, अनामिका अग्रवाल, शोभा देवी, शारदा देवी, डा लक्ष्मी नारायण, रंजना पटवा , पुनम केशरी, संत विवेक मुनि, संत अशोक दास, संत महेश दास, संत सुहावन दास आदि उपस्थित हुए।

गाजे बाजे के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा की हुई विसर्जन

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत पेठिया बाजार काली स्थान रोड में। राइजिंग क्लब व्यापार संघ के द्वारा दस दिवसीय गणेशोत्सव आयोजित होने के बाद शुक्रवार को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा निकाली। बैंड बाजे के साथ पेठिया बाजार से निकाली शोभा यात्रा सदर बाजार, थाना मोड़, इमलीतल, तकियापर, गाभतल व गोलापर , बीबीगंज, बस पड़ाव होते हुए पीपा पुल घाट पर भगवान गणेश की प्रतिमा को गंगा में विसर्जित कर दिया गया।

शोभा यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु गण झुमते हुए गणपति बप्पा मोरया मंगल मूर्ति मोरया के नारे की जय घोष कर रहे थे। नगर के चौक-चौराहे पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणपति की आरती की व पुष्पा वर्षा भी करते नजर आये।

पूजा समिति के आयोजक ओम प्रकाश यादव उर्फ चिन्ना लाल ने बताया कि शांति पूर्वक भगवान गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन शोभा यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा की व्यवस्था की गई।

पुलिस पदाधिकारी व बल धार्मिक आयोजन को ले रहे परेशान

श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन, शौर्य जागरण यात्रा व सीरत कांफ्रेंस

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अनुमंडल के शहरी थाना क्षेत्र के सात थाना की पुलिस शुक्रवार को धार्मिक आयोजन को लेकर विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर परेशान रही। इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल के द्वारा निकाले गए जागरण शौर्य यात्रा, श्रीश्री गणेश पूजा समिति, बाल मंडली जमुनी राय का कुआं और मंगल तालाब के उर्दू मैदान स्थित महिलाओं का सीरत कॉन्फ्रेंस सह बहू बाजार मेला को लेकर था। बजरंग दल के द्वारा जागरण शौर्य यात्रा कुम्हरार के संदलपुर ओवरब्रिज से होता हुआ बिस्कोमान गोलंबर, गायघाट, अशोक राजपथ के पुरानी सिटीकोर्ट पश्चिम दरवाजा, खाजेकलां होता हुआ चौक पहुंचा। यहां चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन में छोटी सभा करने के बाद यात्रा फतुहा की ओर प्रस्थान कर गया। इस शौर्य यात्रा को लेकर अगमकुआं, आलमगंज, खाजेकलां, चौक, मेहंदीगंज, मालसलामी और दीदारगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी और बल लगे रहे। वहीं खाजेकलां थाना क्षेत्र के सुदर्शन पथ के जमुनी राय का कुआं स्थित श्रीश्री गणेश पूजा समिति बाल मंडली का विसर्जन जुलूस निकाला गया। हालांकि स्थान से प्रतिमा को जैसे ही आगे बढ़ाया गया, समिति की ओर से बनाए गए रोड पर तोरण द्वार में प्रतिमा गुजरने में बाधक बन गया। आयोजकों की ओर से उत्साही युवकों ने बनाए तोरण द्वार पर चढ़कर बांस को खोला। इसके बाद ही प्रतिमा विसर्जन के लिए आगे बढ़ पाया। इस दौरान नवाब बहादुर मोड़ से लेकर नून की चौराहा पूरब की ओर तक वाहनों का लंबा जाम लगा रहा। हालांकि इस दौरान खाजेकलां थाना एवं मेहंदीगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं बल इस दूरी में लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए थे और वाहनों को व्यवस्थित कर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। चौक थाना क्षेत्र के मंगल तालाब स्थित उर्दू मैदान में अंजुमने मोहम्मदिया के द्वारा हजरत पैगंबर साहेब के यौमे पैदाइश के अवसर पर तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन किया गया था। शुक्रवार को यहां महिलाओं का सीरत कॉन्फ्रेंस था और खानकाहे एमादिया परिसर में बहू बाजार मेला भी लगा था। मंगल तालाब के पश्चिमी छोर पर रोड के दोनों तरफ खाने के सामान का स्टाल और ठेला लगा था। यहां भी पुलिस पदाधिकारी और जवान विधि-व्यवस्था संधारण के लिए लगे हुए थे। इस तरह से कहें तो अनुमंडल के सुल्तानगंज थाना और बहादुरपुर थाना की पुलिस को छोड़कर सभी थाना के पुलिस पदाधिकारी और बल धार्मिक आयोजनों के विधि-व्यवस्था में ही परेशान रहे।

महिलाओं का जिला स्तरीय लर्निंग कैम्प आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिला के संस्कार होटल के प्रांगण में सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज सी -3 कार्यन्वित पहल प्लस परियोजना के अंतर्गत पंचायत की चुनी गई महिला जनप्रतिनिधियों का जिला स्तरीय एकदिवसीय लर्निंग कैंप का आयोजन किया गया इस लर्निंग कैंप में मीनापुर प्रखंड की 26 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिए साथ ही 3 पटना से आये वरिष्ठ कार्यक्रम पदाधिकारी आकाश कुमार ने पहल प्लस परियोजना के बारे में बताएं इस परियोजना में महिला जनप्रतिनिधियों को लैंगिक समानता, मातृत्व स्वास्थ्य,प्रजनन स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं पोषण आदि विषयों पर क्षमता वर्धन किया जा रहा है दूसरे राउंड के लर्निंग कैंप में सभी महिला वार्ड सदस्यों को समानता पर आधारित लैंगिक जेंडर के बारे में समझाया गया साथ ही महिला जनप्रतिनिधियों को गेम के माध्यम से सभी प्रतिनिधि गेम अवधि के दौरान वैसे व्यक्ति बन गए थे जिनकी उनकी उन्हें पहचान दी गई थी जिससे महिलाओं के साथ किए जा रहे भेदभाव के बारे में विस्तृत रूप से उनकी समझ को विकसित किया गया इसी बीच एक्सपोजर विजिट सखी वन स्टाफ सेंटर विकसित करने के दौरान डीपीओ चांदनी सिंह ने घरेलू हिंसा पर चर्चा करते हुए बहुत सारी जानकारी देते हुए कहा की अगर आप लोग के साथ यदि किसी प्रकार की घरेलू हिंसा होती है तो आप इसकी जानकारी महिला हेल्पलाइन 181 पर दर्ज करें ताकि उन समस्या का समाधान किया जा सके साथ ही आपलोग लैंगिक भेदभाव का बहिष्कार करें और समाज को दहेज प्रथा से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम कर दहेज प्रथा रोकथाम कर सकते हैं साथ ही लैंगिक भेदभाव को बहिष्कार करने के लिए आप लोगों को अपने वार्ड पंचायत में समुदाय की महिलाओं की समझ बनानी होगी की भी लड़का और लड़की में कोई भेदभाव नहीं होता है जो काम लड़के कर सकते हैं वह काम लड़कियां भी कर सकती हैं फर्क है तो इतना कि उन्हें भी समय दी जानी चाहिए इसी क्रम मे केंद्र प्रशासक ज्योति कुमारी ने महिलाओं के साथ हो रहे विभिन्न प्रकार के हिंसा से बचाव हेतु टॉल फ्री नंबर 112 और 181 के बारे में जानकारी इस कार्यक्रम में मौके पर उपस्थित डीपीओ चांदनी सिंह ,केंद्र प्रशासक ज्योति कुमारी ,केश वर्कर ममता कुमारी, सीडीपीओ शारदा कुमारी, एवं जिला प्रबंधक विनय प्रताप सिंह डीएमसी राहुल कुमार 3 पटना कार्यक्रम पदाधिकारी आकाश कुमार आकाश कुमार, सभी महिला जनप्रतिनिधि, मुखिया गुड्डी देवी गुड्डी , किरण देवी, अभिलाषा कुमारी 3 जिला समन्वयक अनुज कुमार एवं सी-3 प्रखंड समन्वयक पूनम कुमारी विनय भूषण संजू शाही भी उपस्थित रहे।

चंद्रिका पॉवर प्राइवेट लिमिटेड से लोगों को मिलेगा रोजगार : रंजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को बिहारशरीफ के फतेहली ग्राम में इथेनॉल उत्पादन प्रतिष्ठान चंद्रिका पॉवर प्राइवेट लिमिटेड का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रतिष्ठान के निदेशक रूहेल रंजन को बिहार में निवेश के लिए बधाई देते हुए प्रतिष्ठान के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मौके पर प्लांट के प्रबंध निदेशक रूहैल रंजन ने बताया कि प्लांट में करीब 150 एमटी मकई, चावल से 60 हजार लीटर प्रति दिन इथेनॉल का उत्पादन होगा। सारा इथेनॉल भारत सरकार की विभिन्न तेल कंपनियां ही खरीद लिया करेंगे। उन्होंने बताया कि प्लांट से करीब 1000-1200 लोगों स्थानीय नागरिकों को प्रतक्ष्य या अप्रत्यक्ष रोजगार का मौका मिलेगा, वहीं इथेनॉल उत्पादन के लिए प्रतिष्ठान मकई और चावल का क्रय सीधे स्थानीय किसानों से करेगी। इससे हजारों की संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा। गौरतलब हो कि आने वाले समय में हाइब्रिड इंजन में इथेनॉल के उपयोग से ही वाहन चलेंगे। इससे प्रदूषण कम होता है तथा साथ ही पेट्रोल के दामों पर भी अंकुश लगेगा और पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचेगा। मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा जनता दल (यू) के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन, बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी, श्रवण कुमार, संजय झा, समीर महासेठ, सांसद कौशल कुमार, विधायक कौशल किशोर, राकेश रोशन, प्रेम मुखिया, विधान पार्षद ऋचा यादव, बिहार सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, नालंदा जिला प्रशासन के सभी अधिकारी समेत हजारों की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय की लड़ाई अभी बहुत लंबी है : शिवानंद

- बोलें- मनोज झा को धमकी दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

पटना। राजद के वरिष्ठ नेता सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने मनोज झा के कविता पाठ पर मचा सियासी बयान पर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। श्री तिवारी ने कहा है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई अभी बहुत लंबी है। आज जब संसद में एक कविता का पाठ करने पर सार्वजनिक रूप से सर काट लेने, जीभ खिंच लेने, हत्या कर देने जैसी धमकी दी जा रही है। आज के दिन भी निडर होकर ऐसी धमकी दी जा सकती है यही प्रमाण है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई अभी बहुत लंबी है। मनोज झा ने महिला आरक्षण पर अपने भाषण के दरम्यान ओमप्रकाश वाल्मीकि की ठाकुर का कुआँ नाम की उस कविता को संसद में सुनाया था। वह कविता नहीं है। बल्कि एक दलित की वेदना का मर्मस्पर्शी बयान है। वह कविता आज नहीं लिखी गई है। आज से चौवालीस वर्ष पूर्व लिखी गई इस कविता ने लाखों लोगों के मन को द्रवित किया होगा। जिस समय ओमप्रकाश वाल्मीकि जी ने उस कविता सार्वजनिक पाठ किया होगा उस समय किसी ने उनकी जीभ नहीं काटी, गर्दन नहीं उतारी। मुझे तो लगता है कि इस कविता का जो थीम है, उसका जो विषय वस्तु है और जिस ढंग से उसमें दलितों की वेदना का बयान है। उसकी प्रेरणा संभवतः ओमप्रकाश वाल्मीकि जी को प्रेमचंद जी से ही मिली होगी। ठाकुर का कुआँ प्रेमचंद जी की सबसे छोटी लेकिन कालजयी कीर्ति मानी जाती है। उस कहानी में वही दर्द है, वही पीड़ा है जिसको वाल्मीकि जी ने अपनी कविता के जरिए व्यक्त किया है। आज के मुकाबले प्रेमचंद जी का समय शायद ज्यादा सामंती रहा होगा। लेकिन ठाकुर का कुआँ नाम की उस कहानी के लिए प्रेमचंद जी को धमकी दी गई हो या उन पर हमला हुआ हो, यह इतिहास में कहीं दर्ज नहीं है। श्री तिवारी ने कहा कि मनोज झा द्वारा संसद में एक चर्चा के दरम्यान ओमप्रकाश वाल्मीकि की उस कविता के पाठ के लिए तरह तरह की धमकी मिल रही है। कल लालू जी ने मनोज झा का मजबूती से समर्थन किया था। श्री तिवारी ने आगे कहा कि आश्चर्य है कि जिन लोगों ने सार्वजनिक रूप से मनोज झा की जीभ उखाड़ने या गर्दन उतार लेने की धमकी दी उस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा ! जैसे उस कविता का पाठ करना ऐसा अपराध है जिसके लिये इस तरह की धमकी स्वाभाविक है।

गुवाहाटी और रांची के बीच चलने वाली स्पेशल के परिचालन अवधि में वृद्धि

मालदा टाउन-आसनसोल-धनबाद-बोकारो स्टील सिटी के रास्ते परिचालित की जा रही गाड़ी सं. 05671/05672 गुवाहाटी-रांची-गुवाहाटी स्पेशल की यात्रियों की मांग एवं आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु इस स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए 09 फेरे की वृद्धि की गयी है। गाड़ी सं. 05671 गुवाहाटी-रांची स्पेशल अब गुवाहाटी से 30 सितंबर से 25 नवंबर तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को परिचालित की जायेगी। वापसी में गाड़ी सं. 05672 रांची-गुवाहाटी स्पेशल अब रांची से 01 अक्टूबर से 26 नवंबर तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को परिचालित की जायेगी।

हड़ताली कर्मियों के अमानवीय व्यवहार के विरोध में कैंडल मार्च

- नगर निगम का दावा : हड़ताल के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था बरकरार
- कूड़ा गाड़ी एवं सफाई व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की शिकायत
- 155304 एवं इमरजेंसी कॉल बॉक्स में करें

पटना। पटना नगर निगम ने दावा किया है कि हड़ताल के बावजूद भी शहर की सफाई व्यवस्था को बरकरार रखा गया। विशेष अभियान रात्रि सफाई एवं वाहनों के द्वारा कूड़ा उठाव एवं सड़कों की धुलाई आदि के कार्य पूर्ण किए जा रहे हैं। परंतु हड़तालियों द्वारा इस कार्य में लगातार बाधा डाला जा रहा है। पहले जहां मारपीट एवं पत्थरबाजी और सरकारी वाहनों को तोड़फोड़ कर वह कार्य में बाधा डाल रहे थे वहीं अब सफाई कर्मियों को जूते की माला पहनाकर उनका मनोबल तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है और उन्हें कार्य करने से रोका जा रहा है। परंतु इससे पटना नगर निगम के कर्मियों का मनोबल टूटने के बजाय और अधिक मजबूत हो गया है।

सफाई कर्मियों के साथ किया जा रहा अमानवीय व्यवहार : सफाई कर्मियों के साथ हड़ताली उपद्रवियों द्वारा अमानवीय व्यवहार किया गया है कई वार्डों में उन पर गोबर, मिट्टी फेंकना, जूते की माला पहनना एवं मल मूत्र आदि फेंक कर उन्हें परेशान किया गया एवं कार्य में बाधा पहुंचाई गई। पटना नगर निगम द्वारा इन चिन्हित उपद्रवियों पर कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम द्वारा दिया गया सम्मान एवं प्रोत्साहन राशि :
जिन कर्मियों के साथ हड़ताली कर्मियों ने इस प्रकार का अमानवीय दुर्व्यवहार किया गया है वैसे सफाई कर्मियों को पटना नगर निगम द्वारा फूलमाला पहनकर सम्मानित किया गया एवं उन्हें प्रोत्साहन राशि के रूप में एक 1000 रुपये भी चेक के माध्यम से दिए गए।

अमानवीय कृत के विरुद्ध कैंडल मार्च :
हड़ताली कर्मियों के अमानवीयकृत के विरुद्ध पटना नगर निगम के सफाई कर्मियों ने सभी 75 वार्ड में कैंडल मार्च निकालकर इसका विरोध प्रदर्शन किया। वार्ड पार्षदों के सहयोग से यह कमी सभी वार्डों में घूम कर अपने दूसरे कर्मियों का मनोबल बढ़ाएंगे एवं हड़तालियों का विरोध करेंगे। पटना नगर निगम के सफाई कार्य में अगर कोई हड़ताली असामाजिक तत्व बाधा पहुंचाते हैं तो नगर निगम कर्मी 155304 एवं इमरजेंसी कॉल बॉक्स की सहायता से शिकायत कर सकते हैं। इसके साथ ही आम जन भी अगर इस तरह की कोई समस्या देखें तो वह इस नंबर पर संपर्क करें और नगर निगम को सूचना दें। इसके साथ ही अगर कूड़ा गाड़ी को नुकसान पहुंचाया जाता है तो इसकी शिकायत भी इस नंबर और कॉल बॉक्स के जरिए किया जा सकता है। वॉकी टॉकी के माध्यम से भी नगर आयुक्त द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था का लगातार जायजा लिया जा रहा है। इसके साथ ही रात्रि निरीक्षण कर नगर आयुक्त एवं वार्ड पार्षद सफाई कर्मियों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है। सम्मान समारोह कार्यक्रम में कुल 12 कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान सशक्त स्थाई समिति के सदस्य डॉ. इन्द्रदीप चंद्रवंशी, विनोद कुमार एवं वार्ड 14 के पार्षद प्रतिनिधि, उप नगर आयुक्त उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री को मणिपुर की चीख पुकार सुनाई नहीं देती : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि मणिपुर में हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर की चीख सुनाई नहीं देती है। नफरत और दहशत की आग में जिंदगियां झुलस रही हैं, हर तरफ मातम पसरा है। पिछले 5 महीने से मणिपुर के लोग खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री को इससे फर्क नहीं पड़ता। केंद्र सरकार द्वारा मणिपुर में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजने के बावजूद मामला नहीं संभल रहा है। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई मणिपुर नीति की विफलता का प्रमाण है कि हिंसा में सैकड़ों लोगों की जाने चली गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल और विस्थापित हो गये है। घरों और दुकानों को जलाया गया है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार मणिपुर के लोगों के बीच अपना विश्वास खो चुकी है। भाकपा मणिपुर के सभी वर्गों से शांति बनाए रखने की अपील करती है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा जब से केन्द्र में भाजपा की सरकार आयी है तब से लगातार अदिवासियों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं और आपसी रंजीश बढ़ा है। केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार चुनावी लाभ के लिए फूट डालो और राज करो की नीति अपना रही है। इस सरकार में आपसी भाईचारा समाप्त हो गया है। भाजपा पूरी तरह समाज को बांटने में लगी हुई है। भाकपा राज्य सचिव ने केंद्र सरकार से मणिपुर में शांति बहाल करने की मांग की है।

एनीमिया मुक्त भारत के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

- पोषण एवं परिवार नियोजन पर हुई विस्तृत चर्चा

पटना। पोषण माह के उपलक्ष में समेकित बाल विकास परियोजना द्वारा एनीमिया मुक्त भारत पर एक कार्यशाला का आयोजन पटना स्थित हिंदी भवन में किया गया. कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग की भी सराहनीय भूमिका रही और वहां पर स्वास्थ्य कर्मियों का एक दल भी कैंप करके लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया. इसमें प्रतिभागियों की हीमोग्लोबिन की जांच की गई। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समाज कल्याण विभाग, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका एवं पीएसआई इंडिया के जनरल मैनेजर शामिल रहे। कार्यशाला में पटना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस आभा प्रसाद ने प्रतिभागियों को पोषण अभियान एवं पोषण के महत्ता से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि पोषण का ध्यान रखना सभी की जिम्मेदारी है और इसकी शुरूआत अपने घरों से होनी चाहिए। एक पोषित माता ही सुपोषित शिशु की जननी होती है। पोषण के महत्त्व जीवन के हर पहलु में है। उन्होंने बताया कि शिशु पोषण, किशोर पोषण एवं मातृत्व पोषण एक स्वस्थ समाज की कुंजी होती है। पीएसआई इंडिया के तरफ से जनरल मेनेजर मनीष सक्सेना ने शामिल प्रतिभागियों को नए गर्भनिरोधक इंप्लांट सब डर्मल गर्भ निरोधक साधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे परिवार नियोजन अभियान को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि सब डर्मल इम्प्लांट उपलब्ध होने से लाभुकों को परिवार नियोजन के साधन अपनाने में और सुविधा होगी और उन्हें नियोजन के साधन में एक नया विकल्प उपलब्ध हुआ है।

पूर्व मध्य रेल : पुरस्कार वितरण समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महाप्रबंधक अनुपम शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजभाषा पखवाड़ा-2023 पुरस्कार वितरण समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों एवं वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ सर्वोत्तम पुस्तकालय (प्रेमचंद हिंदी पुस्तकालय/डीडीयू), सर्वोत्तम पत्रिका (कलरव/सोनपुर), सर्वोत्तम समिति (स्टेराकास/डेहरी ऑन सोन/डीडीयू को प्रथम एवं काराकास/सडिमका/हरनौत को द्वितीय) एवं सामूहिक पुरस्कार के अंतर्गत सुरक्षा विभाग, पूमरे/हाजीपुर, सोनपुर मंडल के वाणिज्य शाखा एवं प्लांट डिपो, पूमरे/डीडीयू को सामूहिक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस समारोह की शुरूआत मुख्यालय कला समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति के साथ हुई जिसमें रेल कलाकरों ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किया। महाप्रबंधक श्री अनुपम शर्मा ने राजभाषा विभाग को कार्यक्रम की बधाई देते हुए सभी पुरस्कार विजेताओं को हिंदी में प्रशंसनीय कार्य करने के लिए बधाई दी और राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को और गति प्रदान करने के लिए हमेशा सचेष्ट रहने को कहा. श्री शर्मा ने इस विशेष अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि मुझे हर्ष है कि राजभाषा पखवाड़ा-2023 के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. राजभाषा पखवाड़ा मुख्यालय के कार्मिकों ने अपना योगदान देकर इसे सफल बनाने में अहम भूमिका का निर्वहन किया. इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्होंने अपनी दक्षता का भी परिचय दिया है. मुझे पूर्ण विश्वास है कि अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी इससे प्रेरणा ग्रहण कर अपना शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करेंगे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जेके पी सिंह, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने कहा कि इस अवसर पर महाप्रबंधक का विशेष आभार प्रकट करता हूँ जिनके मार्गदर्शन में राजभाषा पखवाड़ा-2023 का सफल आयोजन हुआ। श्री जेकेपी सिंह, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने इस कार्यक्रम का संचालन किया तथा उनके धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

लोकमान्य तिलक का जैतवार स्टेशन व शिप्रा एक्सप्रेस का पथरिया स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 13201/13202 पटना-लोकमान्य तिलक-पटना एक्सप्रेस का जबलपुर मंडल के सतना-मानिकपुर रेलखंड पर स्थित जैतवार स्टेशन पर एवं गाड़ी सं. 22911/22912 इंदौर-हावड़ा-इंदौर शिप्रा एक्सप्रेस का जबलपुर मंडल के सागर और दमोह स्टेशन के मध्य स्थित पथरिया स्टेशन पर 29 सितंबर से 27 मार्च तक 02 मिनट का प्रायौगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। 29 सितंबर से गाड़ी सं. 13201 पटना-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस 10.13 बजे जैतवार स्टेशन पहुंचकर वहां से 10.15 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी इसी तरह 29 सितंबर से गाड़ी सं. 13202 लोकमान्य तिलक-पटना एक्सप्रेस 11.44 बजे जैतवार स्टेशन पहुंचकर वहां से 11.46 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। 29 सितंबर से गाड़ी सं. 22911 इंदौर-हावड़ा शिप्रा एक्सप्रेस 08.23 बजे पथरिया स्टेशन पहुंचकर वहां से 08.25 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी तथा गाड़ी सं. 22912 हावड़ा-इंदौर शिप्रा एक्सप्रेस 14.38 बजे पथरिया स्टेशन पहुंचकर 14.40 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा मिलना चाहिए : प्रदीप

पटना। एमएसएमई द्वारा15 से 29 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। एमएसएमई के सहायक निदेशक संजीव आजाद ने अतिथिओ का स्वागत किया एवं कार्यक्रम उदेश्य के बारे मे विस्तृत जानकारी दिये। संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार के मार्गदर्शन एवं उनके दिशानिर्देश पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार, स्वाति शिखा एवं मुख्य अतिथि डॉ नीतू नवगीत, ब्रांड दूत, पटना नगर निगम मौजूद थे। समापन कार्यक्रम मे निदेशक प्रदीप कुमार, के द्वारा अंग वस्त्र एवं पौधा भेट किया गया। सर्वप्रथम स्वाति शिखा ने अपने द्वारा लिखी कविता से शुरूआत की और हिन्दी के महत्व पर अपनी दृष्टि कोण प्रस्तुत की। संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण मे हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा मिलना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ नीतू नवगीत, ब्रांड दूत, पटना नगर निगम ने मुख्य अतिथि भाषण मे हिन्दी राजभाषा पर लिखी कविता को लोगो के बीच प्रस्तुत किए और हिन्दी भाषा लोगो को जोड़ती है और उन्होने यह भी कहा की अन्य भाषा का भी सम्मान करना चाहिए जिससे हिन्दी भाषा का भी सम्मान बढ़े गा। श्री संजीव आजाद ने कार्यालय द्वारा चालू तिमाही मे शत प्रतिशत हिन्दी पत्राचार हुआ उसका जिक्र किया। श्री सम्राट मुरलीधर झा अंत मे धन्यबाद ज्ञापन प्रस्तुत की।

असुरक्षित गर्भपात मातृ मृत्यु का एक प्रमुख कारण : डॉ. सरिता

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पटना। राज्य स्वास्थ्य समिति एवं आईपास डेवलपमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज शुक्रवार को पटना स्थित एक निजी होटल में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ राज्य स्वास्थ्य समिति मातृत्व कोषांग के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सरिता ने किया। बताया कि राज्य में वर्ष 2022-23 वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार अभी 271 स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षित गर्भ समापन की सुविधा उपलब्ध है। वहीं 2021-22 में राज्य के 138 स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षित गर्भ समापन की सुविधा उपलब्ध थी। उन्होंने बताया कि 2021-22 में राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में 7959 लाभुकों का सुरक्षित गर्भ समापन कराया गया था और वर्ष 2022-23 में 12,853 लाभुकों को सुरक्षित गर्भ समापन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। डॉ. सरिता ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। डॉ. ए.के.तिवारी, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं ने बताया कि भारत में कुल मातृ मृत्यु का 8 प्रतिशत असुरक्षित गर्भपात के कारण होता है और इसे कम करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। डॉ. रानू सिंह, वरीय चिकित्सा पदाधिकारी, पीएमसीएच ने एम.टी.पी संशोधन अधिनियम 2021 में हुए संशोधनों पर सभी प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. अमिता सिन्हा, सचिव, पटना ओब्सस्टेटरिक एंड गायनेकोलोगिकल सोसाइटीज के द्वारा सुरक्षित गर्भपात सेवा व्यवस्था के बारे में चर्चा की और सुरक्षित गर्भपात पर अपना अनुभव साझा किया। कार्यशाला में आईपास डेवलपमेंट फाउंडेशन के के बिहार के राज्य निदेशक तफसीरुल मजाहिर ने भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

शहर को स्वच्छ बनाने में आम नागरिक भी अपना अमूल्य योगदान दे : साहू

- स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पटना सिटी में स्वच्छता शपथ
- श्रमदान, स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो पटना द्वारा शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महावीर घाट पटना सिटी, पटना में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मौक पर सीता साहू, मेयर, पटना नेकहा कि स्वच्छता अभियान को अपना कर पटना शहर को स्वच्छ बनाने में आम नागरिक भी अपना अमूल्य योगदान दे सकते है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो, भारत सरकार पटना द्वारा आयोजित शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीता साहू, मेयर पटना ने उपस्थित छात्राओं से आह्वान किया कि आई हम सब मिलकर स्वच्छता के प्रति सजग हों और अपने नागरिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए पटना शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि आपने आसपास और गली मोहल्ले में नगर निगम द्वारा रखे गए पूरा पॉइंट पर ही घर के कूड़े का निष्पादन करें। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि हमें प्लास्टिक का बहिष्कार करना चाहिए क्योंकि यह कई बीमारियों की जड़ है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत हम सभी को सप्ताह में सिर्फ दो घंटे साफ-सफाई करने के लिए देना चाहिए, जिससे हमारे चारों ओर स्वच्छ वातावरण दिखाई दे। इस दौरान उपस्थित छात्राओं को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। मौके पर संगीता कुमारी प्रभारी प्राचार्य राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पटना सिटी ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा के तहत चलाया जा रहा यह अभियान लोगों में जागरूकता लाने के लिये किया जा रहा है। आगामी एक तारीख को दिन में 10 बजे एक घंटा पुरे भारत में श्रमदान करना निर्धारित किया गया है, आप जहाँ भी हो एक घंटा श्रमदान करके इस स्वच्छता ही सेवा अभियान के साथ जुड़ सकते है। बाद में सभी उपस्थित छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर एवं आस पास के सार्वजनिक स्थल पर एक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम के तहत आस-पास के स्थानों की साफ-सफाई की गई, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति अत्यधिक जागरूकता पैदा हो सके। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान विभागीय पंजीकृत सांस्कृतिक दल प्रस्तुति पटना के कलाकारों द्वारा स्वच्छता के उपर गीत एवं संगीत भी प्रस्तुत किए।

विश्व हॉर्ट दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

पटना। विश्व हार्ट दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पूर्व विधान पार्षद प्रो. रणबीर नंदन ने एचडीएनए, आरोग्यम अस्पताल रुकुनपुरा की ओर आयोजित यूज हार्ट नो हॉर्ट विषय पर निकाली गई जागरूकता रैली में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपने दिल का ख्याल रखने की अपील की। प्रो. नंदन ने कहा कि दिल की बीमारियां कई कारणों से हो सकती हैं। इस प्रकार की बीमारियों को बढ़ने से पहले से ही उसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए दिल की समय-समय पर जांच करानी जरूरी है। हाल के समय में बढ़ रहे दिल के रोगियों की संख्या में वृद्धि पर भी उन्होंने चिंता जाहिर की। प्रो. नंदन ने कहा कि पटना में हर रोज कम से कम 50 हार्ट बाइपास सर्जरी की आवश्यकता है। आईजीआईएमएस को छोड़कर अन्य किसी भी अस्पताल में गरीबों के लिए सस्ते दिल के इलाज की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि राजधानी के सभी सरकारी अस्पतालों में कम से कैथ लैब की सुविधा विकासित की जाए। वहां पर एजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की सुविधा मरीजों को मिले। इससे लोगों को लाभ मिलेगा। इस जागरूकता रैली में डॉ. निशांत त्रिपाठी समेत अनेक प्रतिष्ठित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया। डॉ. त्रिपाठी के नेतृत्व में यह अस्पताल समाज के सभी वर्गों के रोगियों की यथोचित राशि में सेवा कर रहा है। वर्ल्ड हार्ट डे पर डॉ. निशांत त्रिपाठी ने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक करना है। दिल को नुकसान पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका कोलेस्ट्रॉल की होती है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी सेकंडरी या टर्शियरी केयर अस्पताल में लगभग आधे से ज्यादा रोगियों को एक या एक से ज्यादा लिपिड घटक असामान्यताएं होती हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. निशांत त्रिपाठी के साथ, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. धीरज कुमार, डॉ. तौसीफ निशार, डॉ. स्मित सिन्हा, डॉ.अरुंधति, डॉ. अचल कुमार, डॉ. शील अवनीश, डॉ. सुकेश कुमार, डॉ. कुमार विक्रम, डॉ. कौशल किशोर मौजूद रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (यॉत्रिक)/पूर्व मध्य रेल/ समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे कार्यो के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस. वेव पोर्टल पर **दो पैकेट पद्धति के अधीन खुली ई–निविदा** के रूप में आमंत्रित की जाती है:– **(1) निविदा सूचना सं०:** यॉ–टी.सी.–07 ऑफ 2023 (खुली ई निविदा), **कार्य का नाम:** समस्तीपुर मंडल अन्तर्गत एसजी एवं एलएचबी टाईप एसी कोचों में लगे विभिन्न मेक के आर.एम.पी.यू (सिद्धवाल, इनटेक, फेडर लॉयड, दौलत राम, स्टेसलीट, अम्बर एवं अमित इंजी.) के वार्षिक व्यापक अनुरक्षण (सीएएमसी) के साथ एसी कोचो का इस्कॉर्टिंग के लिए कॉन्ट्रेक्चुअल एसी कोच मेकेनिक के द्वारा तीन वर्षो के लिए एसीसीआई का कार्य करने हेतु अनुबंध। **निविदा लागत (रूपये में):** रू. 17,76,19,660.26 (रू. सत्तरह करोड़ छिहत्तर लाख उन्नीस हजार छः सौ साठ एवं छब्बीस पैसा मात्र।) **बयाने की राशि (रूपये में):** रू. 10,38,100.00 (रू. दस लाख अड़तीस हजार एक सौ मात्र।), **कार्य की समाप्ति अवधि:** 36 माह। **1.** आई. आर. ई. पी. एस. वेव पोर्टल पर ई निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समयः– दिनांक 26.10.2023 को 12:00 बजे तक। **2.** ई निविदा खुलने की तिथि एवं समयः– दिनांक 26.10.2023 को 12:30 बजे। **3.** वेव साईट का विवरण जहॉ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है:– वेबसाईट– **www.ireps.gov.in** **वमंयाई (समाडि), पूर्व मध्य रेल, समस्तीपुर**

पीआर/01291/एसपीजे/एमईसीएच/टी/23–24/36

भव्य कवि सम्मेलन के साथ बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम का लोकार्पण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अखिल भारतीय सर्व भाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में नगर के एग्जीबिशन रोड स्थित आध्यात्मिक सत्संग समिति के सभागार में विश्व स्तरीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम का लोकार्पण हुआ। पटना के वरिष्ठ साहित्यकार डाक्टर रत्नेश्वर सिंह के व्यक्तित्व कृतित्व पर केंद्रित पत्रिका के इस अंक का लोकार्पण बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने किया। अपने उद्गार में डा सुलभ ने कहा कि कला, संगीत और साहित्य की भाँति पत्र-पत्रिकाओं का भी समाज पर गहरा प्रभाव होता है। साहित्यिक पत्रिकाएँ नवोदित साहित्यकारों के लिए एक प्रशिक्षण-शाला भी होती हैं। इससे नवोदित कवियों को मंच और अवसर भी प्राप्त होता है। यह बिहार के लिए गौरव का विषय है कि पत्रिका का यह अंक पटना के एक ख्यातिनाम कवि को अर्पित है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जर्मनी के अति विशिष्ट मैक्स मूलर सम्मान से अलंकृत एवं प्रज्ञान विश्वम के प्रधान संपादक प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव ने कहा कि समाज को संस्कारित करने वाली भारत की राष्ट्रीय पत्रिकाएँ विलोपित हो गयी हैं। प्रज्ञान विश्वम इस अभाव की पूर्ति के साथ ही पूरे विश्व में हिन्दी को स्थापित करने की चेष्टा है। समारोह के मुख्य अतिथि और दूरदर्शन, बिहार के कार्यक्रम-प्रमुख डॉ राजकुमार नाहर ने कहा कि प्रज्ञान विश्वम के मुख्य पृष्ठ पर बिहार के एक कवि को पाकर गौरव की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर एक भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश से चर्चित कवयित्री मधु मिश्रा, मध्य प्रदेश से शकुंतला तोमर तथा हरियाणा से राजेश प्रभाकर के साथ ही साथ बिहार के प्रतिष्ठित रचनाकारों आरपी घायल, ऐहसान शाम, धर

संक्षिप्त खबरें

पक्षी,जीव-जंतु पेड़ पौधा बचाओ को लेकर चलाया जागरूकता कार्यक्रम

झाझा-पक्षी,जीव जंतु,पेड़ पौधा बचाओ जागरूकता अभियान को लेकर जमुई वन प्रमंडल और बीएचएनएस की ओर से शुक्रवार को बैजला हाई स्कूल में स्कूली बच्चों के बीच वन विभाग की टीम के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।मौके पर मौजूद वन विभाग जमुई फॉरेस्टर प्रिंस कुमारराय,बीएचएनएस सुब्रत देवता,बन्तिका कुमारी,के कमीयी ने स्कूली बच्चों को बताया कि पर्यावरण को अगर बचाना है तो पर्यावरण कें संरक्षण को लेकर हमलोगों को जागरूक होना होगा क्योकि पर्यावरण संरक्षण से मानव,सहित जीव जंतु,पशु-पक्षी को फायदा होगा।वनकर्मियों ने बताया कि धरती पर हरियाली तभी रहेगी जब हमलोग पेड़ पौधा के संरक्षण को लेकर आगे आयेगे।हमलोगों को चाहिये कि अधिक से अधिक पेड़ पौधा लगाये।इसके अलावे पक्षी,जीव के संरक्षण के बारे में स्कूली बच्चों को कई तरह की महत्वपूर्ण बिंदुओ से अवगत करवाया।वनकर्मियों ने कहा कि पक्षी,जीव जंतु पर्यावरण पर ही निर्भर है।वही स्कूली बच्चों को वनकर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर शपथ भी दिलवाया।मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित कई वनकर्मी पंकज कुमार,बर्ड गाइड संदीप कुमार,अबधेश आदर्श,प्रदीप कुमार,शिवानी वर्मा भी मौजूद थे।

बीजेपी नगर कमेटी की बैठक आयोजित

रक्सौल। शुक्रवार को बीजेपी नगर महामंत्री कमलेश कुमार की अध्यक्षता में नगर कमेटी की एक आवश्यक बैठक रक्सौल नगर कार्यालय में आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष लालबाबू सिंह मौजूद रहे। उक्त बैठक में शक्ति केंद्र एवं बूथ सत्यापन पर चर्चा हुई। जिसमें रक्सौल नगर के सभी शक्तियों में प्रभारी, बूथ अध्यक्ष अहित रवि गुप्ता, कुन्दन कुमार, प्रेम गुप्ता, देश बंधु गुप्ता, संदीप गुप्ता, विनोद शर्राफ, पप्पू गुप्ता,जितेंद्र दता, प्रदीप भारती, भोला साह, हिरदेनि साह, सुरेश चौहान,हिमांशु अग्रवाल, मुन्ना कुमार, वीर बहादुर यादव, नितेश गुप्ता प्रभात बरनवाल उपस्थित थे।धन्यवाद ज्ञापन प्रेम गुप्ता ने दी

बखरी में थानाध्यक्ष पद पर विकास कुमार ने दिया योगदान

बखरी, बेगूसराय। विकास कुमार राय ने बखरी थानाध्यक्ष के पद पर शुक्रवार को योगदान दिया। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष श्री राय ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में शांति स्थापित करना, अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाना व पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना होगा। उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के लोगों को भी पुलिस को मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में अशांति फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएगें। अच्छे लोगों का सम्मान करना व अशांति फैलाने वालों लोगों तथा आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करना मेरी पहली प्राथमिकता है। नए थानाध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवियों ने खुशी व्यक्त कि है। श्री राय ने प्रभारी थानाध्यक्ष उदय शंकर कुमार से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान एसआई सुधांशु भूषण, पुष्पलता, मनीष कुमार पंडित, एएसआई जयकुमार प्रसाद, उमेश यादव आदि मौजूद थे।

शब्दाक्षर औरंगाबाद बिहार का काव्य-महोत्सव सम्पन्न

यहां मोहब्बत सिसक रही है मगर उसे कुछ खबर नहीं है : सावित्री सुमन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। अखिल भारतीय स्तर की साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर की जिला इकाई औरंगाबाद (बिहार) द्वारा रोटरी क्लब के सभाभवन में एक विराट कवि- सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष धनंजय जयपुरी तथा संचालन कवि द्वय विनय मामूली बुद्धि एवं नागेंद्र कुमार केसरी ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्र पद्मनाभ, जहानाबाद जिलाध्यक्ष सावित्री सुमन, औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो सिद्धेश्वरच प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो संजीव रंजन एवं नैप्स के जिलाध्यक्ष अंबेडकर पाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आगत अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र, साहित्यिक पुस्तकें एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर ह्यशब्दाक्षरह्ण के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह का शुभकामना संदेश पढ़ कर सुनाया गया, जिसमें श्री सिंह ने समिति के पदाधिकारियों की प्रशंसा करते हुए, औरंगाबाद में हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार हेतु तन्मयता से कार्य करने की प्रेरणा दी। इसी क्रम में राष्ट्रीय प्रवक्ता ह्यशब्दाक्षरह्ण डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी के सारगर्भित संदेश को भी पढ़ा गया, जिसमें डॉ. प्रियदर्शनी ने ह्यशब्दाक्षरह्ण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला था। कवि सम्मेलन की विधिवत शुरूआत कुमार सानू द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। काव्यपाठ के दौरान उन्होंने कहा कि-ह्न यूं तो मैं आबाद रहता हूं, मैं यहां जिंदाबाद रहता हूं, रहता हूं शहर-ए-दिल में मैं, मैं तो औरंगाबाद रहता हूं।ह्न हिमांशु चक्रपाणि की गजल की ये पंक्तियों- ह्नजिसे तू आजमाना चाहता है,उसे सारा जमाना चाहता है, तुझे पाने की जिद में खड़ा हूं, जिसे पाना जमाना चाहता हैह्न पर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभाभवन गूंजायमान हो गया। ईश्वर की आराधना करते हुए कवि अजय वैद्य ने कहा कि -ह्नहे ईश्वर आप हो संपूर्ण, अमर अविनाशी माया मोह से दूर।ह्न आमस से पधारे कवि प्रवेश कुमार की बेटी पर आधारित भाव-प्रवण कविता-ह्नलो खोलता हूं आज दिल की गांठ लाडली, बोलता हूं आज दिल की बात लाडली, क्यों याद तेरी आए नहींह्न ने शुष्क आंखों को भी निर्झरिणी बन अनवरत अश्रुधार बहाने पर विवश कर दिया। शिक्षक जयप्रकाश कुमार की व्यंग्य रचना-ह्नइस शहर का एक शरीर है जो कुछ साल पुराना है, पर एक आत्मा है जो सदियों पुरानी हैह्न काफी सराही गई। अनुज बेचैन ने एक शब्दचित्र-ह्नप्रेमचंद तुम्हारी याद आती है आज भीह्न के माध्यम से प्रेमचंद की विविध कहानियों के पात्रों एवं तथ्यों को जीवंत बनाकर उपस्थापित कर दिया।

व्यंग्य के बादशाह कविवर विनय मामूली बुद्धि ने एक व्यंग्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि-ह्न चीख नहीं चित्कार सुनाई पड़ी नजदीक से जबकि था बहुत दूर , सिसक सिकुड़ रहा हस्तिनापुर। सावित्री सुमन की गजल की पंक्तियों -ह्नयहां मोहब्बत सिसक रही है, मगर उसे कुछ खबर नहीं है, जिस राह से तुम गुजर रहे हो, उस राह में तेरा घर नहीं हैह्न ने उपस्थित काव्यप्रेमियों के मन-मानस में प्रेम रस का संचार कर दिया। उक्त कवि-सम्मेलन में उपर्युक्त लोगों के अलावा मुख्य रूप से जिन कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दीं उनमें रोहित कुमार, जनार्दन मिश्र जलज, अनिल अनिल, लवकुश प्रसाद सिंह, प्रभात बांधुल्य ,सुरेश विद्यार्थी, शिवजी, संतोष सिंह इत्यादि मुख्य थे। शिक्षक नेता अशोक पांडेय, पत्रकार राज पाठक, सिंहेश सिंह, बैजनाथ सिंह, अजय कुमार, सुरेश ठाकुर, अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह सहित सैकड़ो बुद्धिजीवियों की गरिमामई उपस्थिति ने कवि सम्मेलन को भव्यता प्रदान की। मुख्य अतिथि सहित मंचस्थ सभी विद्वानों ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं समय-समय पर काव्य -गोष्ठियां आयोजित कराते रहने की वकालत की। धनंजय जयपुरी द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन तथा आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

घास काटने के दौरान पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो युवतियों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

खोदावंदपुर, बेगूसराय। शुक्रवार की सुबह अपने घर से घास काटने चौर गई दो युवतियों की पानी से भरे गड्ढे में डूब जाने से मौत हो गई। मृतका खोदावंदपुर पंचायत के वार्ड नं 1 निवासी बिनोद महतो की 20 वर्षीया पुत्री मनीषा कुमारी एवं उसी गांव के भूषण महतो की 18 वर्षीया पुत्री कुंती कुमारी के रुप में पहचान की गई। इन युवतियों की मौत से उनके परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतका दोनों युवतियां आपस में चचेरी बहन हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मनीषा एवं कुंती शुक्रवार की सुबह अपने घर के समीप पानी से भरे चौर में घास काटने गई थी। जहाँ पैर फिसल जाने के कारण एक युवती गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने की कोशिश में दूसरी युवती भी गहरे पानी में चली गई। इन युवतियों के साथ गए एक बालक ने इस दृश्य को देखा तो वह घर आकर इस घटना की सूचना अपने परिजनों को दी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने दोनों युवतियों को अत्यंत नाजुक हालत में इलाज के लिए खोदावंदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने इन दोनों युवतियों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर सीओ अमरनाथ चौधरी एवं थानाध्यक्ष सुदिन राम पुलिस बल के साथ खोदावंदपुर अस्पताल पहुंचे। थानाध्यक्ष ने दोनों लाशों को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया। मनीषा तीन बहन थी। अमीषा कुमारी, अनिशा कुमारी एवं दो भाई हर्ष कुमार और आशुतोष कुमार में सबसे बड़ी थी। मनीषा की मौत से उसकी माँ सुनीता देवी, पिता बिनोद महतो एवं दो बहनों एवं दो भाइयों में कोहराम मचा हुआ है। दूसरी मृतका कुंती कुमारी इंटर की छात्रा बताई गई है। वह श्री दुर्गा प्लस टू विद्यालय मेघौल में पढ़ाई करती थी। वह अपने चार बहनों अमृता कुमारी, सविता कुमारी, बबिता कुमारी एवं एक भाई अमरजीत कुमार में से चौथे नं पर थी। उसकी माँ मंदिला देवी की मौत हो चुकी है। कुंती कुमारी की मौत से उसके पिता भूषण महतो की रोते-रोते हालत खराब है। मृतका कुंती के भाई व बहनों के क्रंदन से लोगों की आंखें नम हो रही हैं।

पहले ऑटो ने टक्कर मारा,फिर शरीर पर चक्का चढ़ जाने से हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

भभुआ कैमूर जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र से दुखद भरी खबर सामने आई है,थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र से एक महिला इलाज के लिए अपने पति के साथ भभुआ आ रही थी,तभी पीछे से आ रहे एक ऑटो ने जोरदार टक्कर मारते हुए उसके शरीर पर चढ़ गया,जिससे उसकी मौत हो गई। मौके से भाग रहे ऑटो को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया , मृत महिला भगवानपुर थाना क्षेत्र के पड़ौती गांव की 45 वर्षीय लक्ष्मीना देवी पति संजीत सिंह बताई गई है। उधर सड़क दुर्घटना में महिला की मौत पर सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लालू पटेल मौके पर पहुंचे, उन्होंने बताया कि भभुआ भगवानपुर पथ पर पढ़ौती निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मीना देवी पति संजीत सिंह की मृत्यु हो गई है जो की इलाज के लिए अपने पति संजीत सिंह के साथ भभुआ के लिए आ रही थी तभी पीछे से आकर टेंपो ने टक्कर मार दिया वह सडक पर गिर गई और गिरने के बाद टेंपो चालक चढ़ाते हुए भाग गया जिसमें उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई पति सुजीत सिंह घायल हो गए। दोनों को जीप सदस्य के सहयोग से भभुआ अस्पताल लाया गया,चिकित्सको ने पत्नी को मृत्यु घोषित कर दिया गया वही सुजीत सिंह का घायल अवस्था में सदर के इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है । जिला परिषद सदस्य ने कहा कि मैं शोक संवेदना व्यक्त करता हूं इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ा हूं और जो भी सरकार से मिलने वाली मुआवजा राशि है उसको दिलाया जाएगा दूसरी ओर जैसे ही यह खबर ग्रामीणों के बीच पहुंची शुभचिंतक बड़ी संख्य में सदर अस्पताल पहुंच गए। पिस्टमार्टम व आवश्यक कारवाई के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

सेविका गई अनिश्चित हड़ ताल पर

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। अपने विभिन्न मांगों को लेकर रक्सौल में आंगनबाड़ी संघ विभाग कार्यालय में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने की सूचना है। अनशन के पहले दिन आंगनबाड़ी सेविकाओं ने सीडीपीओ कार्यालय पहुंच कर प्रधान सहायक गंगा शरण और डेटा ऑपरेटर अरविंद कुमार को बाहर निकाल दी और मेन गेट पर तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान नीतीश कुमार होश में आओ, छह हजार में दम नहीं बीस हजार से कम नहीं, राज्यकर्मी का दर्जा दो, ग्रेच्युटी दो आदि के जोरदार नारा लगाये गए। संघ की अध्यक्ष पुष्पा रानी, सचिव नीलम मिश्रा और उपाध्यक्ष भगवंती देवी के नेतृत्व में जारी अनिश्चित कालीन हड़ताल के कारण सारा कार्य बाधित हो गया है। सेविकाओं ने बताया कि सरकार सेविका जाति जनगणना कार्य, मतदाता पुनरीक्षण कार्य, गर्भवती महिलाओं का जांच, टीकाकरण सहित सभी कार्यों को कराती है और उधर आंगनबाड़ी केंद्र का भी संचालन करना अनिवार्य है। लेकिन इतना काम करवाने के बाद काम के हिसाब से पैसा नही देता है।इसीलिए उपरोक्त मांग को लेकर हमलोग अनिश्चितकाल हड़ताल पर है।जबतक हम लोगों का मांग पूरा नहीं होता तब तक आंदोलन समाप्त नहीं होगा। मौके पर रेखा देवी, शबाना प्रवीन, प्रियंका सर्राफ, सीमा देवी सहित अनेक सेविकायें उपस्थित थी।

एसएसबी ने मेरी माटी मेरा देश थीम के तहत ग्रामीणों के साथ मिलकर निकाली अमृत कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 48 वीं बटालियन एसएसबी मुख्यालय जयनगर के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी के निदेर्शानुसार कैम्प के प्रभारी उप निरीक्षक अरुण कुमार दास के नेतृत्व में दुल्लीपट्टी में घर-घर जाकर मिट्टी अथवा चावल का संग्रहण किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दुल्लीपट्टी के समवाय प्रभारी उप निरीक्षक अरुण कुमार दास ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन बहादुर लोगों को सम्मानित करने के लिए दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश नामक अभियान शुरू किया जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कि थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान के घोषणा करते हुए कहा था कि बहुत समय बाद भारत ने ये पल देखा होगा जिसमें कोई घर ऐसा नहीं था जिसपर तिरंगा नहीं दिख रहा हो। 23 करोड़ परिवार ने तिरंगे से सुशोभित किया शायद आजादी के समय भी इतने तिरंगे नहीं दिखे होंगे जितना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर तिरंगे फहराए गए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि इस अभियान के दौरान देश भर में अमृत कलश यात्रा देश के हर कोने-कोने से 75,00 कलशों में मिट्टी लेकर देश कि राजधानी पहुँचेगी। यह यात्रा अपने साथ देश के विभिन्न हिस्सों से पौधे भी लेकर दिल्ली आएगी। इन 75 00 कलशों में आने वाली मिट्टी और पौधे को मिलाकर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के पास अमृत वाटिका बनाई जाएगी। यह अमृत वाटिका एक भारत श्रेष्ठ भारत का भव्य प्रतीक बनेंगी। सूचना एवं प्रसारण और दूर संचार विभाग के सचिव अपूर्वा चंद्रा के मुताबिक वीरों को श्रद्धांजलि के रूप में शिलाफ लकम स्थापित की जाएगी। मिट्टी का नमन और वीरों का वंदन मेरी माटी मेरा देश अभियान के प्रमुख घटक हैं

वहीं दुल्लीपट्टी मध्य विद्यालय के शिक्षक विजय कुमार यादव ने कहा कि मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम का टैगलाइन मिट्टी को नमन वीरों का वंदन अपने आप मे बहुत कुछ कह देती हैं। कोई भी व्यक्ति भारत माता की जय बोलते है तब वह अपनी माटी का उद्घघोष करता है। इसी जय के लिए लाखों लोगों ने अपने जीवन का सर्वस्व न्योछावर कर दिये। वहीं शिक्षिका रीता कुमारी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेकरो कार्यक्रम आयोजित करवाए हैं इसने राष्ट्र भक्ति कि भावना को एक बार फिर से जागृत करने का काम किया है और इसका समापन मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम से होगा। इस जागरूकता अभियान में दुल्लीपट्टी एस एस बी कैम्प प्रभारी उप निरीक्षक अरुण कुमार दास दुल्लीपट्टी मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिक्षक शिक्षिकाएं एवं जनसैलाब में स्कूली बच्चों के साथ साथ दुल्लीपट्टी के ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

पुलिस के हाथ चढ़े अपराधी मामला का किया उद्वेवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला के सिकंदरा थाना क्षेत्र के लहिला नहर जखड़ा पथ पर पोहे मोड़ के समीप हुए रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोयली अकौनी गांव निवासी झिंगन यादव हत्यकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने घटना में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इस इस संबंध में डीएसपी मुख्यालय अभिषेक सिंह ने शुक्रवार को सिकंदरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 13 सितंबर को रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र के कोयली अकौनी गांव निवासी झींगन यादव 7 मवेशी लेकर अपने रिश्तेदार के यहां लछुआड़ थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव जाने के लिए निकले थे। लेकिन वह रास्ते से ही लापता हो गए।

जिसको लेकर 24 सितंबर को झींगन यादव के पुत्र लालो यादव के द्वारा सिकंदरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गयी। इस मामले में कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन के द्वारा पुलिस निरीक्षक श्रीकांत कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें थानाध्यक्ष विजय कुमार, अवर निरीक्षक जयप्रकाश तिवारी, योगेंद्र यादव, संजय सिंह, सहायक अवर निरीक्षक उपेंद्र कुमार को शामिल किया गया था। तकनीकी शाखा के सहयोग से किए गए अनुसंधान में पुलिस ने मामले का उद्भेदन करते हुए इस घटना में शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सिकंदरा थाना क्षेत्र के कुमार गांव निवासी अमरेश सिंह ने अपने सहयोगी गणेश सिंह के साथ मिलकर मवेशी के लोभ में झींगन यादव की पोहे मोड़ के समीप एक बगीचे में गमछी से गला घोटकर हत्या कर दिया। हत्या के बाद आरोपियों ने झींगन यादव के शव को बगीचे में झाड़ी के बीच छुपा दिया।

इसके उपरांत रात्रि में दोनों आरोपियों ने शव को करंडे थाना क्षेत्र अंतर्गत कपासी गांव के समीप फेंक कर पेट्रोल छिड़क कर जला दिया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने मिलकर सभी मवेशियों को बेच दिया। बेचे गए मवेशियों से प्राप्त राशि को दोनों अपराधियों ने आपस में बांट लिया। डीएसपी मुख्यालय अभिषेक सिंह ने बताया कि तकनीकी शाखा के सहयोग से आरोपी अमरेश सिंह को बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव से गिरफ्तार किया गया। वहीं उससे पूछताछ के उपरांत उसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर दूसरे आरोपी गणेश सिंह को कुमार गांव से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तीन मवेशियों को भी जप्त कर लिया।

स्कूली बच्चों ने निकाली अमृत कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो चरकापत्थर स्थित मरियम पहाड़ी छात्रावास विद्यालय की ओर से शुक्रवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा निकाली गई, इस मौके पर उपस्थित एसएसबी 16 वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट आशीष वैष्णव समेत जवानों को विद्यालय के छात्रों द्वारा सभी जवानों को तिलक लगाकर संस्कृति कार्यक्रम के तहत विद्यालय से माटी कलश में लेकर यात्रा निकाली गई, इस यात्रा में विद्यालय की काफी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल हुए, मौजूद सभी बच्चों के हाथों में तिरंगे झंडे लहरा रहे थे, गौरतलब हो कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे भारतवर्ष में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम देशवासियों में देश प्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, मौके पर उपस्थित रइ 16 वीं वाहिनी शस्त्र सीमा बल के सहायक कमांडेंट आशीष वैष्णव समेत विद्यालय के प्रधानाध्यापिका और सहायक शिक्षिका समेत जवानों और काफी संख्या में छात्र-छात्राओं उपस्थित थे

अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन पर हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। कुछ दिन पूर्व अनुमंडलीय अस्पताल, रक्सौल के उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन पर हमला किया गया था, जिसमें डॉ. राजीव रंजन ने जानलेवा हमला का मामला दर्ज कराया था। इस एफआईआर के बाद पुलिस आरोपियों को ढूंढने में लगी थी, अब जाकर उक्त आरोप में स्थानीय पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नकरदेई थाना क्षेत्र के बनकटवा गांव निवासी लाल बहादुर कुशवाहा के पुत्र रंजन कुशवाहा एवं भवानीपुर निवासी सुरेंद्र शाह के पुत्र टिंकू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। जानलेवा हमला के बाद डॉ. राजीव रंजन ने थाना में प्राथमिकी दर्ज करा कर बताया था कि ब्लॉक रोड में कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा मेरे ऊपर जानलेवा हमला किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई थी, पहचान होने के बाद मोबाइल लोकेशन के आधार पर दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। दोनों आरोपियों को कागजी कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

आंगनबाड़ी सेविकाओं का अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रात : किरण संवाददाता

बखरी, बेगूसराय। शुक्रवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का मानदेय वृद्धि को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो गया। इस दौरान हड़ताल पर बैठ कार्यकताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। आंगनबाड़ी सेविकाओं ने राज्यव्यापी आंदोलन के माध्यम से बिहार राज्य आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित हड़ताल में पांच सूत्री मांगों के समर्थन में जमकर केन्द्र व राज्य सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इस दरमियान दिनभर कार्यालय परिसर में गहमागहमी देखी गई। अध्यक्ष नीतू कुमारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दस हजार देना सुनिश्चित किया जाए। सुप्रीम कोर्ट का आदेश के आलोक में बिहार में भी ग्रेच्युटी भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए। सचिव जीवछ कुमारी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए क्रमशः ग्रेड सी और ग्रेड डी में समायोजित किया जाए, जब तक सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता है, तब तक सेविकाओं को पचीस एवं सहायिकाओं को अठारह हजार रूपैया प्रतिमाह मानदेय राशि दी जाए। कोषाध्यक्ष लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि योग्य सहायिका से सेविका में बहाली हेतु अतिरिक्त दस बोनस अंक देने के प्रावधान को लागू किया जाए एवं सेविका से पर्यवेक्षिका तथा सेविका सहायिका के रिक्त सभी पदों पर अविलंब बहाली सुनिश्चित की जाए। 16 मई 2017 एवं 20 जुलाई 2022 के समझौते के आलोक में लंबित मांगों को लागू किया जाए। मौके पर रेणु पाठक, राजमणि देवी, रीणा देवी, वीणा देवी, नूतन कुमारी, शीरत प्रवीण, मधुबाला देवी, शीला देवी, जयंती कुमारी, मनोरमा देवी, उर्मिला देवी, हीरा देवी, शांति कुमारी, कविता कुमारी, कोमल कुमारी, सरिता कुमारी, इंद्राणी देवी के अलावे बड़ी संख्या में सेविका एवं सहायिका मौजूद थे।

शिवजी प्रसाद पीएच.डी. अवार्ड से सम्मानित किये गए

प्रात : किरण संवाददाता

पटनाः चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय पटना के सीनियर लाइब्रेरी अस्सिस्टेंट शिवजी प्रसाद को पीएचडी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूजीसी-पीएचडी विनियमन 2016 के प्रावधानों के अनुसार, पुस्तकालय विज्ञान विषय में अगस्त माह 2023 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संकाय के प्रोफेसर डॉ. प्यारे लाल, विभागाध्यक्ष की देखरेख में देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी गोबिंदगढ़, पंजाब में आयोजन किया गया।जिसका शोध विषय है ह्नपूर्वी भारत के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों और सेवाओं का उपयोगः एक अध्ययन। शिवजी प्रसाद पीएच.डी. से सम्मानित होने पर उन्होंने अपने सभी शुभचिंतको डॉ अर्जुन, डॉ आकाश, डॉ प्यारे लाल, डॉ इंद्रजीत सिंह सेठी, डॉ नेहाल अशरफ, कुमारी अमृता एवं अपने विश्विद्यालय के कुलपति और कुलसचिव आदि का आभार जताया।

शिक्षा सेवक और तालीमी मकरज की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ बीआरसी सभागार में शुक्रवार को प्रखंड़ क्षेत्र के सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज की बैठक बीईओ योगेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में किया गया.इस बैठक के दौरान बीईओ ने उपस्थित सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज द्वारा 24 सितंवर को वुनियादी महा परीक्षा में सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज द्वारा महापरीक्षा में सहयोग से सफल आयोजन होने को लेकर प्रखंड़ शिक्षा पदाधिकारी द्वारा धन्यवाद दिया.उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज के प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि प्रत्येक माह के 1 से 2 तारीख में अनुपस्थित विवरणी देने का दिशा निर्देश दिया गया. उन्होंने सभी शिक्षा सेवक को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालय में वच्चों को सही समय पर पहुँचाने का आदेश दिया गया.बीईओ ने सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज को निदेश देते हुए कहा कि जिस विद्यालय में शिक्षक की कमी है उस विद्यालय में वर्ग संचालन करने हेतु निदेश दिया है.उन्होंने कहा कि पोषक क्षेत्र में सर्व शिक्षा अभियान के तहत असाक्षर महिला को समय से केंद्र चलाने हेतु दिशा निर्देश दिया गया. बीईओ योगेन्द्र चौधरी ने कहा कि सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मकरज द्वारा अपने अपने विद्यालय में मध्याहन भोजन में सहयोग करने का निर्देश दिया गया. इस बैठक के मौके पर शिक्षा सेवक के प्रखंड़ अध्यक्ष मुन्ना राम,अरुण कुमार साफी वीरू साफी मो. नसीम मो.जाकिर मो. छेदी मो. जहीर उद्दीन सिकंदर सदाय काशिन्द्र साफी मो. नजा उद्दीन बालेश्वर साफी संगीता देवी रिजवाना खातून रुकसाना खातून सबाना खातून मनोज सदाय सहित सभी शिक्षा सेवक एव तालीमी मरकज मौजूद थे

संक्षिप्त खबरें

रोट्रैक्ट क्लब ऑफ सारण सिटी ने लगाया निःशुल्क दन्त शिविर

छपरा कार्यालय। समाज सेवा के क्षेत्र में जिले की अग्रणी संस्था रोट्रैक्ट क्लब ऑफ सारण सिटी के सदस्य जनहित में काम कर रहे हैं। क्लब की इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए आज शहर के जीएभी पब्लिक स्कूल सांढा में दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन खास स्कूली बच्चों के लिए सुबह 10 बजे से किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी राजेश फैशन ने करते हुए कहा की आमतौर पर लोग अपने दांतों के प्रति लापरवाह होते हैं।जिससे उन्हें बाद में दांतों से संबंधित कई परेशानी का सामना करना पड़ता है।लेकिन रोट्रैक्ट सारण सिटी का ये कैंप काफी कबीले तारीफ है। शिविर के बारे में प्रोजेक्ट चेयरमैन रोट्र मोहित गौतम ने बताया कि क्लब लगातार स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रहा है। इस शिविर में शहर के प्रसिद्ध दन्त चिकित्सक डॉ राजीव रंजन सिंह एवं डॉ अभय कुमार सिंह ने अपनी सेवा दी.इस दौरान रोट्रैक्ट सारण सिटी के सचिव सैनिक कुमार,उपाध्यक्ष अवध बिहारी प्रसाद,पूर्व अध्यक्ष इरशाद अंसारी,अभिषेक श्रीवास्तव,अनूप कुमार सिंह, गुलाम जिलानी रोटरी सारण के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,अजय कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

लायंस क्लब छपरा ग्रेटर ने लगाया निःशुल्क मधुमेह जाँच-शिविर

छपरा सिटी। छपरा शहर के महमूद चौक सुरभि कैफे के पास सुबह 6 :00 बजे से लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर के द्वारा निःशुल्क सुगर जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 121 लोगो का शुगर जांच किया गया। कई लोगों का शुगर काफी बढ़ा हुआ था। सबको डॉक्टर से मिलने का सलाह दिया गया। मधुमेह (शुगर) के बारे में प्रिकॉशन लेने की बात कही गई। वरिष्ठ सदस्य रिजवी ने बताया कि हर महीने दो बार शुगर की जांच की जाएगी और इसके बारे में जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर काफी लायन सदस्य शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ लायन सदस्य एस जेड ए रिजवी, डॉक्टर कामेश्वर राय, एस एम इब्राहिम, राजन कुमार पांडेय, मोहम्मद शोएब, संतोष कुमार सिंह, शाहिद अली रिजवी, एडवोकेट जफर हुसैन जैदी, अर्जुन कुमार, मुमताज इमाम , अमित कुमार सिंह एवं क्लब सेक्रेटरी राजेश कुमार उपाध्याय ने सक्रिय भूमिका निभाई।

वार्ड सदस्यों ने अपने मांगो के समर्थन मे आक्रोश मार्च निकाला

बनियापुर (सारण) प्रखंड के डाक बंगला भवन परिसर मे बिहार राज्य वार्ड सदस्य महासंघ के तत्वावधान मे प्रखंड के सभी वार्ड सदस्यों ने सामूहिकरूप से एक बैठक कर वार्ड सदस्यों के अधिकारों मे सरकार के द्वारा की जा रही कटौती के विरोध मे आक्रोश मार्च निकाला, जिसके बाद अपने 14 सूत्री मांगो का स्मार पत्र बीडीओ को सौपा।जहा भारी संख्या मे महिला पुरुष वार्ड सदस्य शामिल हुए। वार्ड सदस्यों द्वारा सरकार से हो रही योजनाओ के क्रियान्वयन, मानदेय, पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत वार्डो को प्राप्त अधिकार मे हकमारी के खिलाफ मुख्यमंत्री नितीश कुमार व बीडीओ को सौपे गए मांग पत्र मे 15 वी वित आयोग अंशदान राशि,मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना,नल जल ,सहित सरकार प्रयोजीत योजनाओं मे वार्ड का जहा कही अधिकार बनता है।अथवा पंचायत क्रियान्वयंन ,प्रबंध समितियों मे अनदेखी सहित अपने 14 सूत्री मांगो के लेकर वार्ड सदस्य पिछले कई दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे।

विभिन्न मांगो को लेकर सेविका सहायिका का हड़ताल शुरू

मशरक। मशरक प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी सेविका सहायिका द्वारा अपनी 5 सुत्री मांगो को लेकर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरूआत की गयी। बिहार राज्य संयुक्त संघर्ष समिति (एटक ग्रुप) के बैनर तले सभी सेविकाओ ने समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष सरकार विरोधी नारे लगाते हुए धारना प्रदर्शन किया।हड़ताल का नेतृत्व कर रही सेविका संघ की प्रखंड अध्यक्ष मधुरानी सिन्हा ने कहा कि सरकार सेविकाओ को छलने का काम कर रही है।चुनाव पूर्व मानदेय वृद्धि का केवल झुठा आश्वासन दिया जाता है।जबकि सेविकाओ से न्यूनतम मजदूरी से कम भी कम मानदेय देकर पोलियो, इंद्रधनुष अभियान सहित अन्य कार्य कराकर मानसिक और शारीरिक शोषण किया जाता है।हड़ताली सेविकाओ द्वारा प्रमुख रूप से कम से कम 10 हजार मानदेय, राज्य कर्मी का दर्जा और ग्रेच्युटी की मांग की जा रही थी। संघ द्वारा हड़ताल की रूप रेखा तैयार की गयी है।जिसमे 15 दिनो तक राज्य के सभी बाल विकास परियोजना कार्यालय पर लगातार धारना प्रदर्शन करने के बाद चरणबद्ध तरीके से हड़ताल को आगे बढाने की कैलेंडर तैयार की गयी है।उधर हड़ताल के पहले दिन जय बिहार फाउंडेशन द्वारा हड़ताल कर रही सेविकाओ का समर्थन किया गया। हड़ताल कर रही सेविकाओ से मिलकर फाउंडेशन के संस्थापक संजय सिंह, और महेश्वर सिंह ने उनकी मांग का समर्थन किया।

अंगदान जागरूकता रैली को निदेशक जीके पाल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अंगदान जागरूकता पखवाड़ा को किया गया आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एम्स के डॉक्टरों ने रैली निकालकर लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक किया। अंगदान जीवनदान का एक महान अभियान है, जिससे आम लोगों को प्रेरित किया जा सके। जागरुकता अभियान के तहत बुधवार को एम्स के डॉक्टरों ने रैली निकाली। इस रैली को एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ डॉ. जीके पाल ने प्रशासनिक भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर निदेशक ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के तहत लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक किया जायेगा. किसी जीवित या मृत व्यक्ति के शरीर के ऊतकों या किसी अंग को दान करना अंग दान कहलाता है। इस ऊतक या अंग को दूसरे जीवित व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित किया जाता है। इस कार्य के लिए दान किये गये अंग को सर्जरी के माध्यम से दाता के शरीर से निकाल लिया जाता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निदेर्शानुसार आयुष्मान भव कार्यक्रम के तहत अंगदान जागरूकता पखवाड़ा आयोजित किया गया। यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी के कारण मर रहा है या अभी-अभी मरा है, तो अपना अंग किसी ऐसे रोगी को दान करें, जिसे किडनी, लीवर, हृदय, मस्तिष्क, फेफड़े, अमाशय और आंखों जैसे अंगों की सख्त जरूरत है। यह परोपकार का कार्य है. इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है. इसके लिए, भारत सरकार ने एक ऑनलाइन अंग दान प्रतिज्ञा रजिस्ट्री की स्थापना की है, जिसे NOTTO (राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन) की वेबसाइट wwww.notto.mohfw.gov.in पर देखा जा सकता है।

डॉक्टर हाथों में अंगदान जागरूकता संबंधी नारे लिखी तख्तियां लिए हुए थे। डीन (अनुसंधान), डॉ. प्रेम कुमार, सीटीवीएस प्रमुख, डॉ.. संजीव कुमार, नेत्र विज्ञान प्रमुख, डॉ. अमित राज, नर्सिंग प्रिंसिपल, श्री रतीश नायर, डॉ. माजिद, डॉ. अनुराग, डॉ. दीपक, छात्र, निवासी और एम्स पटना के सभी कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अंग दान की अवधारणा के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए अपना उत्साह दिखाया।

ट्रॉमा इमरजेंसी के प्रमुख डॉ. अनिल ने अंगदान जागरूकता को लेकर नारे लगाये लोगों को अंगदान का महत्व बताकर प्रेरित किया। एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद किडनी, लीवर, फेफड़े, हृदय, अग्नाशय और आंत जैसे महत्वपूर्ण अंगों को दान करके 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है और कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व आदि जैसे ऊतकों को दान करके कई लोगों की जान बचा सकता है। गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। अंग दान की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए एम्स पटना के फो यर में एक रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिता मनाई गई। एम्स पटना के छात्रों ने अलग-अलग रंगोली बनाकर अंगदान के लाभ, आवश्यकता और महत्व को दशार्या। रंगोली कार्यक्रम का संचालन डॉ. उत्पल आनंद, डॉ. कमलेश गुंजन एवं डॉ. प्रेम कुमार ने किया। संस्था प्रमुख डॉ. जी. के. पाल ने भाग लेने और आम लोगों तक अंगदान का संदेश फैलाने के लिए छात्रों, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों के प्रयास की सराहना की। डॉ. पाल ने देश के प्रत्येक लोगों से आगे आकर अंगदान अभियान में भाग लेने का अनुरोध किया।

एम्स पटना को सर्वश्रेष्ठ अस्पताल पुरस्कार से नवाजा गया

प्रात : किरण संवाददाता

एम्स पटना को बिहार में पीएमजेएवाई योजना के तहत इलाज के लिए सर्वश्रेष्ठ अस्पताल का पुरस्कार मिला। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बिहार के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सबसे अधिक मरीजों का इलाज करने के लिए एम्स पटना को प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला। डॉ. जी. के. एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक और सीईओ पाल ने खुशी व्यक्त की और इस सराहना पाने के लिए एम्स पटना के सभी संकाय, निवासियों और कर्मचारियों को बधाई दी। आयुष्मान भारत के नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत सिन्हा ने 29.09.2023 को बिहार सरकार के अतिरिक्त

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत से एम्स पटना की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. जीके पाल ने बताया कि यह सराहना आयुष्मान भारत श्रेणी के अंतर्गत आने वाले गरीब मरीजों के इलाज के लिए एम्स पटना की टीम वर्क का प्रतिबिंब है। डॉ. पाल ने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण रोगी प्रबंधन के मामले में यह संस्थान की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना की तारीख बढ़ाने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उद्योग मंत्री समीर महासेठ को पत्र लिख कर कहा है कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना से बिहार के कई लोग और खास कर युवाओ को फायदा हुआ है। जिससे झुठलाया नही जा सकता लेकिन अभी भी प्रदेश में इस योजना से अनेको युवा वंचित है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना को भड़ने की तारीख को एक महीना और आगे बढ़ना होगा। इस से बिहार के कई युवा जो अभी तक फार्म नही भड़ पाये है या किसी कारण वस देर हो गया है उन सभी को मौका मिलेगा। जिस तरह से प्राइवेट नौकरी में युवाओ का शोषण हो रहा है उससे कई युवा का जीवन खराब खराब हुआ है। उन सभी को उद्यमी योजना का लाभ मिलना बहुत जरूरी है।

श्री सिकंद ने बताया कि कई लोगो का शिकायत है जो कि बिहार सरकार रजिस्ट्रेशन वेरीफाई आधार कार्ड के माध्यम से कर रही है लेकिन जिसका आधार कार्ड में जो सम्पर्क सूत्र पुराना सम्पर्क सूत्र संलग्न है जो अभी तक बदलवाये नही वो सभी वंचित रह जायेंगे और सरकार को सभी को ले कर चलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के फर्म में अलग से भी सम्पर्क सूत्र संलग्न करने का कॉलम बनाये ताकि कोई इससे लाभ से वंचित न रहें। बिहार सरकार से लोकमंच मांग करती है कि उद्यमी योजना की तारीख सरकार आगे बढ़ाये ताकि युवाओ को जादा से जादा मौका मिल सकें।

जल संसाधन मंत्री ने बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा ने शुक्रवार को बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज-2 तथा इसके विस्तारीकरण के तहत कराये गये और कराये जाने वाले कार्यो का मुजफ्फरपुर जिले के कटरा प्रखंड अंतर्गत बकुची ग्राम एवं अन्य स्थानों पर स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने मुजफ्फरपुर और दरभंगा जिले में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से क्षेत्र में जल संसाधन विभाग द्वारा क्षेत्र में कराये गये और प्रस्तावित कार्यो की विस्तृत समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को कई जरूरी निर्देश दिये। मंत्री श्री संजय कुमार झा ने बताया कि बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना के तहत प्रस्तावित कार्यो को कुल छः चरणों में कार्यान्वित किया जा रहा है। बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज-2 और बागमती बाढ़ प्रबंधन विस्तारीकरण योजना के तहत मुजफ्फरपुर-दरभंगा राजमार्ग (एनएच- 57) के उर्ध्यप्रवाह (अपस्ट्रीम) के बागमती नदी के दोनों किनारे कुल 19.19 किमी लंबाई में तटबंध का निर्माण कराया जाना है। इसमें दायें किनारे किमी 79.00 से किम 91.41 तक (कुल 12.41 किमी), बायें किनारे किमी 81.94 से किमी 88.72 तक (कुल 6.78 किमी) तथा कांटा पिरौंछा रिंग बांध (कुल 2.8 किमी) में तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा एन्टी फ्लड स्लूईस का निर्माण तथा ब्रीक सोलिंग का कार्य भी कराएगा जाएगा। वर्तमान में योजना के तहत भू-अर्जन की कार्रवाई की जा रही है, जिसके उपरांत कार्य शुरू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उक्त कार्यो से रून्नीसैदपुर के निम्न प्रवाह में निर्मित तटबंध को एनएच-57 से जोड़ा जा सकेगा, जिससे बाढ़ अवधि में कटरा, औराई, गायघाट एवं सिंघवाड़ा प्रखंड सहित मुजफ्फरपुर और दरभंगा जिले के बड़े इलाके के निवासी लाभान्वित होंगे। योजना के कार्यान्वयन से मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा जिलों के कुल 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र और 12 लाख आबादी को बाढ़ से सुरक्षा मिलेगी।

सिपाही पद के लिए लिखित परीक्षा हेतु उपस्थित पदाधिकारियों को दिये कई आवश्यक निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगर। अध्यक्ष, केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) बिहार, पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में सिपाही भर्ती परीक्षा को स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त संपन्न कराने हेतु समाहरणालय सभागार में आयोजित केन्द्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए बताया गया कि सिपाही भर्ती परीक्षा दिनांक 01.10.2023 रविवार, 07.10.2023 शनिवार एवं 15.10. 2023 रविवार को आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु संयुक्त आदेश के जरिए आवश्यक निदेश दिया गया है। बताया गया कि यह परीक्षा तीनों दिन दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली में पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराहन 03:00 बजे

से अपराह्न 05:00 बजे तक आयोजित होगी। जिला मुख्यालय छपरा के 27 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित किया जाएगा। परीक्षा प्रारंभ होने के दस मीनट बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा एवं उनका प्रश्न पत्र केन्द्राधीक्षक को सौप दिया जाएगा। बताया गया कि भगवत विद्यापीठ, राजेन्द्र कॉलेजिएट स्कूल, जिला स्कूल, बजकिशोर किंडर गार्टेन, छपरा, छपरा सेन्ट्रल स्कूल, सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल विकास नगर, जगलाल राय कॉलेज, रौजा, तपेश्वर सिंह कॉलेज, ए. एन.डी पब्लिक स्कूल, खलपुरा, हैजलवुड स्कूल चनचोड़ा, शिवजन्म राय कॉलेज, शेरपुर, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, होली फेमली स्कूल, मेहियाँ, विशेश्वर सेमिनरी, गंगा सिंह कॉलेज, गाँधी हाई स्कूल-सह-इंटर कालेज, राजपूत इंटर कॉलेज, सारण एकेडमी 30 विद्यालय, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, साघुलाल पृथ्वीचन्द प्लस टू स्कूल, लोकमान्य उच्च विद्यालय, अब्दुल क्यूम अंसारी प्लस टू उ० विद्यालय, शंकर दयाल सिंह कॉलेज, कटरा, जगलाल चौधरी कॉलेज, न्यू ए. एन.डी पब्लिक स्कूल निखारी चौक, राजजयपाल कॉलेज एवं एल.एन.बी.उच्च माध्यमिक विद्यालय को केन्द्र बनाया गया है। बताया गया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक दण्डाधिकारी-सह-केन्द्र प्रेक्षक, उड़नदस्ता दण्डाधिकारी, जोनल दण्डाधिकारी सह समन्वय प्रेक्षक, पुलिस पदाधिकारी के साथ 1-4 सशस्त्र बल एवं महिला सिपाही की प्रतिनियुक्ति की गयी है। जो परीक्षा के दिन परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर परीक्षा समाप्ति के उपरांत तक विधि व्यवस्था को संधारित करेंगे। दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को सत्त भ्रमणशील रहकर परीक्षा का संचालन कराते हुए विधि व्यवस्था को संधारित करने का निर्देश दिया गया है। यह परीक्षा बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अंतर्गत आने के कारण परीक्षा प्रारंभ होने के समय से परीक्षा के समाप्त होने तक की अवधि में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा के द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 गज परिधि में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत निषेद्याज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान केन्द्र के 500 गज परिधि में शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों को एकत्रित होना प्रतिबंधित रहेगा। किसी व्यक्ति के द्वारा लाठी, भाला एवं अन्य घातक, विस्फोटक लेकर चलने एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

महिलाओं कि उन्नति या अवनति पर ही राष्ट्र कि उन्नति निर्भर है : एसडीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। कार्यालय।शुक्रवार को फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया,सखी वन स्टॉप सेंटर सारण एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट फॉर ह्यूमन द्वारा तरैया प्रखंड के चैनपुर गांव में बेटियों व महिलाओं को सशक्तिकरण हेतु "मिशन आदिशक्ति" का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मढ़ौरा एसडीएम डॉ प्रेरणा सिंह,महिला हेल्पलाइन छपरा के परियोजना प्रबंधक मधुबाला, तरैया अंचलाधिकारी अंकु गुप्ता, तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ,कानूनी सलाहकार उर्मिला यादव,प्रज्ञा साइंस कोचिंग के डायरेक्टर रूबी शर्मा, और हरेंद्र राय पूर्व जिला पार्षद फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के अध्यक्ष मन्टु

कुमार यादव, डीयू के नोडल अधिकारी निभा कुमारी,एफ एफ आई लाडली विंग की प्रभारी संयोजिका कुमारी रुपाली एवं अन्य वरिष्ठ शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम में संस्था की बच्चियों को महिला सशक्तिकरण से संबंधित जैसे घरेलू हिंसा,महिला स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, नारी शिक्षा, बाल विवाह ,महिला सुरक्षा ,दहेज प्रथा,साइबर सुरक्षा,सेनेटरी नैपकिन का उपयोग आदि पर महिला हेल्पलाइन छपरा के परियोजना प्रबंधक मधुबाला एवं टीम के सदस्यों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उपायों को बताया गया । मौके पर मढ़ौरा एसडीएम डॉ प्रेरणा सिंह ने महिला स्वास्थ्य एवं घरेलू हिंसा पर प्रकाश डाला व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्या-क्या कार्य किए जा सकते हैं महिलाओं को कैसे सशक्त किया जा सकता है आदि विषय पर विस्तार पूर्वक बताया, मौके पर थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि महिलाओं एवं बेटीयों को यदि कहीं भी किसी प्रकार की समस्या होती है तो वह तुरंत भयमुक्त होकर पुलिस थाने में या महिला हेल्पलाइन में अपनी शिकायत दर्ज कराएं, वहीं कानूनी सलाहकार उर्मिला यादव ने हिंसा अधिनियम,बाल विवाह अधिनियम,पॉस्को एक्ट,एसिड अटैक एक्ट आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की, वहीं अंचलाधिकारी अंकु गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के कंधों पर परिवार की बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसके साथ ही वे समाज में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इसलिए उनका शारीरिक रूप से मजबूत होना अति आवश्यक है। बेटियों को इसके लिए शुरू से ही ध्यान रखना होगा। वहीं कुमारी रूपाली ने कहा की लड़कियां अपनी आत्मरक्षा कैसे करें उसके बारे में बताया गया,नैपकिन के उपयोग एवं उसके फायदे के बारे में बताया गया तथा समाज में पीरियड्स से संबंधित लड़कियों एवं महिलाओं के मन में हुई भ्रांतियों को दूर किया गया।

बिहार पुलिस परीक्षा से पहले खैरा पुलिस ने फर्जीवाड़े का किया भंडा फोड़,फार्चूनर व ब्लूटूथ डिवाइस बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर ।बिहार में माफिया का हर क्षेत्र में बोलबाला रहता है लेकिन इस समय बिहार में चाहे कोई भी प्रतियोगी परीक्षा क्यों न हो।ये एजुकेशन माफिया इन परीक्षाओं ने फजीर्वाड़ा, सेटिंग एवं प्रश्न पत्र लीक करने तथा नौकरी की गारंटी लेने में बाज नहीं आ रहे है।ये गाहे बगाहे पुलिस व प्रशासन के हत्थे चढ़ये भी रहते है। प्रशासन के द्वारा इनका भंडा फोड़ भी होते रहता है। फिर भी ये माफिया अपने कारगुजारियो से बाज नहीं आते है। ताजा मामला खैरा थाना क्षेत्र के खोदाई बाग बाजार स्थित पानी टंकी के पास से बिहार पुलिस में नौकरी दिलाने का मामला उजागर हुआ है।खैरा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली की खोदाई बाग बाजार स्थित पानी टंकी के पास एक काले कलर की फार्चूनर गाड़ी खड़ी है तथा कुछ संदिग्ध व्यक्ति भी मौजूद है।खैरा थानाध्यक्ष प्रीति राज के न्तृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई।जैसे ही पुलिस टीम उक्त स्थल पर पहुंची पुलिस की गाड़ी को लाइट पहचान कर वहां से रात्रि में अंधेरे के फायदा

उठाते हुए सभी वाहन छोड़कर भाग गए।पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर खैरा थाना लेकर आई तथा गाड़ी की तलाशी ली गई तो सभी भौचक्के रह गए।गाड़ी की तलाशी ली गई तो बहुत सारे इलेक्ट्रानिक उपकरण पुलिस ने बरामद किया।इन उपकरणों को देख कर यह प्रतीत हुआ की परीक्षा केंद्रों पर ये माफिया विभिन्न उम्मीदारवो से मोटी रकम लेकर परीक्षा पास कराने की ठेका ले रखे थे।

सूत्री की माने तो एक अक्तूबर को होने वाली बिहार पुलिस की परीक्षा में सेटिंग गेटिंग वाले परीक्षाथीर्यों को परीक्षा के पास कराने के लिए इन सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाना था।लेकिन पुलिस को समय रहते भनक लग गई तथा इन प्रतियोगिता परीक्षा के माफियाओं के मंसूबे पर पानी फिर गया। छापेमारी पुलिस दल में खैरा थानाध्यक्ष प्रीति राज ,अपर थानाध्यक्ष स्वर्ण सुप्रिया ,पुलिस अवर निरीक्षक राज कुमार झा, डीएपी नॉलेज कुमारी ,सुबोध कुमार , बी एच जी ओम प्रकाश सिंह ब बीरेंद्र पांडे मौजूद थे। थानाध्यक्ष बनने के बाद प्रीति राज की यह पहली बड़ी उपलब्धि है जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस ने इस मामले में तीन ज्ञात तथा कुछ अज्ञात माफियाओ पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की करवाई की जा रही है तीनो ज्ञात माफिया तरैया थाना क्षेत्र के निवासी बताए जाते है।गौर तलब है की जो फार्चूनर गाड़ी जब्त हुई है उसके फ्रंट पर एक्साइज पुलिस का बोर्ड लगा हुआ है।

डाक कर्मियों द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर। सारण डाक प्रमंडल के केन्द्रीय अनुमंडल अन्तर्गत जलालपुर प्रखण्ड के कांही नूरनगर गाँव में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के " मेरी माटी मेरा देश " कार्यक्रम की शुरूआत डाक कर्मचारियों द्वारा किया गया। भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश्वर कुंवर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में भारतीय डाक परिवार के कर्मचारी पूरे देश में घर घर जाकर एक मुठ्ठी चावल एक मुठ्ठी मिट्टी अमृत कलश में ले रहे हैं। ये अमृत कलश दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री को सौपा जायेगा ,जिसका उपयोग इण्डिया गेट के पास कर्तव्य पथ पर बन रही अमृत वाटिका में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह कार्यक्रम भारत की राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करेगा। भारत की मिट्टी से जुड़े हुए हर व्यक्ति का यह देश है इसका संदेश घर घर तक पहुंचाने में डाक विभाग के कर्मचारी प्रधानमंत्री जी के साथ हैं। इस अवसर कार्यक्रम में शंकर प्रसाद ,तरुण कुमार सिंह , बिनोद साह, मनू सिंह, दिनेश मिश्र आदि कर्मचारियों के साथ साथ ग्रामीण जनता ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

आयुर्वेद से हृदय रोग का बचाव एवं इलाज संभव : वैद्य (प्रो) दिनेश्वर प्रसाद

हृदय में वेदना भारीपन,यदाकदा , शिरोभ्रम,रक्तचाप में कमी या बढ़ोतरी ,मुख शोष इत्यादि तकलीफ होने पर हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, पटना, बेगूसराय , दरभंगा, बिहार के पूर्व प्राचार्य एवं पटना ,शेखपुरा ,के पाल मार्केट स्थित अमृत आयुर्वेद का निदेशक सहः मुख्य चिकित्सक हर घर, हर दिन आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत हरद्रोग विषय पर जानकारी दी। अमृत आयुर्वेद (आईजीआईएमएस) के बगल में 65 नंबर पिलर के सामने पाल मार्केट में है।

29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस है। ज्ञात हो की हृदय रोग पहले प्रायः प्रौढ़ एवं वृद्ध लोगो को ही ज्यादा परेशान करता था, परंतु जीवन शैली में बदलाव एवम कोबिड रोग के बाद इस रोग का प्रादुर्भाव बहुत तेजी से बढ़ा ग है, हाल के वर्षो से बच्चे , एवं नौजवान लोग भी तेजी से आक्रांत हो रहे हैं,और अचानक हृदयघात (हार्ट अटैक) से काफी लोगो की मृत्य हो रही है,

हालाकि आयुर्वेद संहिताओं यथा चरक संहिता एवं सुक्षुत संहिता के साथ साथ माधव निदान एवं चक्र दत इत्यादि ग्रंथो में यत्र तत्र काफी वर्णन मिलता है।

सामान्य रूप से हृदय में वेदना भारीपन,यदाकदा , शिरोभ्रम,रक्तचाप में कमी या बढ़ोतरी ,मुख शोष इत्यादि तकलीफ होने पर हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य रुप से लेना चाहिए। हालाकि आचार्य चरक ने रोग के सामान्य लक्षणों का उल्लेख करते हुए लिखा है की खान में अरुचि,(एनोरेक्सिया) मुख बैरसय,मुंह का स्वाद तीता हो जाना, कफो,तकलेश (नौसिया) तृष्णा,(प्यास की अधिकता)शंवास,(दम फुलना) कास,(खांसी)उरः शूल हिक्का (हिचकी) छर्दी (उल्टी) ज्वर (बुखार) कफषठीवन , (बार बार मुंह से कफ निकालना) विवर्णता ,मुर्क्षा (बेहोसी) प्रमेह (स्टुपौर) गलाप्रलेप (गल्ला में कफ का लेप लगने जैसा महसूस होना) इसके अतिरिक्त पांच अलग अलग प्रकार के हृदय रोग का उल्लेख करते हुए सबका अलग अलग कुछ विशेष लक्षणों का उल्लेख किया है।

इसी प्रकार हृदय रोगों के कारणो का उल्लेख करते हुए मुख्य रूप से चौदह कारण

बताए है। यथा

(1) अतिउष्ण या रूक्ष अन्न का लम्बे समय तक सेवन करना

(2) कषाय रस का अति सेवन

(3) विरुद्ध आसन एवं असातम भोजन का लम्बे समय तक सेवन

(4) अध्यशन (अधिक खाना या अधिक नींद का आदत

(5) अतिश्रम,चिंता, भय

(6) अधारणीय वेगों यथा मल मूत्र लगने के बाद उसे ज्यादा देर तक रोके रहना

(7) तिक्त रस एवं असात्म अन्न का अति सेवन

(8) गुरु अन्न (देर से पचने वाला भोजन

(9) अतिलंघन बार बार या लम्वे समय तक उपवास रहना अथवा देर तक भूखे रहना

(10) तिब्र बिरेचन (बार बार या तेज जुलाब (पैखाना करने वाली दवाइयों का अत्यधिक प्रयोग या बार बार एनिमा लेने की आदत

(11) सामान्य रोगों का ठीक से उपचार न कराना

(12) शरीर का अधिक कर्षण (दुब्लापन) के लिए दवाइयों का प्रयोग या भोजन में कमी

(13) शरीर पर अभिघात (चोट लगने से

(14) लंबे समय तक अजीर्णा वस्था (अनपच) का हृदय रोग की सामान्य कारणों का उल्लेख करते हुए आचार्यो ने लिखा है की सर्व प्रथम निदान (कारणों) का परित्याग ,रोगी को पुर्ण विश्राम,हितकर आहार विहार की व्यवस्था, हृदय (हृदय को तत्काल बल प्रदान करने वाली) औषधियों का प्रयोग यथा आंवला

सम्पादकीय

एक और राष्ट्रीय शर्म

पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे राज्यों में बेच दिया जाता है, जहां उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं।बात राष्ट्रीय राजधानी की है, जो देश की सत्ता का केंद्र है- जहां पक्ष-विपक्ष में रोज ही किसी ना किसी मुद्दे को लेकर तकरार छिड़ी रहती है। लेकिन इस बहस में देश की आम आबादी के असल मुद्दे किस तरह गायब रहते हैं, इस पर ध्यान देना हो, तो बाल तस्करी के बारे में जारी हुई एक ताजा रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि कोरोना महामारी के बाद कई राज्यों में बाल तस्करी के मामले बढ़े हैं। गेम्स24म7 और चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन (केएससीएफ) ने बाल तस्करी के बारे में उपलब्ध आंकड़ों को संकलित कर यह रिपोर्ट तैयार की है। केएससीएफ ने 2016 और 2022 के बीच भारत के 21 राज्यों के 262 जिलों में बाल तस्करी के मामलों में हस्तक्षेप किया। उन मामलों से प्राप्त आंकड़ों के आधार तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि कानूनन बाल मजदूरी पर रोक होने के बावजूद बड़ी संख्या में बाल मजदूर आज भी विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। जिन उद्योगों में सबसे ज्यादा बाल मजदूरों को रोजगार मिलता है, वे होटल और ढाबे (15.6 फीसदी) हैं। इसके बाद एक परिवार के स्वामित्व वाली ऑटोमोबाइल या परिवहन उद्योग (13 प्रतिशत) और कपड़ा क्षेत्र (11.18 फीसदी) हैं। जाहिरा तौर पर ये समस्या गंभीर है। लेकिन बाल तस्करी सिर्फ चिंताजनक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शर्म का भी विषय है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे शहरों या राज्यों में बेच दिया जाता है, जिससे उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2019 में देश में मानव तस्करी (बच्चों और वयस्कों समेत) के जितने भी मामले थे, उनमें से सबसे ज्यादा मामले जबरन श्रम, देह व्यापार, घरों में जबरन काम और जबरन शादी के थे। आजादी के 75 साल बाद भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। इसके लिए कौन जवाबदेह है?

नेता असभ्य क्यों होते जा रहे हैं?

रजनीश कपूर

असभ्य नेता जब सदन में होते हैं तो वो भूल जाते हैं कि उनके विपक्ष में बैठे नेता भी एक जनप्रतिनिधि हैं। वो भी उतने ही सम्मान के हकदार हैं जितने कि वे स्वयं को मानते हैं। परंतु सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों अपने विपक्षी नेताओं को आजकल आम जनता की तरह समझने लगे हैं। ङ्ककोई मशहूर व्यक्ति न सिर्फ.राजनीति में बल्कि किसी भी अन्य क्षेत्र में क्यों न हो अगर शांत और शालीन स्वभाव के हैं तो उनका ज़िक्र हमेशा सम्मान के साथ ही होता है।

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए।।

कबीर दास जी का यह दोहा हमें बचपन से ही सिखाता आया है कि चाहे कुछ भी हो हमें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को आनंदित करे। जहां मीठे वचन सुनने वालों को सुख देते हैं, वहीं हमारे मन को भी आनंदित करते हैं। परंतु क्या हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इसका अनुसरण कर रहे हैं? या सत्ता के अहंकार में आपा खो रहे हैं। भारत के नये संसद भवन के पहले सत्र में जो हुआ, वो अनहोनी बात थी। नई संसद के पहले सत्र में ऐसा होना देश के लोकतंत्र के लिए बहुत शर्मनाक है।

ऐसा नहीं है कि संसद या विधान सभा में हंगामा पहली बार हुआ है जब सदन की गरिमा को वहाँ बैठे नेताओं ने तार-तार किया। ऐसा भी नहीं है कि संसद में ऐसी असभ्यता केवल भारत में ही दिखती है। दुनिया के कई देशों में आजकल ऐसे दृश्य दिखाई देने लगे हैं। हम इसकी केवल निंदा करके छोड़ देते हैं। ऐसी घटनाओं से कोई भी सबक नहीं लेता। जब भी कभी, किसी भी दल के नेता द्वारा, सदन में या सदन के बाहर असभ्यता का परिचय दिया जाता है तो उसके आचरण से न सिर्फ.उस नेता के पारिवारिक संस्कार बल्कि उसके दल के संस्कारों का भी परिचय मिलता है। उनकी छवि पर इसका बुरा असर पड़ता है, अगर उन्हें अपनी छवि की चिंता हो तो।

कोई मशहूर व्यक्ति न सिर्फ.राजनीति में बल्कि किसी भी अन्य क्षेत्र में क्यों न हो अगर शांत और शालीन स्वभाव के हैं तो उनका ज़िक्र हमेशा सम्मान के साथ ही होता है। वहीं जब भी कभी कोई नेता अपने बुरे व्यवहार या कटु वचनों के कारण चर्चा का विषय बनते हैं तो वे इस बात से बेखबर होते हैं कि उनके ऐसे व्यवहार से उनके वोटरों पर कितना विपरीत असर पड़ता है। पर आजकल तो वोटर भी ऐसे होते जा रहे हैं जो अनेक अन्य कारणों से ऐसे ही नेताओं को पसंद करते हैं। राजनैतिक दलों की बात करें तो सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें भी अधिक वोट दिलाने वाली ऐसी दुधारू गायों की जरूरत पड़ती रहती है, जो हंगामा खड़ा करके ध्यान आकर्षित करें।

असभ्य नेता जब सदन में होते हैं तो वो भूल जाते हैं कि उनके विपक्ष में बैठे नेता भी एक जनप्रतिनिधि हैं। वो भी उतने ही सम्मान के हकदार हैं जितने कि वे स्वयं को मानते हैं। परंतु सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों अपने विपक्षी नेताओं को आजकल आम जनता की तरह समझने लगे हैं।

नेताओं द्वारा असभ्य व्यवहार किसी भी तरह का हो सकता है। फिर वो चाहे किसी धर्म विशेष के प्रति हो या किसी जाति या वर्ग के प्रति हो, ऐसे असभ्य नेता कभी भी कोई मौका नहीं छोड़ते। इन असभ्य नेताओं को, यदि वे सत्तारूढ़ दल के हों, उनके दल का समर्थन प्राप्त हो, तो वे किसी की भी परवाह नहीं करते।

ऐसे में कोई आम नागरिक यदि किसी सभा में इनसे इनकी असभ्यता पर सवाल भी उठाए तो वे घमंड के चलते उनके सवाल का उत्तर नहीं देते। वहीं यदि कोई पत्रकार इन नेताओं से सवाल पूछे तो उसे इस बात की गारंटी नहीं होती कि ऐसे नेताओं से सवाल पूछने पर उसकी नौकरी बरकरार रहेगी या जायेगी। इसलिए ऐसे असभ्य नेता हमारे समाज में बेखौफ घूमते हैं। यदि किसी एक दल के नेता को किसी अन्य दल के नेता के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ लोकसभा या राज्य सभा या विधान सभा के स्पीकर कारवाई कर सकते हैं। अन्यथा उन पर कानूनी करवाई की जा सकती है, अगर उन्होंने ऐसा व्यवहार सदन के बाहर किया हो। अदालत यदि ऐसे नेता को दोषी मानती है तो उसे कानून के हिसाब से सजा भी सुना सकती है। परंतु जब भी कभी सत्तापक्ष के किसी नेता द्वारा ऐसी गलती होती है तो विपक्षी दल के नेता की गलती पर कड़ी से कड़ी सजा की माँग करने वाले सत्तारूढ़ दल अपने ही दल के नेता को एक नोटिस दिलवाकर केवल औपचारिकता ही करवाता है। सरकारें आती जाती रहतीं हैं पर यह मानसिकता कायम रहती है।

मामला किसी धर्म विशेष के लोगों पर हमले का हो या किसी जाति या वर्ग के लोगों पर हमले का हो, ऐसे हमले रुकने चाहिए। भारत जैसे देश के लिए कहा जाता है कि चार कोस कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी यानी हमारे देश में विविधताओं का होना प्राचीन युगों से चला आ रहा है। भारत में अनेक धर्मों, जातियों, विचारों, संस्कृतियों और मान्यताओं से सम्बन्धित विभिन्नताएँ हैं।

किन्तु उनके मेल से एक खूबसूरत देश का जन्म हुआ है, जिसे हम भारत कहते हैं। भारत की ये विविधताएँ एकता में बदल गई हैं, जिसने इस देश को विश्व का एक सुन्दर और सबल राष्ट्र बना दिया है। शायद इसीलिए भारत के लिए कहा गया है कि ह्यअनेकता में एकता : मेरे देश की विशेषताह्न। इसलिए हमें सभी धर्मों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का सम्मान करना चाहिए।

हमारे द्वारा चुने गये नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, चुनाव जीतते ही यदि अपनी असभ्यता का परिचय देने लग जाएँ और उनके दल द्वारा उन्हें किसी भी तरह दंड न दिया जाए। तो अगली बार जब भी ऐसे नेता जनता के सामने याचक बन कर आएँ तो वोटरों द्वारा ऐसे नेताओं का बहिष्कार कर उन्हें आईना जरूर दिखाया जाए। ऐसा करने से इन असभ्य नेताओं में एक मजबूत संदेश जाएगा और वे ऐसी गलती करने से पहले कई बार सोचेंगे। तब शायद उन्हें कबीरदास जी का दोहा याद आएगा।

भारतीय परिवारों की भौतिक आस्तियों में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर

बचत दरअसल दो प्रकार की होती है, एक, वित्तीय बचत एवं द्वितीय, भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत के परिवारों में हाल ही के समय में वित्तीय बचत की दर कुछ कम होकर परिवारों द्वारा भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत जो केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं गैर वित्तीय संस्थानों के लिए आय का मुख्य साधन है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रह गई है। यह बचत दर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11.5 प्रतिशत एवं कोरोना महामारी खंडकाल के पूर्व वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.6 प्रतिशत थी। ऐसा कहा जा रहा है कि परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत दर पिछले 50 वर्षों के खंडकाल में सबसे कम दर है। परंतु, यह तथ्य सही नहीं है, क्योंकि परिवारों की बचत दर को वित्तीय बचत एवं भौतिक आस्तियों की रूप में की गई बचत को मिलाकर देखा जाना चाहिए। वित्तीय बचत दर किसी वित्तीय वर्ष में कम इसलिए हो सकती है, क्योंकि परिवारों द्वारा उस वर्ष में भौतिक आस्तियों के रूप में अधिक मात्रा में बचत की गई हो। कोरोना महामारी के चलते एक तो कई परिवारों की आय में कमी दर्ज हुई एवं कई परिवारों को तो बैकों से ऋण लेकर अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ी थी।

प्रहलाद सबनानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

किसी भी देश के लिए शुद्ध वित्तीय बचत की दर अधिक होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा मापदंड माना जाता है क्योंकि वित्तीय बचत की राशि अंततः पूंजी निर्माण करते हुए देश के आर्थिक विकास को गति देने में मुख्य भूमिका निभाती है। बचत दरअसल दो प्रकार की होती है, एक, वित्तीय बचत एवं द्वितीय, भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत के परिवारों में हाल ही के समय में वित्तीय बचत की दर कुछ कम होकर परिवारों द्वारा भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत जो केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं गैर वित्तीय संस्थानों के लिए आय का मुख्य साधन है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रह गई है। यह बचत दर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11.5 प्रतिशत एवं कोरोना महामारी खंडकाल के पूर्व वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.6 प्रतिशत थी। ऐसा कहा जा रहा है कि परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत दर पिछले 50 वर्षों के खंडकाल में सबसे कम दर है। परंतु, यह तथ्य सही नहीं है, क्योंकि परिवारों की बचत दर को वित्तीय बचत एवं भौतिक आस्तियों की रूप में की गई बचत को मिलाकर देखा जाना चाहिए। वित्तीय बचत दर किसी वित्तीय वर्ष में कम इसलिए हो सकती है, क्योंकि परिवारों द्वारा उस वर्ष में भौतिक आस्तियों के रूप में अधिक मात्रा में बचत की गई हो।

कोरोना महामारी के चलते एक तो कई परिवारों की आय में कमी दर्ज हुई एवं कई परिवारों को तो बैकों से ऋण लेकर अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ी थी। कोरोना महामारी खंडकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारतीय परिवारों का ऋण, सकल घरेलू उत्पाद का 40.7 प्रतिशत था, जो जून 2023 में घटकर 36.5 प्रतिशत रह गया है। इस प्रकार कोरोना महामारी के बाद के खंडकाल में भारतीय परिवारों द्वारा बैंकों से लिए गए ऋण की किश्तें भी समय पर चुकाई गई हैं जिससे वित्तीय बचत की वृद्धि दर पर विपरीत असर पड़ा है। वैसे भी, भारतीय परिवार बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में हिचकते हैं। जबकि अन्य देशों के नागरिक बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में बिलकुल नहीं हिचकते हैं जैसे चीन के परिवारों पर सकल घरेलू उत्पाद का 62 प्रतिशत ऋण है।

दूसरे, कोरोना महामारी के खंडकाल के दौरान भारत में जमाराशि पर ब्याज की दरें भी बहुत कम थी जिसके कारण भारतीय परिवार वित्तीय बचत न करते हुए किसी तरह अपने दैनंदिन खर्चों की पूर्ति कर पा रहे थे। साथ ही, कोरोना महामारी के तुरंत बाद के खंडकाल में जब देश में आर्थिक स्थिति तेजी से सुधारने लगी एवं जब बैकों से प्राप्त की जा रही ऋणराशि पर ब्याज की दर बहुत कम थी तब कई परिवारों द्वारा बैकों से ऋण प्राप्त कर इस राशि का उपयोग मकान का निर्माण करने पर, बच्चों की शिक्षा पर एवं वाहन खरीदने पर खर्च किया जाने लगा। यह तर्क वित्तीय क्षेत्र के बचत एवं बैकों के ऋण सम्बंधी आंकड़ो से भी सिद्ध होता है। इस दौरान बैकों की वित्तीय देयताओं में 8.2 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज हुई है (इसमें परिवारों द्वारा व्यावसायिक बैंकों से उधर ली गई 7.1 लाख करोड़ रुपए की ऋणराशि भी शामिल है), जो शुद्ध वित्तीय बचत की राशि 6.7 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक है। इस कारण से शुद्ध वित्तीय बचत की राशि में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि से कमी दर्ज हुई है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत है। जबकि इस दौरान बीमा, प्रॉविडेंट एवं पेंशन फंड में 4.1 लाख करोड़ रुपए की राशि की वृद्धि भी दर्ज हुई है। परिवारों द्वारा बैंकों से ली गई उक्त वर्णित ऋणराशि में से 55 प्रतिशत राशि भौतिक आस्तियों जैसे मकान निर्माण एवं वाहन आदि खरीदने हेतु उपयोग किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2012 में भारतीय परिवारों की कुल बचत में भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत का हिस्सा 66 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2021 में घटकर 48 प्रतिशत रह गया था। परंतु इस प्रवर्ती में एक बार पुनः परिवर्तन होता दिखाई दे रहा है और भौतिक आस्तियों के रूप में की जाने वाली बचत का कुल बचत में हिस्सा वित्तीय वर्ष 2023 में 70 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय परिवारों की कुल बचत (वित्तीय एवं भौतिक आस्तियों में वृद्धि मिलाकर) वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में कहीं अधिक रहने की सम्भावना है।

भारतीय परिवारों द्वारा गृह निर्माण एवं वाहन खरीदने पर अधिक खर्च करने के चलते एवं कम ब्याज दरों के कारण वित्तीय बचतें प्रभावित हुई हैं हालांकि इससे परिवारों की भौतिक आस्तियों में जरूर बहुत अच्छी वृद्धि दर अर्जित की गई है। इससे अर्थव्यवस्था को गति ही मिली है। उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जिससे कम्पनियों द्वारा अधिक उत्पादन किया जा रहा है। विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन क्षमता के उपयोग में वृद्धि दर्ज हुई है जो आज लगभग 77 प्रतिशत तक पहुंच गई है। विनिर्माण इकाईयों में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। अतः कुल मिलाकर यदि परिवारों के भौतिक आस्तियों में अधिक वृद्धि दर्ज की जाती है तो यह अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर की कही जानी चाहिए।

भारतीय परिवार आज अपनी बचत का अधिक हिस्सा पूंजी निर्माण हेतु खर्च कर रहे हैं। गृह निर्माण एवं वाहन आदि खरीदने की मद पर अधिक खर्च किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में परिवारों की शुद्ध बचत का 60 प्रतिशत हिस्सा पूंजी निर्माण पर खर्च किया गया है, जो वित्तीय वर्ष 2015-16 में 53.2 प्रतिशत था, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 68 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। साथ ही, परिवारों द्वारा बैकों एवं वित्तीय संस्थानों से मकान निर्माण हेतु एवं वाहन आदि खरीदने हेतु लिए जाने वाले ऋणराशि में भी वृद्धि दिखाई दे रही है, जो कि एक अच्छा संकेत है। एक अध्ययन प्रतिवेदन के अनुसार, मकान निर्माण हेतु ऋण एवं भौतिक आस्तियों में वृद्धि के बीच सामंजस्य दिखाई देता है। यदि मकान निर्माण हेतु ऋण में एक रुपए की वृद्धि होती है तो भौतिक आस्तियों में 2.12 रुपए की वृद्धि दर्ज होती है। इस प्रकार, भारत में परिवारों द्वारा बैंकों से लिए जा ऋण का उपयोग उत्पादक कार्यों के लिए किया जा रहा है। यहां यह वर्णित करना आवश्यक होगा कि भारतीय परिवार की परिभाषा में व्यक्ति, गैर सरकारी, गैर निगमित संस्थान जैसे व्यक्तिगत संस्थान, साझेदारी संस्थान आदि शामिल हैं।

अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने की बढ़ती घटनाएं

उत्तरप्रदेश में कंडक्टर मोहित यादव ने बस थोड़ी देर के लिए रुकवा दी क्योंकि कुछ लोग लघुशंका निवारण करते चाहते थे और कुछ नमाज पढना चाहते थे . नमाज पढ़ते हुए यात्रियों का वीडियो बना लिया गया . यादव और बस के ड्राईवर के खिलाफ शिकायत हुई और दोनों को निलंबित कर दिया गया . कुछ दिन बाद यादव ने आत्महत्या कर ली . उत्तरप्रदेश में ही एक प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका तृप्त त्यागी ने होमवर्क न करने के कारण एक मुस्लिम बच्चे को क्लास में खड़ा किया और फिर दूसरे बच्चों से कहा कि वे सब उसे एक-एक तमाचा मारें . अध्यापिका ने यह भी कहा कि मुस्लिम लड़कों को स्कूल छोड़ देना चाहिए . एक अन्य अध्यापिका मंजुला देवी ने दो मुस्लिम विद्यार्थियों, जो आपस में लड़ रहे थे, से कहा कि यह उनका देश नहीं है . कुछ स्कूलों से ऐसी खबरें मिलीं हैं कि हिन्दू बच्चे अपने मुस्लिम सहपाठियों को अपने साथ नहीं खिलाते . प्रजातंत्र की जननी भारत की संसद में हाल में इससे भी ज्यादा घृणास्पद घटनाक्रम हुआभाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को मुल्ला, आतंकवादी, राष्ट्रद्रोही, दलाल और कटुआ कहा . इस मुद्दे पर भाजपा ने केवल अनमने भाव से खेद जताया है और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को चेतावनी दी है

राम पुनियानी
लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से सम्मानित हैं

पिछले कुछ महीनों में देश में कई ऐसी घिनौनी घटनाएं हुईं हैं जिनसे यह पता चलता है कि हमारे समाज में नफरत का जहर किस हद तक घुल चुका है और यह भी कि यह नफरत दिन-दोगुनी रात-चौगुनी गति से बढ़ती जा रही है. उत्तरप्रदेश में कंडक्टर मोहित यादव ने बस थोड़ी देर के लिए रुकवा दी क्योंकि कुछ लोग लघुशंका निवारण करते चाहते थे और कुछ नमाज पढना चाहते थे. नमाज पढ़ते हुए यात्रियों का वीडियो बना लिया गया. यादव और बस के ड्राईवर के खिलाफ शिकायत हुई और दोनों को निलंबित कर दिया गया. कुछ दिन बाद यादव ने आत्महत्या कर ली.

उत्तरप्रदेश में ही एक प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका तृप्त त्यागी ने होमवर्क न करने के कारण एक मुस्लिम बच्चे को क्लास में खड़ा किया और फिर दूसरे बच्चों से कहा कि वे सब उसे एक-एक तमाचा मारें. अध्यापिका ने यह भी कहा कि मुस्लिम लड़कों को स्कूल छोड़ देना चाहिए. एक अन्य अध्यापिका मंजुला देवी ने दो मुस्लिम विद्यार्थियों, जो आपस में लड़ रहे थे, से कहा कि यह उनका देश नहीं है. कुछ स्कूलों से ऐसी खबरें मिलीं हैं कि हिन्दू बच्चे अपने मुस्लिम सहपाठियों को अपने साथ नहीं खिलाते.

प्रजातंत्र की जननी भारत की संसद में हाल में इससे भी ज्यादा घृणास्पद घटनाक्रम हुआ. भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को मुल्ला, आतंकवादी, राष्ट्रद्रोही, दलाल और कटुआ कहा. इस मुद्दे पर भाजपा ने केवल अनमने भाव से खेद जताया है और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने इस तरह की हेट स्पीच फिर दी तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी. दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर हेट स्पीच देने और उन्हें अपमानित करने के लिए बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की. वहीं कई भाजपा सांसद और नेता अपने साथी के बचाव में आगे आए हैं और उन्होंने दानिश अली पर बिधूड़ी को भड़काने का आरोप लगाया है. मुख़्तार अब्बास नकवी ने कहा कि दानिश अली ने कांग्रेस में शामिल होने के लिए यह सारा नाटक किया है. यह महत्वपूर्ण है कि जिस समय बिधूड़ी अपना जहरबुझा भाषण दे रहे थे, उस समय दो पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन और रविशंकर प्रसाद हंस रहे थे. संसद में जो हुआ वह नफरत की राजनीति का चरमोत्कर्ष था. इस प्रकृति की जितनी घटनाएँ हो रही हैं, उनमें से बहुत कम सामने आ रही हैं. कोई भी संवेदनशील नजर आसानी से पढ़ सकती हैं कि मुस्लिम समुदाय में किस कदर डर, असुरक्षा और रोष का भाव व्याप्त है. मुसलमान हाशिये पर ढकेल दिए गए हैं और वे कुंठित और असहाय महसूस कर रहे हैं. दलितों, महिलाओं और आदिवासियों की आर्थिक बदहाली, उनका दमन और अपमान और उनके खिलाफ हिंसा भी उतनी ही डरावनी है. और यह सब बहुसंख्यकवादी राजनीति के परवान चढ़ने का नतीजा है.

क्या नफरत हमारे समाज के लिए नई चीज है? बिलकुल नहीं. मुस्लिम और हिन्दू सांप्रदायिक धाराएं अपने जन्म के बाद से ही दूसरे समुदाय के खिलाफ नफरत को हवा देती आई हैं. इसी से देश में सांप्रदायिक हिंसा शुरू हुई. औपनिवेशिक काल में जिस तरह की सांप्रदायिक हिंसा हुई, वह उसके पहले राजे-रजवाड़ों की काल में होनी वाली शिया-सुन्नी या शैव-वैष्णव पंथिक हिंसा से बहुत अलग थी. आज जहाँ पाकिस्तान, हिन्दुओं और ईसाईयों के खिलाफ सांप्रदायिक नफरत से उबल रहा है वहीं भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है.

धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत का आख्यान, सांप्रदायिक संगठनों ने गढ़ा और मीडिया ने उसे गहराई और व्यापकता दी. हमारे नेताओं को मीडिया की इस भूमिका का काफी पहले से अहसास था. स्वामी श्रद्धानन्द की अब्दुल रशीद द्वारा हत्या की खुलकर निंदा करते हुए महात्मा गाँधी ने अपने पाठकों का ध्यान अखबारों की भूमिका की ओर दिलाया. यंग इंडिया के 30 दिसंबर 1926 के अंक में श्रद्धानंदजी द मारटेयर शीर्षक से प्रकाशित अपने लेख में उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने और समाज में नफरत और हिंसा का प्रसार करने में अखबारों की भूमिका के बारे में लिखा.

हिंसा का जहर फैलाने में प्रमुख सांप्रदायिक संगठन आरएसएस की भूमिका का खुलासा करते हुए तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने आरएसएस के मुखिया गोलवलकर को लिखी एक चिट्ठी में कहा थाः उनके (आरएसएस) सभी भाषण सांप्रदायिक जहर से भरे रहते थे. हिन्दुओं को उत्साहित करने के लिए या उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए संगठित करने के लिए, यह जहर फैलाने की जरुरत नहीं थी. इसी जहर के अंतिम नतीजे में देश को गांधीजी की अमूल्य जिन्दगी का बलिदान देखना पड़ा.

आज भी नफरत का स्त्रोत वही संगठन है जिसकी सरदार पटेल बात कर रहे हैं. इस नफरत को आरएसएस के विभिन्न अनुषांगिक संगठन बढ़ा रहे हैं. इस काम में कॉपोरेट-नियंत्रित गोदी मीडिया की भूमिका कम नहीं है. गोदी मीडिया सरकार के आगे नतमस्तक है और विपक्ष और सत्ताधारी दल के आलोचकों पर हमलावर है. सभी प्रमुख टीवी नेटवर्क कॉर्पोरेट घरानों ने खरीद लिए हैं और ये घराने सत्ताधारी दल के नजदीक हैं. हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के लक्ष्य को लेकर चल रही भाजपा ने एक सोशल मीडिया सेल खोला है और नफरत के अपने सन्देश को फैलाने के लिए लाखों व्हाट्सएप ग्रुप बनाये हैं. आश्चर्य नहीं कि इन हालातों में इंडिया गठबंधन को मजबूर होकर यह निर्णय लेना पड़ा कि उसके प्रवक्ता अलग-अलग चैनलों के 14 एंकरों की मेजबानी वाले टॉक शो में हिस्सा नहीं लेंगे. अपने आकाओं को खुश करने की होड़ में ये एंकर विपक्षी पार्टियों और अल्पसंख्यक समुदायों पर कीचड़ उछालने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते. वे पत्रकारिता की इस मूल सिद्धांत को भूल चुके हैं कि पत्रकारों को निष्पक्ष होना चाहिए और उनमें यह साहस होना चाहिए कि वे शक्तिशाली सत्ताधारियों के मुंह पर बेबाकी से सच बोल सकें.

हमारा गणतंत्र एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है. प्रजातंत्र की उच्चतम संस्था से नफरत फैलाई जा रही है. इसका हमारे सामाजिक जीवन, हमारे संवैधानिक मूल्यों और देश के लोगों के बीच भाईचारे पर क्या असर पड़ेगा? जिस बेशर्मी से रमेश बिधूड़ी का बचाव किया जा रहा है उससे साफ है कि उन्हें उनके शीर्ष नेताओं का वरदहस्त हासिल है. हेट स्पीच को रोकने का कोई प्रयास नहीं हो रहा है और ना ही नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही हो रही है. धर्मसंसदों के आयोजक और यति नरसिंहानंद जैसे लोग नफरत की दुकानें चला रहे हैं.

नरसंहार से जुड़े मसलों के अध्येता प्रोफेसर ग्रेगोरी स्टेंटन ने रवांडा के रेडियो के प्रसारणों को सुन कर यह भविष्यवाणी की थी कि वहां नरसंहार होगा. और 1994 में वही हुआ. उनके अनुसार, भारत में नरसंहार होने की सम्भावना एक से दस के स्केल पर आठ है. देश में जिस तरह की भयावह घटनाएं हो रहीं हैं, क्या उनकी निंदा करना, उन पर टिपण्णी करना ही पर्याप्त है? क्या हम मूक दर्शक बने रह सकते हैं? क्या संपूर्ण विपक्ष एक स्वर में हेट स्पीच की खिलाफत नहीं कर सकता? क्या भारत के संविधान के मूल्यों में यकीन रखने वाले राजनैतिक दल, सामाजिक संगठन और मानवाधिकार समूह, देश में भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं कर सकते? यह सब जल्द से जल्द होना चाहिए. पहले ही बहुत देर हो चुकी है.

मध्य प्रदेश के प्रति आशंकित भाजपा....?

ओम प्रकाश मेहता

अगले महीने देश के जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होना है, उन राज्यों को भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दलों ने 200 दिन बाद होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल मान लिया है, भारतीय जनता पार्टी जहां इन पांच राज्यों में से केवल दो राज्यों पर सत्तारूढ़ है, वहीं कांग्रेस राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में शासनारूढ़ है, कांग्रेस जहां चुनाव वाले सभी पांच राज्यों पर कब्जा करने की जुगत में है, वहीं भाजपा अपनी सरकारें बचाए रखने की जुगत में है, इन राज्यों में से मध्य प्रदेश को दोनों ही प्रमुख दलों ने अहम माना है, इसलिए भाजपा मतदाताओं को नित नई विधाओं से प्रभावित करने में जुट गई है और उसने अपने भावी मुख्यमंत्रियों की फौज को टिकटें देकर मैदान में उतार दिया है, वहीं कांग्रेस राज्य के डेढ़ दशक से अधिक के भाजपा शासन काल के मुद्दे एकत्र कर अपना अभियान शुरू करने जा रही है, जिसकी कमान प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने ही संभाल रखी है।

अब यदि भाजपा व कांग्रेस की चुनाव प्रचार को मूल्यांकन की दृष्टि से देखा जाए तो थोड़ी जल्दबाजी होगी, वैसे इस दृष्टि से प्रदेश पर पिछले साढ़े 16 सालों से राज कर रही भाजपा कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा गंभीर नजर आ रही है, उसने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची में जहां तीन मौजूदा केंद्रीय मंत्री, पांच सांसदों और एक राष्ट्रीय महासचिव को टिकट देने की घोषणा कर दी है, जो भावी मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हो सकते हैं, वहीं कांग्रेस ने अभी तक अपनी पहली सूची भी तैयार नहीं की है, यद्यपि विधानसभा की टिकट प्राप्त भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव जी चुनावी मैदान में उतरने के बिल्कुल भी उत्सुक नहीं है, उन्होंने तो विमान से पार्टी के चुनाव प्रचार के सपने संजो कर रखे थे, जिसे उन्होंने स्वयं इजहार भी किया लेकिन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा की टिकट देकर भाजपा ने अपने भावी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा जरूर कर दी है, इसी तरह केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को भी विधानसभा की टिकट दी गई है, जबकि राज्यों में पिछले डेढ़ दशक से भी अधिक समय से मुख्यमंत्री की कुर्सी को सुशोभित करने वाले शिवराज सिंह जी को अभी तक यह भी नहीं बताया गया कि वह विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी भी होंगे या नहीं? या उन्हें संगठन का काम सौंपा जाएगा, इसीलिए शिवराज इन दिनों कुछ अनमने से हैं और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें कांग्रेस में आ जाने का निमंत्रण भी दे दिया है।

अर्थात, कुल मिलाकर मध्य प्रदे

संक्षिप्त खबरें

देसी कट्टा के साथ गैस एजेंसी लूट कांड का अभियुक्त गिरफ्तार

बोचहा। थाना क्षेत्र के न्यू मार्केट बोचहा स्थित मछली बाजार से एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।, पकड़े गए व्यक्ति के पास से लोडेड देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।थाना अध्यक्ष अनिल राम ने बताया कि न्यू मार्केट बोचहा के मछली बाजार से लोडेड देशी कट्टा जिंदा कारतूस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने आगे बताया कि बीते दिनों मुरादपुर फ्लाईओवर के समीप गैस विक्रेता से हथियार के बल पर 80 हजार रुपए की लूट की गई थी ,। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही थी मगर पुलिस को सफलता नहीं मिल रही थी।लूट की घटना में शामिल आरोपी को पुलिस ने मछली बाजार से हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।, पकड़े गए आरोपी की पहचान सरैया थाना क्षेत्र के अजीतपुर निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सर्पदंश से बालक की हुई मौत

खोदावंदपुर, बेगूसराय। सोये अवस्था में सर्प दंश से एक बालक की मौत हो गई। मृतक बालक फफौत पंचायत के तारा गांव स्थित वार्ड नं 7 निवासी चंदन शर्मा का 11 वर्षीय पुत्र गोरांशु कुमार है। परिजनों ने बताया कि गोरांशु गुरुवार की रात्रि अपने घर में सोया हुआ था। तभी किसी विषैले सर्प ने उसके सिर में काट लिया। उसे इलाज के लिए तुरंत दलसिंहसराय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बालक की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन

औरंगाबाद। 47 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमडेन्ट जियाऊ सिंह एवं विनीत कुमार द्वितीय कमान अधिकारी के दिशा-निर्देशानुसार सहायक कमाण्डेन्ट सुशील जोशी और निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान औरंगाबाद प्रखंड के अनुग्रह मिडिल स्कूल और गायत्री नगर मिनी बीघा से कलश में मिट्टी संग्रहन किया गया।साथ ही साथ मोहल्ला में जाकर कलश यात्रा निकाल कर घर-घर से मिट्टी संग्रहित किया गया।इसके बाद अनुग्रह मिडिल स्कूल के शिक्षक के उपस्थिति में छात्रों को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के लिए जागरूक किया गया एवं मिट्टी संग्रहण किया गया।इस कार्यक्रम के माध्यम से देश की आजादी के लिए किये गए असंख्य बलिदानों और स्वतंत्रता के मूल्य को समझने एवं राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता के लिए लोगो को जागरूक किया गया। भारत माता की जय,वन्दे मातरम,जय हिंद, जय भारत के नारो से गूंज उठा। उक्त कार्यक्रम ,नेहरू युवा केन्द्र से सौरभ सिंह चौहान सतीश कुमार मोनू मनीष कुमार सिंह ओम प्रकाश सिंह राहुल राज नीरज शर्मा, सैकड़ो युवा उपस्थित रहें।

स्कूली बच्चों के थाली में मिला मरा हुआ कीड़ा, ग्रामीण एवं स्कूली बच्चों ने किया प्रदर्शन

एनजीओ संचालक ने कहा कि साजिश कर एनजीओं को बदनाम करने की कोशिश

प्रात : किरण, संवाददाता

झाझा-झाझा नगर क्षेत्र स्थित वार्ड संख्या दस स्थित सामुदायिक भवन में संचालित हो रहे प्राथमिक विद्यालय खैराघाट मे पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को एनजीओं के द्वारा दिये जाने वाले भोजन में कीड़ा मिलने पर स्कूली बच्चों सहित ग्रामीणों ने एनजीओ के खिलाफ प्रदर्शन करते किया।दरअसल स्कूल में मध्यान भोजन एनजीओ के द्वारा दिया गया जिसके बाद विद्यालय की रसोइया स्कूली बच्चों के बीच भोजन वितरण किया।भोजन मिलने के बाद कुछ बच्चों ने भोजन ग्रहण किया तभी सुजीत कुमार के भोजन में मरा हुआ कीड़ा निकला जिसके बाद स्कूली बच्चों ने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार को सूचना दिया जिसके बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक ने सभी बच्चों को भोजन ग्रहण करने से रोक दिया।इधर स्कूली बच्चों के भोजन में कीड़ी मिलने की जानकारी ग्रामीणों को मिली जिसके बाद ग्रामीण सामुदायिक भवन पहुँचकर बबाल मचाया और स्कूली बच्चों के साथ मिलकर एनजीओं के खिलाफ प्रदर्शन किया।स्कूली बच्चे सहित ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुये एनजीओ के द्वारा जो भोजन दिया जा रहा है वह बंद कर दिया जाये और विद्यालय में भोजन ग्रामीणों की उपस्थिति में बनाकर स्कूली बच्चों को दिया जाये।ग्रामीणों ने बताया कि दो माह पूर्व भी स्कूली बच्चों के भोजन में कीड़ा मिला था लेकिन उस वक्त प्रभारी प्रधानाध्यापक के शिकायत करने पर उन्होनें वरीय पदाधिकारी को सूचना दिया।इस बार फिर से भोजन में कीड़ा मिलना कहीं न कहीं एनजीओं के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है।स्कूली बच्चे और ग्रामीणों ने कड़ा निर्णय लेते हुये कहा कि शनिवार से विद्यालय में अगर एनजीओं के द्वारा खाना दिया गया तो हमलोग भोजन लेने से साफ इंकार कर देगे।वही भोजन में कीड़ा मिलने की शिकायत प्रभारी प्रधानाध्यापक के द्वारा बीईओ को भी दूरभाष पर दिया।इधर कीड़ी मिलने के बाद स्कूली बच्चों ने थाली मे परोसे हुये भोजन को फेंक दिया।बताते चले कि एनजीओ के द्वारा बनाये गये भोजन में यह पहला मामला नही है बल्कि दो माह पूर्व भी कलयुगा प्राथमिक विद्यालय में मध्याम भोजन मे गुटखा के साथ मिलने वाले जर्दा का रेपर निकला।

विद्यालय में भोजन वितरण करने वाले एनजीओ दयावति एजुकेशन एंड चैरिटेबल के संचालक प्रवीण सिंह ने बताया कि विद्यालय में भोजन देने के बाद विद्यालय के प्रधानाध्यापक से रिसिविंग भी लिया जाता है और उसके बाद अगर भोजन में कुछ मिलता है तो ऐसे में एनजीओ को बदनाम करने की साजिश की जाती है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि एनजीओं के खिलाफ अगर विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक लिखित शिकायत देते है तो उस आधार पर एनजीओं के खिलाफ हम जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिखित शिकायत का आवेदन भेजेगे ताकि एनजीओं पर कार्रवाई की जाये।

तेज रफ्तार के कारण सड़क हादसे में एक सप्ताह में हुई 5 मौतें

प्रात : किरण, संवाददाता

मुजफ्फरपुर। वाहन चालकों में ट्रैफिक सेंस का अभाव और तेज रफ्तार के कारण जिले में एक सप्ताह में 5 लोगों की सडक दुर्घटना में मौत हो गई। गुरुवार को एक ह्यआशाह्न समेत पांच की मौत हो गई। एसकेएमसीएच परिसर के पुलिस पदाधिकारी एसआई विजय प्रसाद बताते हैं कि एसकेएमसीएच की इमरजेंसी में इलाज को पहुंची आशा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

साहेबगंज थाना के माधोपुर हजारी गांव निवासी वार्ड 4 के पीतांबर प्रसाद यादव की पत्नी सुनीता देवी सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थीं। वह अपने कर्तव्य स्थल से कार्यकर ऑटो टेंपो पर सवार होकर घर लौट रही थी। इसी बीच साहेबगंज थाना अंतर्गत वासुदेवपुर सराय दुर्गा चौक के निकट ईंट लदे ट्रैक्टर की चपेट में ऑटो आ गया। इससे टेम्पो पर सवार कई यात्री जख्मी हो गए। इसमें गंभीर हालत में सुनीता को एसकेएमसीएच लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत्यु घोषित कर दिया।

दूसरी घटना मुजफ्फरपुर सीतामढ़ी न 77 पर अहियापुर था के रसूलपुर चौक के निकट एक ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार सोहन कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिसकी मौत एसकेएमसीएच में पहुंचने के साथ हो गई। मृतक अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर कोल्हुआ वार्ड 11 के निवासी राजेंद्र साहनी के पुत्र थे। वहीं, देवघर के बाबा धाम से लौट रहे रामदास मांझी एक वाहन की चपेट में आ गए। गंभीर हालत में एसकेएमसीएच में पहुंचने के साथ ही मौत हो गई। मृतक सीतामढ़ी जिले के महिंदवाड़ अंतर्गत शाहपुर गांव निवासी थे। इसके साथ ही दो अन्य अलग-अलग थाना क्षेत्र में हो गई।

तीन दिवसीय 'नया भारत सशक्त भारत' विषय पर फोटो प्रदर्शनी आज होगा

- विधायक करेंगे फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रात : किरण, संवाददाता

बेगूसरायः सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) मुंगेर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा बेगूसराय के राजकीय अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में 30 सितम्बर को पूर्वाह्न 10.00 बजे तीन दिवसीय ह्यनया भारत सशक्त भारतह्न विषय पर फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन बेगूसराय के विधायक कुंदन कुमार करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रो. श्रीनिवास त्रिपाठी भी उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय संचार ब्यूरो,भागलपुर के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि इस फोटो प्रदर्शनी-सह- जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा बीते नौ वर्षों के दौरान चलाई गईं नीतियों, योजनाओं एवं उपलब्धियों के बारे में फोटो, आंकड़ों एवं सूचनाओं के माध्यम से आमजनों को बताना एवं उन्हें जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि फोटो प्रदर्शनी में अनेक उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है जिसमें चंद्रयान - 3 मिशन की सफलता, गरीबों की सेवा-वंचितों का सम्मान, सुनिश्चित हो रहा किसानों का कल्याण, नारी शक्ति हो रही और ताकतवर, भारत की अमृत-पीढ़ी हो रही सशक्त, मध्यम वर्ग का जीवन हुआ आसान, सभी के लिए सस्ती-सुलभ स्वास्थ्य सेवा, ह्यराष्ट्र प्रथमह्न-विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत-वैश्विक आर्थिक महाशक्ति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से कारोबार को लगे पंख, इंफ्रास्ट्रक्चर-तेजी से हो रहा बेहतर, टेक्नोलॉजी से भारत को नई शक्ति, नॉर्थ ईस्ट बन रहा विकास का नया इंजन, विरासत और विकास तथा पर्यावरण एवं सतत विकास आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस फोटो प्रदर्शनी में बिहार के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं गुमनाम नायकों के दुर्लभ चित्र व गाथा प्रस्तुत की जायेगी। साथ ही इसमें जी-20, अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023, लाईफ मिशन एवं आदि विषयों पर भी फोटो प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, मुंगेर के प्रभारी सुदर्शन किशोर झा ने कहा कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन फोटो प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को मौके पर पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसके साथ ही एनसीसी के कैडेट्स के द्वारा कार्यक्रम स्थल से एक जागरूकता रैली निकाली जाएगी। जागरूकता रैली में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के साथ स्वच्छता अभियान का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि आमजनों को जानकारी देने एवं जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम स्थल पर डीआरडीए, आईसीडीएस एवं डाक विभाग का स्टॉल भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर सीबीसी, पटना के सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नवल किशोर झा एवं विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। फोटो प्रदर्शनी दिनांक 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक रहेगा। प्रवेश सभी के लिए निशुल्क है

गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचे बॉयफ्रेंड की गोली मारकर हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। बिहार में अपराधियों का तांडव लगातार जारी है। राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन हत्या, लूट और छिनतई की खबरें निकल कर सामने आती रहती है। इसी कड़ी में अब एक मामला बेगूसराय का है। जहां प्रेम -प्रसंग में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, बेगूसराय में कटिहार जिले के रहने वाले एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या की वजह प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। अब इस युवक का शव मटिहानी थाना क्षेत्र के बखड्डा गांव से पुलिस ने बहियार से बरामद किया है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि कटिहार जिले का रहने वाला रमेश पासवान का मटिहानी थाना क्षेत्र के बखड्डा गांव की एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 2 दिन पूर्व ही रमेश पासवान अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। जहां प्रेमिका के पति टुनटुन कुमार ने अपनी पत्नी और युवक को एक साथ देख लिया। जिसके बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर शव को गांव के बाहर बहियार में फेंक दिया था। उधर, रमेश पासवान के गायब होने की सूचना उसके परिजनों के द्वारा बेगूसराय पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच के बाद टुनटुन कुमार को गिरफ्तार किया और उसके निशानदेही पर गांव के बहियार रमेश पासवान का शव बरामद किया है। पुलिस ने टुनटुन कुमार के पास से एक पिस्तौल और कारतूस भी बरामद किया है। जिससे पुलिस और आगे की पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। शव मिलने की सूचना उसके परिजनों को दी गई है। फिलहाल मृतक का परिजन भी बेगूसराय पहुंच रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन नहीं रोक पायेगा मोदी का विजय रथ:अजीत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । देश का विपक्ष चाहे जितना भी जुगत कर ले लेकिन आगामी लोक सभा चुनाव में फिर तीसरी बार देश का प्रधान मंत्री बनेंगे नरेंद्र मोदी। इस देश के विपक्ष के पास न कोई नीति है और न ही इनका नियत साफ है। केवल देश के सत्ता पर काबिज होना इनका एक मात्र उद्देश्य है। जिसे इस देश की जनता कभी सफल होने नहीं देगी। उक्त बातें शुक्रवार को मीनापुर विधान क्षेत्र के नरमा गांव में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक व बुद्धिजीवीयों की सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने कहा। उन्होंने कहा कि इस देश का विपक्ष पूरी तरह मुद्दा विहीन है। इनका नियत भी साफ नहीं है, और न ही उनके पास कोई नीति है । उन्होंने कहा कि विपक्षी नेतागण समाज में तनाव व भ्रम पैदा कर वोट लेना चाहते हैं, जिसे इस देश की जनता भलीभांति समझती है। उनका मंसूबा कभी सफल नहीं होगा और फिर तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनेंगे। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से केंद्र सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ समाज के अधिक से अधिक लोगों को मिले इसके लिए सतत प्रयास करने का अपील किया। इस मौके पर आयोजित सभा की अध्यक्षता पूर्व मुखिया दिनेश्वर प्रसाद सिंह तथा संचालन पंचायत समिति के सदस्य अनिल झा ने किया। इस मौके पर मीनापुर से बीते चुनाव में एनडीए का प्रत्याशी रहे अजय कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा गांव के गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही है। उन योजनाओं का लाभ सही ढंग जरूरतमंदों को नहीं मिल पा रहा है। सरकारी अधिकारी व कर्मचारी इसमें मूल रूप से बाधक है वैसे लोगों पर एनडीए कार्यकताओं को विशेष ध्यान देना पड़ेगा। इस अवसर पर सभा को भाजपा के नेता मुखिया इंद्र मोहन झा, साकेत रमन पांडे, कामेश्वर शर्मा, मनीष शर्मा, केदार शाह, शंकर शर्मा, मंटू शर्मा ,रामा साह, उमेश पासवान, बिंदेश्वर पासवान , राहुल कुमार, जंगली सहनी, नरेश सिंह, अंकेश कुमार ओझा, निखिल कुमार , रघुनंदन सहनी, नीरज कुमार सिंह, सरोज कुमार सिंह , राजू शाह , रामजी सिंह, अवधेश बैठा , बिंदेश्वर पासवान, विशेश्वर महतो, मदन सिंह, अजय सिंह, सूरज कुमार, अविनाश झा ,पिंटू शाह ,गंगा सिंह, शिवजी शाह, प्रवीण कुमार सिंह आदि लोगों ने संबोधित किया । वक्ताओं ने लोगों से आगामी लोकसभा चुनाव में फिर से भाजपा को जिताकर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने की अपील की।

आंगनबाड़ी कर्मियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रात : किरण संवादाता

बोचहा। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में आंगनबाड़ी सेविका ने प्रखंड अध्यक्ष चांदनी कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार से अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में पहुंची आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं ने प्रखंड मुख्यालय स्थित समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय पर ताला जर दिया । बताते चले कि मानदेय बढ़ाने एवं सरकारी कर्मी का दर्जा देने की मांग के समर्थन में प्रखंड की सेविका और सहायिका शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गई है ।जिसके कारण प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी ताला लटक रहा है । आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से बच्चों का पोषाहार भी प्रभावित हो गया है । इस बाबत प्रखंड अध्यक्ष चांदनी कुमारी ने बताया कि जब तक लंबित मांगे पूरी नहीं कर दी जाती है तब तक हम लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे रहेंगे ।

बेनीपट्टी के अधिवक्ता लिपिक स्वम्बर नाथ का निधन, लिपिक संघ में शोक की लहर

प्रात : किरण संवादाता

मधुबनी बेनीपट्टी अनुमंडल के अधिवक्ता लिपिक स्वयंवर नाथ झा के निधन होने पर बेनीपट्टी अनुमंडल न्यायालय व व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता लिपिक में शोक की लहर है। बताते चले की स्वंम्बरनाथ झा जीवनकाल के 67 वर्षी में 40वर्षों से बेनीपट्टी अनुमंडल न्यायालय में अधिवक्ता लिपिक के पद पर कार्यरत है दिवंगत अधिवक्ता लिपिक रानीपुर मतहरी थाना बेनीपट्टी जिला मधुबनी के निवासी थे। व्यवहार न्यायालय अधिवक्ता लिपिक संघ के अध्यक्ष विजय चंद्र मिश्र ने बताया कि उनका निधन 26, 09,23 समय 3:30 बजे शाम में प्राकृतिक कारण से निधन हो जाने के खबर सुनते ही बेनीपट्टी अनुमंडल न्यायालय के अधिवक्ता लिपिको में शोक की लहर प्रकट हो गया। वही अधिवक्ता लिपिक संघ के सचिव रामनरेश यादव ने बताया कि वह बहुत नेक इंसान थे उनके कार्यों की अनुमंडल न्यायालय में सराहना की जाती थी और अधिवक्ता लिपिको में सबसे बेहतर अधिवक्ता लिपिक थे उनके निधन हो जाने के कारण हम लोगों को काफी कमी खल रही है ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है। अधिवक्ता लिपिको ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सभी लिपिक ने ईश्वर से उनके आत्मा को शांति देने को लेकर प्रार्थना किए । संवेदना व्यक्त करते हुए अधिवक्ता लिपिक धर्मेंद्र यादव, केशव ठाकुर अशोक सिंह,ललित यादव लालू यादव इंद्रकांत यादव तेज नारायण यादव संजय साह विनोद पासवान राकेश झा जीवन पासवान रामकहु ठाकुर, लक्ष्मी यादव राजकिशोर परमेश्वर यादव अमरेंद्र पासवान महादेव पंजियार भारत प्रसाद यादव एवं अन्य अधिवक्ता लिपिको ने शोक संवेदना व्यक्त किया।

आपसी विवाद में दो लोगों को गोली मारकर किया घायल, पिस्तौल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवादाता

बेगूसराय। गुरुवार की रात भगवानपुर थाना क्षेत्र के नौला गाँव के राजीव पासवान और मंतोष कुमार ने भीठ गाँव के रामसिया पासवान एवं उसके भाई भरत पासवान को गोली मारकर घायल कर दिया। किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गयी। जिसमें राजीव पासवान के द्वारा गोली चलाने से श्रवण साह की 45 वर्षीया पत्नी सुनिता देवी और विशुनदेव पासवान के 40 वर्षीय पुत्र रामसिया पासवान गोली लगने से गंभीर रुप से जख्मी हो गये।

सूचना मिलते ही भगवानपुर थानाध्यक्ष प्रतोष कुमार सशस्त्र बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचकर मामले की जाँच किया। जाँच के क्रम में घटनास्थल से एक गोली का खोखा बरामद किया गया। घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल लाया गया जहाँ इलाज उपरांत उसकी स्थिति सामान्य है। पुलिस कप्तान योगेंद्र कुमार के द्वारा घटना को गंम्भीरता से लेते हुए इस घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ तेघड़ा रविन्द्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया है। जिसमें पुनि राजीव लाल अंचल निरीक्षक तेघड़ा, पुनि प्रतोष कुमार थानाध्यक्ष भगवानपुर एवं सशस्त्र बल भगवानपुर थाना एवं जिला आसूचना इकाई को शामिल किया गया है। गठित टीम के द्वारा घटना में संलिप्त राजीव पासवान पे.-दिनेश पासवान सा.- नौला थाना भगवानपुर जिला- बेगूसराय एवं मंतोष कुमार पे.-अशोक साह सा.- नौला थाना भागवानपुर जिला- बेगूसराय को घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा और मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया गया। पुलिस टीम के द्वारा घटना में संलिप्त अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

जिला समन्वय एवं अनुश्रवण समिति दिशा की बैठक आयोजित हुई

प्रात : किरण संवादाता

मधुबनी बैठक की अध्यक्षता माननीय सदस्य लोक सभा सह सह अध्यक्ष जिला समन्वय एवं अनुश्रवण समिति अशोक कुमार यादव द्वारा की गई। उप विकास आयुक्त मधुबनी विशाल राज ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से एजेंडवार सभी विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला । बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही के अनुपालन पर भी विभागवार समीक्षा की गई,साथ ही बैठक में सभी प्रमुख विषयो पर माननीय सदस्यों के सुझाव सुने गए और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए।बैठक के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन शहरी स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑग्मेंटेशन अटल मिशन ऑफ रिज्यू बिनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन स्मार्ट सिटी मिशन नेशनल हेल्थ मिशन समेकित बाल विकास परियोजना मध्यान भोजन योजना प्रधानमंत्री उज्जवला योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना डिजिटल इंडिया उच्च पथ खनन प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना परंपरागत कृषि विकास योजना मृदा स्वास्थ्य कार्ड ई राष्ट्रीय कृषि बाजार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट प्रोग्राम प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम अधिनियम सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम सहित माननीय सदस्यों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दे शामिल थे। बैठक के दौरान उपरोक्त सभी विषयों पर गंभीर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त माननीय सदस्यों द्वारा प्रमुखता से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना ग्रामीण विद्युतीकरण राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम स्वास्थ्य शिक्षा रेलवे स्वच्छ भारत मिशन आईसीडीएस मध्यान भोजन एवं सांसद निधि सहित जिले में सड़कों की स्थिति अस्पतालों में चिकित्सकों की आवश्यकता विद्यालयों के भवन की स्थिति बिजली के खुले तारों में बदलाव ट्राई साइकिल वितरण जनवितरण प्रणाली द्वारा खाद्यान आपूर्ति खुले में शौच मुक्त समाज के निर्माण सहित अन्य मुद्दों पर गंभीर और व्यापक चर्चा की गई साथ ही आवश्यक निर्देश भी दिए गए। माननीय लोक सभा सदस्य अशोक कुमार यादव ने सभी संबधित अधिकारियों को बैठक में दिए गए दिशा निर्देश के आलोक में ससमय अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया साथ ही सभी सदस्यों द्वारा दिए गए उनके महत्वपूर्ण सुझाव के लिए उनको धन्यवाद भी दिया

उक्त अवसर पर माननीय सदस्य बिहार विधानपरिषद घनश्याम ठाकुर अध्यक्ष जिला परिषद बिंदु गुलाब यादव विभिन्न नगर पंचायतों के मुख्य पार्षद माननीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत पंचायत प्रतिनिधि विभिन्न प्रखंडों के पंचायत समिति प्रमुख द्वारा जनहित की कई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु गंभीर चर्चा की गई।

मौके पर विभिन्न तकनीकी विभागों के अधीक्षण अभियंता कार्यपालक अभियंता व सभी जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसकेएमसीएच में नहीं है इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार का एम्स कहे जाने वाले एसकेएमसीएच में इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा नहीं है।इसकआरण दिल के मरीजों की जरूरी जांच यहां नहीं हो पाती है। सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ एवं बेहतर करने का दावा भले ही करें लेकिन एसकेएमसीएच में पहुंचने के बाद यह दावा खोखला दिग रहा है। इस अस्पताल में बेहतर इलाज का दावा तो हर कोई करता है, लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर साबित हो रही है। यहां किसी भी विभाग में सुपर स्पेशियलिटी इलाज की व्यवस्था नहीं है। दिल की बीमारी से ग्रसित होकर आने वाले मरीज की इलाज के अभाव में मौत हो जाती है। इस अस्पताल में लंबे अरसे से इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि इकोकार्डियोग्राफी का दिल की बीमारी के निदान के लिए बहुत जरूरी बताया जाता है। यह दिल की बीमारी का पता करने वाले टेस्टों में से एक महत्वपूर्ण टेस्ट है। चिकित्सक बताते हैं कि यह हृदय के आकार, उसकी पम्पिंग क्षमता और स्थान एवं इसके ऊतकों के लिए किसी भी सीमा तक हानि के साथ यह उपयोगी जानकारी की बहुलता प्रदान करता है। इकोकार्डियोग्राफी की मदद से कोरोनरी धमनी की बीमारी का पता लगाया जा सकता है। इकोकार्डियोग्राफी, हाइपरट्रोफिक और कार्डियोमायोपैथी का पता लगाने में भी मदद करता है। यह टेस्ट डॉक्टर को दिल का आकार, दिल की दीवारों के आकार, मोटाई और गति को जानने के लिए जरूरी होता है। इससे दिल कैसा काम कर रहा है। दिल की पंपिंग ताकत कैसा है। हृदय वाल्व सही ढंग से काम कर रहा है या नहीं जैसे अनेक जानकारी मिलती है। इससे मरीजों का समुचित इलाज होता है। इसके बावजूद यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। अधि बताते हैं कि यहां लगी मशीन खराब हो चुकी है। नई मशीन के लिए विभाग से लगातार पत्राचार किया जा रहा है लेकिन नतीजा सिफर है।

संक्षिप्त खबरें

महाविद्यालय प्रवेशद्वार का कुलपति ने फीता काट किया शिलान्यास

भागलपुर। टीएमबीयू परिक्षेत्र स्थित मारवाड़ी महाविद्यालय प्रांगण प्रवेशद्वार निर्माण को लेकर कुलपति डॉ. जवाहर लाल के द्वारा फीता काटकर विधिवत रूप से नए गेट का शिलान्यास किया गया। वही कॉलेज प्रांगण में प्रवेश हेतू नए गेट का निर्माण उद्योगपति शंभू दयाल खेतान के द्वारा 11 लाख की लागत से किया जा रहा है। मारवाड़ी कॉलेज प्रांगण प्रवेश द्वार हेतू संबंधित गेट द्वार पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसको लेकर कॉलेज के प्राचार्य के द्वारा उद्योगपति से आग्रह किया गया था, जिसके बाद उन्होंने मुख्य द्वार निर्माण कार्य शुरू किये जाने को लेकर आवंटित राशि दी। जिसके लिए विधिवत रूप से भूमि पूजन के साथ शीला पठ का कुलपति द्वारा उद्घाटन किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य के अलावा दर्जनों शिक्षाविदित कर्मियों सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

बिजली चोरी में पांच लोगों पर लगा जुर्माना

गंगटा (मुंगेर)।प्रातः किरण संवाददाता। खड़गपुर थाना क्षेत्र एवं गंगटा थाना क्षेत्र में विद्युत विभाग कनीय अभियंता राजीव कुमार के द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान में पांच लोगों के ऊपर जुमार्ना के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया गया। बता दे की पश्चिमी रमणकाबाद का मुखिया छोटेलाल तुरी के ऊपर बिजली चोरी के आरोप में 1लाख 74 हजार 7 सौ 59 रुपए का जुमार्ना किया गया है। इसके अलावा ग्राम छोटकी हथिया निवासी रामचंद्र यादव के ऊपर 46हजार 676 रुपये तथा गंगटा थाना क्षेत्र के गंगटी निवासी प्रमोद शाह के ऊपर 31090 एवं ग्राम परमानंदपुर निवासी सत्यदेव मरांडी के ऊपर 24 हजार 610 एवं वासुदेवपुर निवासी महेश तांती के ऊपर 410213 रुपए का जुमार्ना किया गया।

जीविका द्वारा लगेगा रोजगार सह मार्गदर्शन मेला

संग्रामपुर (मुंगेर)।आज मुख्यालय परिसर स्थित अंबेडकर भवन में प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई जीविका संग्रामपुर के द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत ग्रामीण बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए रोजगार सह मार्गदर्शन मेला लगेगा। जिसको लेकर जीविका के द्वारा युद्ध स्तर पर उसकी तैयारी की जा रही है। युवक एवं युवतियों के प्रशिक्षण के लिए दो कंपनी और रोजगार के लिए कुल दस लिमिटेड कंपनी रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में भाग लेंगी। इस रोजगार मेला में पांचवी कक्षा से उच्च कक्षा तक के 18 से 50 वर्ष के अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। रोजगार मेला के माध्यम से गैर सरकारी कंपनियों के द्वारा सीधी भर्ती, प्रशिक्षण व रोजगार के अंतर्गत निबंधन कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगी। उक्त बातों की जानकारी प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका निर्भय कुमार ने दी।

ठाकुरों पर किये गये व्यंग्य पर लोजपा नेता ने जताया कड़ा विरोध

पूर्णिया। राष्ट्रीय लोजपा के वरिष्ठ नेता माधव सिंह ने राज्यसभा सांसद मनोज झा द्वारा राज्यसभा में कविता के जरिए ठाकुरों पर व्यंग्य करने का कड़ा विरोध किया है। रालोजपा नेता माधव सिंह ने इसे कुंठित मानसिकता का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि किसी जाति समाज विशेष जिसमें क्षत्रियों पर जिसको ठाकुर कहा जाता है, जिस समाज ने इस भारत भूमि की रक्षा के लिए, धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया उस ठाकुर पर व्यंग्यात्मक लहजे में संसद में बात रखना दुर्भाग्यपूर्ण है। माधव सिंह ने कहा कि राजद की शुरू से ही राणनीति समाज को बांटने की रही है। राजद सासंद मनोज झा को ठाकुरों को लेकर बयान अपमानजनक और समाज के लिए विभाजनकारी बताया। उन्होंने कहा कि मनोज झा के बयान को राजपूत समाज किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा।

महासचिव के थैला में चल रहा है विधिज्ञ संघ का कार्यालय : श्री सिन्हा

मुंगेर (प्रातः किरण ब्यूरो)। विधिज्ञ संघ खड़गपुर के आंतरिक विवाद के चलते अब तक वर्तमान अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष को प्रभार नहीं मिला है। इस कारण विधिज्ञ संघ खड़गपुर की प्रशासनिक काम काज समय पर निष्पादन नहीं हो पा रहा है। इसकी जानकारी वर्तमान अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने एक भेंट वार्ता में विधिज्ञ संघ कार्यालय परिसर में दिया। उन्होंने कहा कि विधिज्ञ संघ खड़गपुर की द्ववार्षिक आम चुनाव करीब 06 माह पूर्व ही हो चुका है। लेकिन तत्कालीन अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष के द्वारा वर्तमान के अध्यक्ष और कोष अध्यक्ष को अपना प्रभार नहीं सौंप हैं। इस वजह से संघ के प्रशासनिक काम काज का निपटारा समय पर नहीं होने से सभी आधिवक्ता को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान अध्यक्ष ने यह भी बात बताया कि पूर्व के संघ कमिटी अब तक घर और थैला में ही चल रहा है, जो पूर्व के अध्यक्ष, महासचिव और कोष अध्यक्ष के घर से संचालित हो रहा है।

गुप्त सूचना के तहत कपड़ा दुकान पर पुलिस ने दी दबिश : एसपी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला एसपी को मिली गुप्त जानकारी के आलोक में एलटीएफ व नवगछिया पुलिस की संयुक्त टीम ने स्थानीय तेतरी दुर्गा मंदिर के समीप एक कपड़े के दुकान से पाँच पुड़िया स्मैक, पाँच पुड़िया गांजा व शराब की बरामदगी की है। पुलिस टीम ने मौके पर नशे के कारोबारी व दुकानदार रोहित कुमार मण्डल को गिरफ़ार कर लिया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि एसपी को उनके दूरभाष पर गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कपड़े के व्यवसाय की आड़ में नशे का गोरखधंधा फल फूल रहा है। उक्त सूचना मिलने के बाद एसपी ने त्वरित एक छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम में नवगछिया थानांध्यक्ष इंस्पेक्टर भारत भूषण, एलटीएफ के जयप्रकाश पंडित सहित जवानों को मामले की सत्यता जांच के साथ आवश्यक कार्रवाई हेतू निर्देश दिये। वही उक्त सूचना के आलोक में तेतरी दुर्गा मंदिर के प्रांगण में चल रहे कपड़ा दुकान पर दबिश दे कर पुलिस टीम ने स्वांस मादक पदार्थ गांजा, स्मैक व शराब की बरामदगी की। वही मामले को लेकर तेतरी इलाके के ग्रामीणों ने बताया कि रोहित मण्डल द्वारा अपने कपड़ा दुकान की आड़ में नशे के गोरखधंधा चला रहा था, वही नशे के कारोबार को लेकर काफी समय से शराब, स्वांस मादक पदार्थों (गांजा) के अलावा स्मैक के कारोबार व तस्करी कर रहा था। वह अपने चार पहिये की गाड़ी से शराब झारखंड से लाकर उसका सप्लाई करता था। यह धंधा काफी दिनों से चल रहा था। उत्तर बिहार के शक्ति पीठ कहे जाने वाले तेतरी दुर्गा मंदिर के समीप कपड़े की दुकान में नशे के कारोबार के चलने से लोगो में काफी रोष दिख रहा था। वही लोगो ने कहा कि नशे के समान की बरामदगी के बाद भी संध्या के समय तक दुकान को सील नही किया गया है, जो पुलिस की लापरवाही दशार्ता है। एसपी को इस पर तत्काल एक्शन लेना चाहिए। वही नवगछिया थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर भारत भूषण ने कहा कि कपड़े के दुकान से पाँच पुड़िया स्मैक, पाँच पुड़िया गांजा व शराब की खेप की बरामदगी हुई है, साथ ही नशे के कारोबारी को भी मौके से गिरफ़ार किया गया है। वही संबंधित पुलिस टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई प्रक्रिया के साथ बरामद सामानो की जप्ती सूची तैयारी के साथ गिरफ़ार युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर मेडिकल जांच के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तीन दिनों की हुई बारिश ने सड़कों के निर्माण की खोली पोल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। दक्षिणी क्षेत्र के विकास मार्ग में वर्षो से सड़कों की हालत में सुधार नहीं हो सका है, इस क्षेत्र इलाके में स्थित सड़क की हालत किसी से छुपी नहीं है। सरकार के द्वारा कई बार सड़कों के निर्माण कार्य में करोड़ों रुपये के खर्च कर रही हैं।

लेकिन उसकी वास्तविक गुणवत्ता की हकीकत बारिस के साथ ही लोगों के सामने दिखाई देती नजर आती हैं। वही क्षेत्र इलाके के सड़को पर नाले से निकलने वाली गंदगी भरी पानी का बहाव हो या फिर मौसम के बदलाव के साथ हुई बारिश में सड़क की गुणवत्ता वास्तविक हकीकत की पॉल खोल कर रख दी है। वही वर्तमान समय में हो रही लगातार बारिश ने एक बड़ी साजिश का भी खुलासा कर दिया है। अगर बात करें तो भागलपुर जिले के स्मार्ट सिटी को जोड़ने वाली सड़क मार्ग की है। शहरी क्षेत्र के आबादी के बीच दक्षिणी इलाके के लोगों का दर्द देखने लायक होता है। जिसमें भोलानाथ रेल पूल, बौंसी रेल पुल और मुख्य सड़क मार्ग पर सालो पानी भरा हुआ दिखाई देता है, साथ ही बायपास सड़क, एनएच 80 की भी हालत की बात करें तो लागातर बारिश ने संबंधित विभाग के कार्यशैली की पोल खोल कर रख दी है। वही कहलगांव से पीरपैंती व मिजाचौकी तक की सड़क पर आम लोगों का चलना दूभर हो गया है। भागलपुर जिला के एनएच 80 ही एक मात्र सड़क मार्ग है जो पूर्वी क्षेत्र भाग यातायात व्यवस्था का मार्ग है, लेकिन जब भी एनएच 80 मार्ग पर सड़क बनता है तो कुछ समय के बाद ही सड़क टूट कर गड्ढों में तब्दील हो जाता है। वही इस सड़क मार्ग को फ्लड प्रोन जोन और ओवर लोडिंग स्टोन चिप्स वाली ट्रक व वसूली ने सड़क का बंटाधार कर दिया है। निर्माण एजेंसी मेंटेनेंस से ज्यादा अंडर टेबुल ट्रीटमेंट के जुगाड़ में रहती है। वही इस सड़क मार्ग पर यातायात करने से लोग कतराते नजर आते हैं।

अपनी अस्मिता बचाव को ले शांति समिति सदस्यों की बैठक हुई सम्पन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले में दुर्गा पूजा काली पूजा मोहर्रम, ईद, बकरीद जैसे कई पर्व होते हैं जिसमें हजारों की संख्या में लोग झांकी लेकर सड़कों पर उतरे रहते हैं, त्योहारों को शांति व सोहार्द के बीच मने इसके लिए पुलिस प्रशासन तो लगी ही रहती है, लेकिन इसमें अहम भूमिका शांति समिति सदस्यों की भी रहती है। जिला के शांति समिति के लोगों को प्रशासन द्वारा पर्व त्यौहार में अपना योगदान देने की बात करते हैं, और उन्हें आदर पूर्वक बुलाया भी जाता है, और उनकी बातों को सुना भी जाता है। वही अगर शांति समिति के लोग अपने किसी भी व्यक्तिगत कार्य को लेकर जाते हैं, या फिर समाज की बातों को लेकर जाते हैं, तो पुलिस प्रशासन उसे अनसुना कर अनदेखा कर देती है। इस बात से शांति समिति के लोगों में काफी रोस है, इसी बात को लेकर ततारपुर क्षेत्र के काजवलीचक स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान में परिसर में शांति समिति कार्यकताओं की अहम बैठक संपन्न हुई, वही बैठक के क्रम में कई बिंदुओं पर वार्ता हुई, साथ ही प्रशासन के इस रवैया से उदासीन लोगों ने जमकर प्रशासन को कोसा कहा जब हमारी जरूरत रहती है तब प्रशासन हम लोगों की सहायता लेती है, और हम लोगों की बात अगर प्रशासन को कही जाती है तो वह नहीं मानते यह कहीं से सही नहीं है। वही बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन के द्वारा राजनीति व्यवहार किये जाने की कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस दौरान जिला शांति समिति सदस्यों के सोनू घोष, प्रकाश चंद्र गुप्ता, कमल जयसवाल, प्रो. डॉ. फारुख अली सहिय अन्य सदस्यों की मौजूदगी दर्ज रही थी।

पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जयंती पर ए मोहम्मदी जुलूस का हुआ भव्य आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जयंती के अवसर पर मस्जिदों को रंगबिरंगी रोशनी के लाइट बत्ती व फूलों से सजाया गया है। इस मौके पर सुबह से ही लोग मौलानाचक, हबीबपुर, चमेली चक, शाहजंगी सहित कई मोहल्ले से हजरत मोहम्मद साहब के जयंती को लेकर जुलूस तैयारी में जुटे हुए थे। वही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ ए मोहम्मदी जुलूस निकाल कर शहर के कई इलाके में परिभ्रमण किया। वही जुलूस के दौरान कई तरह की झांकियां भी लोगों ने निकाली और देश के तिरंगे झंडे के साथ लोग जुलूस में शामिल थे। वहीं शहरी क्षेत्र मार्ग से होकर जुलूस मौलाना चक स्थित मस्जिद प्रांगण में पहुंच कर कार्यक्रम का समापन्न किया। वही मस्जिद प्रांगण में सलाम और दुआ का कार्यक्रम भी आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुस्तक इंतजाम किए गए थे।

दो दिवसीय सम्मेलन का होगा आयोजन : अध्यक्षा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इंडियन मेनोपॉज समिति की ओर से भागलपुर में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन होना है। इस आशय को लेकर इंडिया मेनोपॉज समिति के जिलाध्यक्षा डॉ. प्रतिभा सिंह ने कहा कि ईस्ट जोन का इस साल पहला सम्मेलन भागलपुर जिले में होने जा रहा है, जो दो दिवसीय तक चलेगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के साथ साथ विदेश से भी कुछ चिकित्सा क्षेत्र के प्रख्यात महिला रोग विशेषज्ञ शिरकत करेंगे।

वही कार्यक्रम में विशेष रूप से महिलाओं के शारीरिक तौर पर होने वाली समस्या और घरेलू तौर पर होने वाले परेशानियों पर विस्तृत चर्चा के साथ साथ रोग विकारों व प्रकारों पर व्याख्यान देने के साथ साथ उनके रोग समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की होगी। कार्यक्रम के क्रम में संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा महिलाओं के बीच होने वाली शारीरिक रोग संबंधित समस्याओं के अलावा घरेलू समस्या से होने वाले रोग समस्या व उनके परेशानियों पर भी बाहर से आए विशेषज्ञ बातचीत कर जानेंगे और उन्हें समस्या समाधान व इलाज परामर्श की सलाह दी जाएगी। कार्यक्रम आयोजन को लेकर मेनोपॉज समिति की जिलाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह, मेयर डॉ. वसुंधरा लाल व डॉ. अर्चना झा सहित समिति से जुड़ी अन्य सदस्यों ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

विवेक राज बने भाजयुमो के जिला महामंत्री, बधाईयों का लगा तांता

भाजयुमो को जन-जन और गांव गांव तक पहुंचाने की जतायी प्रतिबद्धता

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । भारतीय जनता युवा मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक शहर के राजेन्द्र नगर मधुबनी स्थित भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने किया। बैठक में भाजयुमो प्रदेश द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं संगठन विस्तार कर जिला पदाधिकारियों के साथ - साथ विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों का चयन किया गया।

जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया कि संगठन के विचारधारा को आत्मसात कर विचारों के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले कार्यकताओं को संगठन की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि विवेक राज को जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है। वहीं इस मनोनयन के बाद भाजयुमो के जिला महामंत्री विवेक राज ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश संगठन ने मुझपर जिला महामंत्री के रुप में विश्वास जताया है, मेरा पूरा प्रयास रहेगा अपने दायित्व पर खड़ा उतरने का और भारतीय जनता युवा मोर्चा को गांव गांव और जन-जन तक और भी मजबूत बनाने का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जनमानस के लिए किए गए विकास कार्यों को सभी के बीच रखेंगे और 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर एक बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता को भी बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने जिला महामंत्री बनाकर उन्हें संगठन में काम करने का मौका दिया है। इस मनोनयन पर हर्ष प्रकट करते हुए भाजपा की महिला जिला उपाध्यक्ष अर्चना शाह

ने कहा कि विवेक राज एक कर्मठ और लगनशील युवा हैं। अपनी अथक प्रयास और लगनशीलता के बदौलत युवा पीढियों में उनकी काफी अच्छी पकड़ है।

वे हमेशा समाज की विभिन्न तरह की समस्याओं को लेकर संघर्ष करने में खुद को पीछे नहीं रखते हैं। उनके अंदर एक असीम ऊर्जा का संचार हमेशा बना रहता है। निश्चित तौर पर विवेक के भाजयुमो के जिला महामंत्री के रुप में मनोनयन से संगठन की मजबूती का मार्ग और ज्यादा प्रशस्त होगा और संगठन में एक अद्भुत ऊर्जा का भी संचार होगा। वहीं जिला मंत्री अनुपम झा ने कहा कि जिला महामंत्री विवेक राज एक सौम्यता और व्यवहारिक इंसान हैं। अपनी आदर्शवादी सोच के बदौलत समाज के हर वर्ग के प्रति उनकी सहानुभूति देखने को मिलती है। समाजसेवा संबंधी कार्यों की ओर उनका हमेशा एक अलग ही आकर्षण दिखता है। उन्होंने कहा कि विवेक जैसे प्रतिभावान युवा के संगठन के साथ जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलनी तय है। वहीं भाजपा नेता राजेश कुमार यादव एवं भाजपा महामंत्री अरुण कुमार पुलक ने संयुक्त रुप से कहा कि आज देश हो या फिर विदेश हर तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जयजयकार हो रहा है। यह पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व और विकासरुपी कार्यों का परिणाम है। आज जब विवेक राज जैसे प्रतिभावान युवा संगठन के जिला महामंत्री के रुप में मनोनीत हुए हैं तो उन्हें पूरा विश्वास है कि उनके द्वारा मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व और विकासरुपी कार्यों का न सिर्फ तेज गति से प्रसार होगा बल्कि संगठन को भी काफी मजबूती मिलेगी। भाजयुमो के जिला महामंत्री विवेक राज को बधाई देने वालों में पूर्णिया सदर विधायक विजय खेमका, बनमनखी विधायक कृष्ण कुमार ऋषि, कसबा पूर्व विधायक प्रदीप कुमार दास, भाजपा जिला महामंत्री संजीव सिंह, संजय कुमार मिर्धा, भाजयुमो जिला प्रभारी राकेश गुप्ता, अजीत कुमार साह, ज्ञानेंदु शेखर आदि शामिल है।

एमडीए अभियान को नेटवर्क सदस्यों का मिल रहा सार्थक सहयोग

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान जारी है। कार्यक्रम के दौरान कसबा, के.नगर, पूर्णिया पूर्व प्रखंड नेटवर्क सदस्यों की उपस्थिति में लोगों को दवा खिलाई जा रही है। वहीं दवा खाने से इनकार करने वालों को नेटवर्क सदस्य के समझाने के बाद आशा कार्यकर्ता के सहयोग से दवा खिलायी जा रही है। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में फाइलेरिया को जड़ से मिटाने में शत- प्रतिशत सफलता हासिल करने के लिए पदाधिकारियों के द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जा रहा है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों द्वारा पूरी तन्मयता से एमडीए की गोली खिलाई जा रही है। सभी स्वास्थ्यकर्मी एकजुट होकर लगे हुए हैं ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति हो। सिविल सर्जन ने बताया कि 27 सितंबर तक जिले में 12 लाख 80 हजार लोगों को एमडीए की दवाई खिलाई गई है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ आर पी मंडल ने बताया कि भारत सरकार एवं बिहार सरकार लिम्फेटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) के उन्मूलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। क्योंकि हाथीपांव एवं हाइड्रोसील फाइलेरिया के संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभाव हैं। इस तरह के व्यक्तियों को भी साल में एक बार ही भारत सरकार के गाइडलाइन के आधार पर फाइलेरियारोधी दवाओं अल्बेंडाजोल, डीईसी और आइवर मैकटिन या अल्बेंडाजोल और डीईसी का सेवन करना पर्याप्त है। विगत 20 सितंबर से जारी एमडीए अभियान के तहत आशा कार्यकताओं के साथ-साथ के नगर, कसबा एवं पूर्णिया पूर्व प्रखंड के नेटवर्क सदस्यों द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करने और दवा खाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पूर्णिया पूर्व प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने बताया कि स्थानीय प्रखंड अंतर्गत बेलौरी पंचायत के आग टोला गांव के लाभुकों ने फाइलेरियारोधी दवाओं के सेवन करने से इंकार कर दिया था, लेकिन भ्रमणशील टीम में शामिल आशा कार्यकर्ता पंचों देवी एवं आगा टोलाफाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप (पीएसजी) के सदस्य नरेश उरांव के सहयोग से लाभुकों को प्रेरित कर दवा खिलाई गई। जब तक दवा खिलाई नहीं गई तब तक नेटवर्क सदस्य नरेश उरांव, इंकार कर रहे लाभार्थियों को प्रेरित करने में जुटे रहे। दवा का सेवन कराने के दौरान वे स्थानीय लोगों की भीड़ में फाइलेरियारोधी दवाओं का लाभ एवं नहीं खाने के कारण होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते रहे।

एमडीए कार्यक्रम में कस्बा प्रखंड के बीसीएम उमेश पंडित ने बताया कि इस बार एमडीए अभियान में फाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिला है। पूर्व के दिनों में जब वो क्षेत्र में दवा खिलाने के लिए जाते थे, तब कई लोग दवा खाने से मना कर देते थे। काफी समझाने के बावजूद भी ग्रामीण दवा खाने के लिए राजी नहीं होते थे। लेकिन इस बार एमडीए अभियान में पीएसजी सदस्यों का साथ अभियान की सफलता का मुख्य कारण रहा है। जहां पर भी लोग दवा खाने में आनाकानी कर रहे थे वहां पीएसजी के सदस्यों द्वारा किसी तरह प्रेरित कर फाइलेरिया की जानकारी देने के साथ ही ग्रामीणों को दवाओं का सेवन कराया गया है।

जिले के के नगर प्रखंड के स्थानीय नेटवर्क सदस्य छोटू पासवान ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी से ग्रसित लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि जब भी मौसम में बदलाव होता, उस दौरान उनकी परेशानी काफी बढ़ जाती है। यदि, उन्हें शुरूआती दौर में ही फाइलेरिया की जानकारी होती तो शायद आज उन्हें इस परेशानियों से जूझना नहीं पड़ता। एक बार जब फाइलेरिया बीमारी के कारण हाथीपांव या हाइड्रोसील में सूजन हो जाती, तब उसका कोई मुकम्मल इलाज नहीं है। लेकिन हां, नियमित दवाओं के सेवन और साफ सफाई मात्र से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। उन्होंने लाभुकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी को फाइलेरियारोधी दवाओं का सेवन अनिवार्य रूप से करना चाहिए। ताकि माइक्रो फाइलेरिया के परिजीवी होने से उनको नष्ट किया जा सकता है।

श्रीश्री 108 जयसिंह सुरमा मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न, लोगों का जमकर किया मनोरंजन

प्रात : किरण संवाददाता

रूपौली(पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के डुमरी गांव में श्री श्री 108 जय सिंह सुरमा मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। वहीं श्री श्री 108 बाबा जयसिंह सुरमा के मेला कर्मा धर्मा के शुभ अवसर पर लगाया जाता हैं जिसमें कि मुख्य अतिथि के रूप में रूपौली विधानसभा क्षेत्र के पुर्व विधायक सह कटिहार जिला प्रभारी शंकर सिंह, कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के सरपंच शिव कुमार यादव, पंचायत समिति सदस्य जीवछ पासवान, वार्ड सदस्य विकास कुमार ने फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया और आयोजकों को इस सुंदर आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

वहीं नाव रेश को पूर्व प्रमुख प्रतिनिधित्व मिथिलेश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। साथ ही नौका दौर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाले को पुर्व प्रमुख प्रतिनिधित्व मिथिलेश सिंह, सरपंच शिव कुमार यादव एवं द्वितीय स्थान लाने वाले को पंचायत समिति सदस्य जीवछ पासवान, वार्ड सदस्य विकास कुमार, आर्मी धर्मेंद्र कुमार ने प्रोत्साहित किया गया। मेले में रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। मेले में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय टीकापट्टी थाना पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद थी। बता दे की श्री श्री 108 बाबा जयसिंह सुरमा मेला को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए स्थानीय सीओ राजेश कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी की अध्यक्षता में पुलिस पदाधिकारी और दर्जनों की संख्या में पुरुष पुलिस बल की प्रतिरक्षा में जयसिंह सुरमा मेला को संपन्न कराया गया।

यह मेला मंगलवार तथा बुधवार की रात में रंगारंग कार्यक्रम चलता रहा। मेले में रंगारंग कार्यक्रम के अलावा मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले उपलब्ध थें। बाबा जयसिंह सुरमा की मेला को लेकर प्रशासन के द्वारा हर चौक चौराहे पर पुलिस के टीम मुस्तैद रही। यह मेला इस बार 26 एवं 27 सितम्बर तक चला, जिसमें शासन-प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहा। साथ ही मेले को सकुशल सम्पन्न कराने में कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत के सरपंच शिव कुमार यादव, राष्ट्रीय सहारा पत्रकार पांडु कुमार, उपमुखिया पिंकी देवी, गोड़ियर पट्टी श्रीमाता पंचायत के उपमुखिया सह वार्ड सदस्य संघ जिलाध्यक्ष सुमन कुमार, सोनू सिंह, पैक्स अध्यक्ष कैलाश भारती, मेला कमिटी अध्यक्ष दिनेश कुमार चौधरी, सचिव अरविंद सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू यादव उर्फ अरुण कुमार यादव, सिकेन्द्र सिंह, शिक्षक निरंजन कुमार यादव, उपमुखिया प्रतिनिधि विनोद कुमार यादव, बासुकी यादव, अजय कुमार सिंह, पूर्व उपसरपंच परमानंद ठाकुर, आदि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का विशेष योगदान रहा।

उच्च न्यायालय के अधिवक्ता के निधन पर शोक संवेदनाओं का लगा तांता

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं जेपी आंदोलन के प्रमुख सेनानी राजीव राय का निधन पटना में ब्रेन हेमरेज के कारण हो गया है। उनके निधन पर अधिवक्ता विचार मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक ने शोक व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने उनके साथ बिताए गए क्षणों को याद करते हुए कहा वे कि वे मार्क्सवादी विचारधारा से काफी प्रभावित थे। जबकि मैं जनसंघ से जुड़ा हुआ था, उच्च न्यायालय के एक जज के पास मुझे मिलाने ले गए और उनके समक्ष मेरी प्रशंसा के पूल बांधने लगे। इसी क्रम में राजीव राय के मुख से यह निकल गया कि दीपक जी जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं, तथा इन्हें मैं अपना गुरुदेव मानता हूं। जज साहब ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा की ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है। श्री दीपक ने बताया की 1974 जेपी आंदोलन के समय पूर्णिया के भ्रष्ट जिला पदाधिकारी बी.के सिंह को पुलिस लाइन में झंडा नहीं फहराने देने का निश्चय छात्र संघर्ष समिति द्वारा किया गया था। जिसकी रूपरेखा जेल में उसे वक्त बंद साहित्यकार और आंदोलन के अग्रणी नेता फणीश्वर नाथ रेणु ने तैयार की गई थी। उन्होंने दीपक एवं बाल गोपाल प्रसाद ज्ञानंद राय को यह कह कर इजाजत नहीं दिए कि तुम लोगों को जिला का एक-एक पदाधिकारी पहचानता है, इसलिए नए युवक पर झंडा फहराने का दायित्व दो। राजीव भारती आंदोलन में नए-नए आए थे उन पर झंडा फहराने का दायित्व इन्हें सौंपा गया था। इसके साथ ही एक अन्य नवयुवक नरेंद्र चौधरी को भी इनके साथ लगाया गया था। राजीव राय ने निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन कर दिया और पकड़े गए उनके साथ-साथ साथ अन्य लोगों को भी मीशा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया। लगभग ढाई महीने के पश्चात हम सभी जेल से बाहर निकले थे।

जदयू नेताओं के द्वारा निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी, शांति व समृद्धि की किया दुआ

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ धमदाहा । धमदाहा अनुमंडल मुख्यालय में कुकरौन अमारी में शानदार जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। लोकप्रिय समाजसेवी व प्रदेश उपाध्यक्ष जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ बिहार मो वसीम कमाली एवं जानेमाने शिक्षाविद् मौलाना प्रो मो शब्बीर आलम के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। जुलूस ए मोहम्मदी के साथ अनुमंडल पदाधिकारी धमदाहा राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धमदाहा संदीप गोल्डी, थाना अध्यक्ष कुमार अभिनभव, अपर थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार, धमदाहा सर्किल इनिस्पेक्टर मेराज हुसैन, प्रखंड विकास पदाधिकारी धमदाहा प्रकाश कुमार, अंचल पदाधिकारी धमदाहा रवि प्रकाश पासवान, प्रखंड राजस्व पदाधिकारी धमदाहा कमलाकान्त सिंह साथ चल रहें थे। खनुआ गांव से मुखिया पति साजिद अंजुम, हाफिज मो सादिक हुसैन, खनुआ मस्जिद के इमाम हाफिज वली मोहम्

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय कुंवर सेना की एक आपात बैठक

आरा। राजद के वरिष्ठ नेता एवम राज्य सभा सांसद मनोज झा जी द्वारा दिए गए ब्यान किसी जाती विशेष को अपमानित करना एवम ठेस पहुंचाना नहीं है। कुछ नेताओं द्वारा उन्मादी ब्यान देकर समाज को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। सांसद मनोज झा द्वारा दिए गए राज्य सभा में ठाकुर जी के संबंध में दिए गए ब्यान को समाज को गलत ढंग दिग्भर्मित कर समाजिक उन्माद पैदा कर रहे हैं जो समाजाहित में नही है। सांसद मनोज झा ने कहा कि ठाकुर जी हम सभी में विराजमान है, जो ईश्वर का रूप है। क्षत्रिय समाज सामानित एवं बुद्धिजीवी समाज है, जो ब्यान बहादुरों से निवेदन है कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के ब्यान से परहेज करें। क्षत्रिय समाज को दिग्भर्मित करने की आवश्यकता नहीं है समाज के लोग सब समझ रहे है। मनोज झा ने कवि द्वारा लिखित कविता को राज्य सभा सिर्फ पढ़ने का काम किया है जो किसी जाती विशेष को अमर्यादित एवम अपमानित नही है।

सुपरिटेंडेंट ने किया निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला को देखते हुए प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेलवे अनुमंडल अस्पताल, गया द्वारा अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ संदीप कुमार ने फीता काटकर निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर रेलवे अनुमंडल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट संदीप कुमार ने बताया कि तीर्थ यात्रियों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया साथ ही जांच के उपरांत उन्हें निशुल्क दवाइयां भी दी जाएगी। इस मौके पर रेलवे अनुमंडल अस्पताल के सुपरीटेंडेंट संदीप कुमार, डॉविकास कुमार, फार्मासिस्ट गणेश रजक, नर्स नर्मदा खंडेल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फरार युवती को पुलिस ने किया बरामद कोर्ट में कराया गया पेश

शेरघाटी।अपने प्रेमी के संग फरार युवती को पुलिस ने शुक्रवार को बरामद कर लिया।हालांकि प्रेमी युवक अभी पुलिस के गिरफ्त से दूर है।युवती को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष 164 का बयान दर्ज करवाया।सब इंस्पेक्टर शिवानी कुमारी ने बताया कि न्यायालय के समक्ष युवती ने अपने प्रेमी के घर जान को कहा जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर युवती को उसके प्रेमी के घर (ससुराल) बाराचट्टी भेज दिया गया।बता दें कि थाना क्षेत्र के पत्थल कट्टी गांव से मार्च महीने में युवती बाराचट्टी के रहने वाले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी।घटना के बाद परिजनों ने युवती के गायब हो जाने की शिकायत स्थानीय थाने में किया था।इसके बाद पुलिस उसे तलाश कर रही थी।

पुलिस ने 15 वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अरवल।जिले के अलग-अलग थाने से पुलिस ने विशेष अभियान चला कर 15 वारंटी को गिरफ्तार किया नगर थाने की पुलिस ने दूधेश्वर प्यारेचक बिंदा साव बलिदाद अशोक यादव तेजपुर भीम मांझी मानिकपुर कुटुन बिंद छतोई दीपक मांझी बाला बाजार रईस पासवान बबन बीघा चंदन कुमार मोगलापुर अशोक कुमार तितरा मधु कुमार सुखी बीघा नटवर मांझी जुनाठी जितेंद्र मांझी आजाद बीघा और जितेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है इन सभी आरोपियों पर कई महीने से माननीय न्यायालय में वारंट निर्गत किया गया था और अपने केस में फरार थे गुप्त सूचना के आधार पर कई थाने की पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया है।

अलविदा हरित क्रांति के महानायक डॉक्टर एम एस स्वामीनाथन

पटना।98 वर्ष की आयु में आज महान कृषि वैज्ञानिक डॉ एम एस स्वामीनाथन चेन्नई में अपनी अंतिम सांसें ली। हम लोगों को मर्माहत कर चुपचाप सदा के लिए अलविदा हो गए। उन्हें शत-शत नमन! देश में कृषि के विकास की बात बहुत हो रही थी।मगर किसानों के विकास की कोई चर्चा नहीं थी।कृषि का विकास तो हुआ मगर किसानो की दशा बद से बदतर होती चली जा रही है।पहली बार डॉ एम एस स्वामीनाथन की अध्यक्षता में कमीशन बनी। किसानों की बदहाल जिंदगी में खुशहाली कैसे हो? इस पर विचार करने हेतु स्वामीनाथन कमीशन ने अपने 2 वर्षो के अथक परिश्रम कर तीन खंडों मे 2351 पृष्ठो का एक रिपोर्ट तैयार किया और अपना अनुशंसा सरकार को समर्पित किया। जिसमें कई किसान पक्षी बेहतर सुझाव भी दिए गए। जो आज तक लागू नहीं हुआ।उनका एक बहुमूल्य सुझाव किसानो को फसल की कीमत के संबंध में सभी कृषि पैदावार का सी-2 के आधार पर लागत का डेढ़ गुना दाम की मांग आज भी किसानों के बीच सबसे चर्चित सवाल है और उसके लिए देश मे बड़े-बड़े ऐतिहासिक आंदोलन हो रहे हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव अपने रिर्पोट मे दिया है। सत्ता में आने से पहले नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने भी देश के किसानों से वादा किया था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम स्वामीनाथन कमीशन को लागू करेंगे।

लाखों नामी और करोड़ों बेनामी लोगों के कुर्बानी से स्वतंत्रता मिली है : जिलाधिकारी

कवि कैलाश के कुबार्नी से युआ पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव

प्रात : किरण संवाददाता

आरा।अमर शहीद कवि कैलाश स्मृति संस्थान भोजपुर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भोजपुर समाहरणालय परिसर स्मारक स्थल पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी श्री राजकुमार, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार यादव,विशिष्ट अतिथि डीसीसी विक्रम वीरकर, मुख्य संरक्षक श्री बी सिंह, श्री संजय कुमार निर्देशक हेल्थ सोसायटी बिहार सरकार के प्रतिनिधि के रूप में सिविल सर्जन डा सुरेश प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाई परमेश्वर और संचालन प्रो रणविजय कुमार ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम अमर शहीद का कवि कैलाशपति सिंह के फोटोग्राफ्स पर माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सम्मानित सदस्य सभागार में उपस्थित हुए ।कार्यक्रम का संचालन प्रो विजय कुमार ने किया। सभी अतिथियों को बुके साल देकर सम्मानित किया गया। स्वागत गीत छात्राओ से हुआ। मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए जिलाधिकारी श्री राजकुमार ने कहा की कवि कैलाशपति सिंह जी जिस जज्बे को,जिस भावना को लेकर गांव से चलकर आर कलेक्टरेट तक आए और तिरंगा को लहराते हुए अपनी शहादत दी।

वह जानते थे कि अंग्रेजी हुकूमत मुझे मार डाले लेकिन जो उनका संकल्प था उसे हर हालत में पूरा करना चाहते थे। यही कारण था कि क्रूर यातनाओं के बाद भारत माता की जय अंग्रेजों भारत छोड़ो महात्मा गांधी की जय अंतिम सांस तक नारा लगाते रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में लाखों नामी और करोड़ बेनामी लोग आंदोलन में लग रहे। तब जाकर हमें आजादी मिली। आज हम उन्हें कुर्बानियों के बदौलत जिलाधिकारी बने हैं।समस्या भी है लोगों की अपेक्षा भी रहती है। कार्य की अधिकता है लेकिन हम सभी मिलकर पूरा करेंगें। जो कुछ नाम छूट गया है, और कवि कैलाश की जीवन वृत्त को भी प्रकाशित करने के लिए वचनबद्ध हूं।यह सब करके जाऊंगा ताकि लोग मेरे कर्मों को सदा याद रखें। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि कभी कैलाशपति सिंह जी की कुबार्नी से युवा पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है।

स्वागत भाषण करते हुए अध्यक्ष भाई परमेश्वर ने कभी जी से संबंधित पूरी जानकारी प्रशासन एवं उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों को दी। और कहां की ऐसे जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में कवि कैलाश को उचित ऐतिहासिक स्थान और सम्मान देने का कार्य करेंगे। वही बी सिंह ने तमाम पदाधिकारी से लेकर गणमान्य अतिथियों का गर्म जोशी से स्वागत करते हुए कहा कि यह सब कवि जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है कि लोग एक आवाज पर उनके कार्यक्रमों में दिनभर बैठकर अतिथियों के विचारों से अवगत होते रहे मैं सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। अन्य सुधा सुमन अर्पित करने वालों में डॉ भीम सिंह भावेश पत्रकार शैलेंद्र जी डॉक्टर अर्चना सिंह डॉक्टर आदित्य विजय जैन प्रसाद प्रोफेसर आप राय किरण कुमारी बद्री विशाल जी अजीत कुमार सिंह अधिवक्ता अरुणेश जी डॉक्टर कुमार जितेंद्र डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिंहा मृत्युंजय भारद्वाज साहित्य लोग उपस्थित रहे।

भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद यादव के अध्यक्षता में किया गया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। उदवंतनगर प्रखंड के खलिसा में अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद यादव के अध्यक्षता में बैठक हुआ संचालन चन्दन पासवान ने किया।बैठक में दिनांक30सितम्बर2023कोमौजूदा महिला आरक्षण विधेयक के विरोध श्री कृष्ण चेतना समिति सभागार में आयोजित बैठक में शामिल होने के निर्णय लिया गया।बैठक के मुख्य अतिथि यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी पिछड़ा वर्ग के जन्म लेकर पिछड़ा अनुसूचित जाति के लोगो को हक मारी कर रहे हैं।नरेंद मोदीने जो विगत दिनों33प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया है उसमें पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के महिलाओं को आरक्षण नही दिए है इसके लिए आरक्षण संघर्ष समिति आंदोलन के लिए जागरूकता अभियान चलाएगा।बैठक के अंत में हरित क्रांति के जनक प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एएम एस स्वामीनाथन के मृत्यु पर उनकी आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

बैठक में उपस्थित लोगों में अवधेश यादव जितेंद राम रंजन यादव सुनील यादव पप्पू पंडित चचैन कुमार राम राजू यादव २४१ल्लि१ राम परमा नन्द राम हरेराम पंडित अवधेश यादव झलक यादव अजय राम सुदर्शन यादव सतेंद्र यादव ननक मुसहर रबिन्द्र रजक मोहन सिंह रामेश्वर यादव संतोष पाल राघवेंद्र यादव सुमेश्वर बैठा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

लोगों को फाइलेरिया के प्रति जानकारी देंगे खुद फाइलेरिया के मरीज, बढ़ेगी जागरूकता

प्रात : किरण संवाददाता

आरा(भोजपुर) जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जो आगामी छह अगस्त तक जिले के सभी प्रखंडों में संचालित किया जाएगा। इस क्रम में देखा गया है कि जानकारी के अभाव में लोग कई बार दवाओं का सेवन करने से मना करते हैं।

ऐसे में रिफ्यूजल के मामलों को कम करने के लिए फाइलेरिया मरीजों की सहायता ली जाएगी। इसके लिए शुक्रवार को जिले के बिहिया प्रखंड अंतर्गत दोघरा पंचायत स्थित तेघरा गांव में फाइलेरिया पेशेंट प्लेटफॉर्म का गठन किया गया। जिसमें गांव के दर्जन भर फाइलेरिया मरीजों को पेशेंट प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में बैठक के दौरान फाइलेरिया मरीजों को पेशेंट प्लेटफॉर्म की जानकारी, उद्देश और महत्ता की जानकारी दी गई। बैठक में पिरामल इंडिया के प्रखंड समन्वयक रत्नेश कुमार ने बताया कि पेशेंट प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करते हुए एमडीए को सफल बनाना है। इसके लिए आशा कार्यकताओं या ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (डीए) टीम के साथ जाकर फाइलेरिया मरीज लोगों को जागरूक करेंगे। जिससे वो एमडीए व फाइलेरिया रोधी दवाओं की महत्ता को समझे और बिना आनाकानी के दवाओं का सेवन करें।

लोगों को दवाओं की अहमियत को समझाएं पेशेंट प्लेटफॉर्म के सदस्य : रत्नेश कुमार ने फाइलेरिया मरीजों को बताया कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जिसका समय पर इलाज नहीं होने से मरीज दिव्यांग हो सकता है। जिसके बाद मरीज को चलने और घुमने के साथ दैनिक क्रियाओं में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। जिससे आप अपने गांव को फाइलेरिया से मुक्त बना सकें। इसके लिए जरूरी है कि पेशेंट प्लेटफॉर्म के सदस्य अपने परिजनों, आसपास और मोहल्ले के लोगों को एमडीए के दौरान दवाओं का सेवन करने के लिए जागरूक और प्रेरित करें। वहीं, आशा कार्यकताएं और डीए टीम भी लोगों को फाइलेरिया के दुष्प्रभाव को समझाने के लिए प्लेटफॉर्म के सदस्यों का सहयोग ले सकते हैं।

पंचायत समिति का मिलेगा भरपुर सहयोग: बैठक के दौरान पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है।

जिसमें पंचायत समिति का भरपुर सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि एमडीए के दौरान डीए टीम को यदि किसी प्रकार की बाधा का सामना करना पड़े तो तत्काल समिति के सदस्यों से संपर्क करें। जिसके बाद बाधा को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, लोगों को मच्छरों से बचाव को लेकर जागरूक भी किया जाएगा। ताकि, लोगों को मच्छरों के प्रकोप से बचाया जा सके। मौके पर आशा फैसिलिटेटर गुड़िया कुंअर, आशा कार्यकर्ता मीणा देवर, वीटी किरण देवी समेत गांव के फाइलेरिया मरीज उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने किया अपने पूर्वजों का पिंडदान, गार्ड आफ आनर दिया गया

गया।देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर बिहार के गया पहुंचे. उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थी. करीब सुबह नौ बजे गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. गया एयरपोर्ट पर महामहिम राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनका स्वागत किया गया है उपराष्ट्रपति का गया और नालंदा में कार्यक्रम निर्धारित है. पितृपक्ष मेला के दौरान उप राष्ट्रपति ने गया में अपने पूर्वजों की मोक्ष प्राप्ति के लिए पिंडदान किया है अपने पण्डा द्वारा।इसके बाद उन्होंने विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा अर्चना भी की।गया में पिंडदान श्राद्ध के बाद उनका नालंदा विश्वविद्यालय के भ्रमण का भी कार्यक्रम है। उपराष्ट्रति के दौरे को लेकर गया और नालंदा मे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं।

अतिथि देवो भव: के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने निशुल्क चाय सेवा का किया शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

गया। भारतीय जनता पार्टी गया जिला के द्वारा देश विदेश से आए हुए पिंडनियो को गया जंक्शन परिसर में निःशुल्क चाय एवं पानी का शिविर लगाया गया है। जिसका शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधान पार्षद कृष्ण कुमार सिंह के द्वारा किया गया है।इस शिविर के शुभारंभ के बाद कृष्ण कुमार सिंह ने इस शिविर को लगाने के लिए भाजपा परिवार को धन्यवाद दिया अतिथि देवो भवः के तहत सेवा करना महान कार्य है भाजपा के सभी लोग इस शिविर में अपना सहयोग कर तीर्थयात्रियों को सेवा दे।इस अवसर पर भाजपा नेता मनीष पंकज उर्फ मनीष मिश्रा ने कहा कि मुझे अपार खुशी हो रहा है कि शिविर में आए हुए पिंडनियों का अतिथि देवो भवः के तहत चाय एवं पानी पिलाकर सेवा करने का अवसर प्रदान होगा।आज के शिविर का शुभारंभ में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, युगेश कुमार, धीरज रौनीयार,जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर के अलावे अन्य लोग शमील रहे।

थाईलैंड व श्रीलंका मे आयोजित सेस्टोबॉल भारत की प्रतिनिधित्व करेगी:अनन्या कुमारी

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। थाईलैंड और श्रीलंका में आयोजित होने वाली सेस्टोबॉल अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के बारे में जानकारी सेस्टोबॉल संगठन के ,सचिव एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल शारीरिक शिक्षक अविनाश कुमार, रोशन कुमार ने बताया कि 6 नवंबर से 11 नवंबर तक आयोजित होगी जिसमें अरवल जिले की अनन्या कुमारी भारत की तरफ से प्रतिनिधित्व करेगी वहीं स्थानीय विधायक महानंद सिंह ने अनन्या कुमारी को भारतीय टीम में चयनित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं और स्थानीय विधायक महान सिंह ने बताया कि हमारे छोटे से जिले से निकलकर आज अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अरवल जिला का मान सम्मान पूरे हिंदुस्तान में बढ़ाने के काम किए हैं मैं अपने तरफ से मैं उनको माता-पिता को जितना प्रशंसा करूंगा उतना ही मेरे लिए काम होगा अरवल जिले की बेटी चाहे पढ़ाई के क्षेत्र हो या खेल का क्षेत्र हो अरवल जिले के खिलाड़ी पूरे विश्व लेवल पर अरवल जिला का मान सम्मान बढ़ा रहे हैं जिस तरीका से अनन्या कुमारी भारतीय टीम में चयनित हुई है मुझे और खुशी होगी कि भारत के लिए गोल्ड मेडल लेकर आए।

मैं अरवल की तरफ से सेस्टोबॉल संगठन के महासचिव अखिलेश कुमार मणि को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं की अरवल जैसे छोटे से जिले में अरवल की अनन्या कुमारी को भारतीय टीम में चयनित हुई है मैं बिहार के तमाम पदाधिकारी को मेरे तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।सेस्टोबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने अनन्या कुमारी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं और उन्होंने बताया कि आज मुझे इतनी खुशी हो रही है कि जिस खेल के अध्यक्ष हैं उस जिले के खिलाड़ी जिले की लड़का लड़की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के लिए मेडल भी लेकर आए हैं और अनन्या कुमारी भारत के लिए जो 6 नवंबर से 11 नवंबर तक आयोजित होने वाली थाईलैंड और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगा उसमें अनन्या कुमारी भारत के तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे इसके लिए मैं जितना प्रशंसा करूंगा उतना ही मेरे लिए काम होगा

डीएम ने नाव पर बैठकर विभिन्न घाटों व पितृपक्ष मेला का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष मेला का गया के जिलाधिकारी डॉक्टर त्यागराजन एसएम और उपविकास आयुक्त ने सुबह सुबह ही नाव के माध्यम से विष्णुपद मंदिर, शमशान घाट, देव घाट, गजाधर घाट, गया जी डैम सहित अन्य घाटों पर जाकर भीड़ का जायजा लिए है। इस दौरान जिलाधिकारी ने पिंडदान कर रहे तीर्थ यात्रियों से व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त किया है।

पिंडदान करने आए पिंडदानियो ने बताया कि पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष काफी अच्छा व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा की गई है।इस बार रबर डैम को देखने के बाद ही कुछ अलग ही गयाजी में नजारा देखने को मिला है।

इसके बारे और जानकारी जिलाधिकारी डॉक्टर त्यागराजन एसएम ने बताया कि पितृपक्ष मेला में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से भी तीर्थ यात्री श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने के लिए गयाजी आते हैं। पितृपक्ष मेला के महत्ता को देखते हुए बिहार सरकार और जिला प्रशासन के द्वारा व्यापक तैयारी की गई है।पिछले साल जो पिंडदानी आते थे उन्हें पानी की असुविधा होती थी लेकिन जब से रबर डैम बना है तब बिना किसी कठिनाई का घाट पर तीर्थ यात्री पिंडदान कर नदी में तर्पण कर रहे है।

विद्यालय के छात्रों द्वारा निकाला प्रभात फेरी

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।शहर के जवाहर नवोदय विद्यालय शेरघाटी गया -2 के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस के सिंहा के निर्देशन में प्रभात फेरी निकल गई। यह प्रभात फेरी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत किया गया। बच्चों के द्वारा यह प्रभात फेरी विद्यालय प्रांगण से लेकर जेपी चौक तक गया इसके बाद जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा में पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई, एवं देश के आजादी के लिए उनके दिए गए बलिदान के लिए उन्हें नमन किया गया। साथ ही साथ प्राचार्य डॉ एसके सिंह ने बताया कि कार्यक्रम भारत सरकार के द्वारा मेरी माटी मेरा देश के मुहिम के अंतर्गत की गई है, जिसमें विद्यालय में छात्र-छात्राओं के गांव एवं क्षेत्र से मिट्टी लाकर यहां इकट्ठा कर उनसे मिट्टी के दो अमृत कलश बनाने हैं। जिसमें से एक अमृत कलश विद्यालय में रखा जाएगा एवं दूसरा जिला प्रशासन गया को सौंपा जाएगा ताकि वह जो विभिन्न गांव से लाई हुई मिट्टी को मिलाकर जो या अमृत कलश बनाया गया है। उसकी यात्रा प्रारंभ हो सके इस कार्यक्रम के द्वारा देशवासियों को संदेश दिया जा रहा है, कि अपनी मिट्टी और अपने देश के लोगों से जुड़े और यह जो अमृत कल है,इसमें अपने आपको सुदृढ़ कर 2047 तक आत्मनिर्भर भारत एवं एक विकसित भारत का निर्माण करें।उन्होंने कहा कि इसके लिए अभिभावक व बच्चे हमारे विद्यालय में शिक्षारत हैं, वह जब भी विद्यालय आए इन 10 दिनों में तो वह अपने गांव एवं अपने क्षेत्र से थोड़ी सी मिट्टी लाकर विद्यालय में लेकर कर आये।और पात्र में जमा करें ताकि वह उसे मिट्टी को एकत्रित कर अमृत कलश का निर्माण किया जा सके। इस कार्यक्रम के आयोजक नेहा कुमारी चौधरी, मोनिका सिंह ,आरबी सिंह, एन के मिश्रा,एमके मिश्रा, रंजन कुमार, ओम प्रकाश सिंह, मनीषा देवी, एवं विधालय के अन्य शिक्षक भी शामिल रहे।

घेघटा में हुआ महफिले-मिलाद का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रखण्ड अंतर्गत घेघटा गांव में जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर मुसलमान समाज के द्वारा वहाँ के नौजवान कमिटी के साथियों ने महफिले-मिलाद का आयोजन किया।जिसमें सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुवे। मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया कि ईद मिलाद-उन-नबी एक विशेष महत्व रखता है।जिसमें घेघटा स्तिथ मस्जिद के इमाम साहब व मौलाना अबुल कलाम आजाद मदरसा इस्लामियां के उलमा-ए-कराम ने बताया कि ईद-ए-मिलाद का यह जन्म उत्सव पैगम्बर मोहम्मद साहब के जीवन और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को याद दिलाता है। साथ ही यह भी बताया कि इस्लामी संवत का तीसरा महीना यानी रबी-उल-अव्वल का महीना मुस्लिम समाज के लिए विशेष महत्व का महीना है, क्योंकि इसी महीने में इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था।जो मानव इतिहास में सबसे आदर्श इंसान माने जाते हैं।गौरतलब है कि अमेरिकी इतिहासकार डॉ माइकल एच हार्ट 1978 में प्रकाशित अपनी किताब 'दुनिया के इतिहास में 100 सबसे प्रभावशाली लोग' में लिखा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब (स.अ.व.) से ज्यादा प्रभावशाली व्यक्ति इस संसार में कोई हुआ ही नहीं। पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) इस्लामी दुनिया में दुनिया के मार्गदर्शक और ब्रह्मांड के निर्माण की वजह माने जाते है।खुदा ने इसी मुबारक महीने में हजरत मोहम्मद साहब को दुनिया को जाहिलियत के अंधेरे से बाहर निकालने के लिए भेजा था।पवित्र नबी (स.अ.व.) पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श बनकर आए, हर क्षेत्र में उनके पास ऐसी पूर्णता थी कि उनके जैसा कोई नहीं था और ना ही भविष्य में उनके जैसा कोई होगा।इस महिफले-मिलाद में उल्माए-कराम के द्वारा नात-ए-कलाम और नबी के नक्शे कदम पर चलने के बारे में तकरीर किया।जिसमें उपस्तिथ मस्जिद के इमाम मो. जुगनू साहब, मौलाना अबुल कलाम आजाद मदरसा इस्लामियां के हाफिज मो. तौकीर रजा, हाफिज तहसिर रजा, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इकबाल साहब, मो. ईशा, मो. मुस्तफा,समीर राज, मो. जावेद आलम, मो. शिब्बू, मो. दस्तगीर, मो. शाहरुख आदि थें।

एक अक्टूबर को जिले के प्रत्येक गंगा घाटों पर किया जाएगा स्वच्छता श्रमदान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला जल स्वच्छता समिति के कार्यालय 1 अक्तूबर को सुबह 10 बजे एक साथ 1 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करे कार्यक्रम को लेकर बैठक किया गया हैं। इस बैठक के की अध्यक्षता रंजन बैठा जिला जल एवम स्वच्छता के समन्वयक ने किया।मौके रोशन कुमार उइठकउ भोजपुर ,अमित कुमार सिंह जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति भोजपुर , और कई प्रखंड के प्रखंड समन्वयक स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे । स्मान्यक रंजन बैठने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरे भारत में यह कार्यक्रम एक अक्टूबर को 10:00 बजे 1 घंटे के लिए जन सहभागिता के साथ श्रमदान कार्यक्रम सुनिश्चित करना है। इसको लेकर जिले में और जिले के प्रत्येक प्रखंड में तैयारी पूरी कर ली गई हैं। ताकि इस कार्यक्रम को वृहद और सफल बनाने के लिए उप विकास आयुक्त भोजपुरी के द्वारा सभी सहयोगी संस्थाएं और कार्यालय को पत्राचार कर दिया गया है जिसमें युवा और स्वयंसेवक से जुड़े संस्था राष्ट्रीय सेवा योजना,राष्ट्रीय कैडेट कोर , नेहरू केंद्र और जीविका का दीदी का की सहभागिता महत्वपुण हैं । ओहि जिला परियोजना अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यह एक राष्ट्र व्यापी कार्यक्रम में जो पूरे भारतवर्ष में चलाया जा रहा है और इस कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा किनारे के प्रत्येक घाटों पर स्वच्छता पर्यवेक्षक और गंगा ग्राम के लोगों के द्वारा एक घंटा श्रमदान का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। साथी साथ इस कार्यक्रम में आमजन की सहभागिता अधिक से अधिक हो इसके लेकर एक अपील भी हैं की जिले के प्रत्येक व्यक्ति इस कार्यक्रम में सार्वजनिक स्थल,धार्मिक स्थल और सरकारी भवन की सफाई करे और 1 घंटे श्रमदान सहभागिता सुनिश्चित करे ।

कृषि लागत में C2+50 प्रतिशत पर देशव्यापी आन्दोलन ही डॉ स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि : उमेश सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय किसान महासभा (AIKM) के बिहार राज्य सचिव उमेश सिंह ने कहा कि हम भारत में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले कृषि वैज्ञानिक डॉ स्वामीनाथन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते है. एक कृषि वैज्ञानिक के रूप में उनके नेतृत्व में सन 2004 में बने भारत के कृषि आयोग द्वारा कृषि लागत में C2 + 50 % जोड़कर किसानों की आय बढाने की सिफारिश करना उनका सबसे बड़ा योगदान है. यही कारण है कि बढ़ते कृषि संकट के दौर में आज भारत के किसानों की यह मुख्य मांग बन गयी है. यह सर्वविदित है कि 2014 में सत्ता में आने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के तहत एमएसपी देने का वायदा किया था. मगर साढ़े नौ वर्षों के शासन के बाद भी मोदी सरकार ने देश के किसानों से किया अपना वायदा पूरा नहीं किया है. इस लिए कृषि लागत में C2+50% जोड़ कर एमएसपी के लिए राष्ट्रव्यापी आन्दोलन तेज करना ही देश के किसानों की ओर से डॉ स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यह भी याद रखना चाहिए कि सत्तर के दशक में अन्न के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डॉ स्वामीनाथन के नेतृत्व में जिस हरित क्रांति की नींव डाली गयी थी, उसने भारत की खेती में वित्तीय और कारपोरेट पूंजी की घुसपैठ को तेज किया. धीरे-धीरे भारत की खेती-किसानी इस वित्तीय पूंजी और कारपोरेट पूंजी के जाल में फंस गई. भारत में आज का गंभीर कृषि संकट और खेती, अन्न के भंडारण व खुदरा बाजार पर कारपोरेट कम्पनियों के एकाधिकार के प्रयास की जमीन यहीं से तैयार हुई. हालंकि हरित क्रांति से भारतीय ग्रामीण जीवन में पड़े सामाजिक व आर्थिक दुष्प्रभावों का कुछ आकलन सन 2006 में जारी स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में भी दिखाई देता है।

तेल के दाम में आया तेज उबाल, 10 प्रतिशत तक चढ़ गए ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑयल प्रॉडक्शन और एक्सप्लोरेशन के कारोबार से जुड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को तगड़ा उछाल आया है। कंपनियों के शेयर गुरुवार को 10 पर्सेंट तक चढ़ गए हैं। कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें एक साल से ज्यादा के हाई पर पहुंचने की वजह से इन कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल आया है। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट फ्यूचर्स के दाम गुरुवार को 95.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। यह अगस्त 2022 के बाद ऑयल का हाइएस्ट लेवल है।

10 प्रतिशत चढ़े हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयर: हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयर गुरुवार को 10 पर्सेंट की तेजी के साथ 170.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 155.25 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 258 रुपये है। वहीं, हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 115.90 रुपये है। स्मॉलकैप कंपनी का मार्केट कैप 2258 करोड़ रुपये है।

ऑयल इंडिया के शेयरों में 6 प्रतिशत की तेजी: सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया के शेयरों में भी तेज उछाल आया है। कंपनी के शेयर 6 पर्सेंट की तेजी के साथ गुरुवार को 305 रुपये पर पहुंच गए हैं। ऑयल इंडिया के शेयर बुधवार को 287.70 रुपये पर बंद हुए थे। ऑयल इंडिया के शेयरों ने गुरुवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 168.30 रुपये है। ऑयल इंडिया का मार्केट कैप 31715 करोड़ रुपये के करीब है।

भारत को 30 फीसदी महंगा कच्चा तेल बेच रहा है रूस

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रूस भारत को महंगा तेल बेच रहा है। इस समय यह पश्चिमी देशों को 60 डॉलर प्रति बैरल पर बेच रहा है जबकि भारत को 30 प्रतिशत महंगे यानी 80 डॉलर प्रति बैरल पर बेच रहा है। कारोबारियों के मुताबिक, वैश्विक तेल बाजार में आपूर्ति कम होने व कीमतें बढ़ने से रूस निर्यात का फायदा उठा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक, यही स्थिति रही तो देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। यह लंबे समय से स्थिर बनी हुई हैं। जब भारत सस्ते में रूस से तेल खरीद रहा था, तब भी खुदरा बाजारों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 100 रुपये के आस-पास थीं, और अब जब कच्चा तेल महंगा हो गया है, तब भी यह उसी भाव पर स्थिर है।

कार्गो की लोडिंग 80 डॉलर प्रति बैरल पर: कारोबारियों का कहना है कि अक्तूबर की जो तेल की इस समय कार्गो लोडिंग हो रही है, वह 80 डॉलर प्रति बैरल पर हो रही है। रूस में कच्चे तेल का भंडार कम हो गया है। उत्पादन में भी कटौती की गई है। सूत्रों के मुताबिक, कटौती से भारतीय बंदरगाहों पर यूराल के लिए छूट कम होकर 4-5 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

एलोफ्रूट जूस बनाएगी एफएमसीजी दिग्गज इमामी, आयुर्वेद कंपनी के साथ की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड ने एक्सिओम आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। अधिग्रहण की यह प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही इमामी ने यह भी घोषणा की है कि एलोफ्रूट के साथ जूस कैटेगरी में प्रवेश करेगी। आपको बता दें कि एक्सिओम की बेवरेज है। यह डील मार्केट में इमामी की स्थिति को मजबूत करेगी। बता दें कि इमामी आने वाले वर्षों में अपने पर्सनल केयर और हेल्थ केयर व्यवसायों से अच्छी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि 2027 तक 27.9 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ बढ़ेगी। मुद्रास्फीति में नरमी के कारण इमामी अपने मार्जिन में उछाल की उम्मीद भी कर रही है। कंपनी का टारगेट मॉडर्न बिजनेस, ई-कॉमर्स और सामान्य व्यापार सहित अलग-अलग चैनलों के माध्यम से नए ब्रांड बनाने, अपने मुख्य ब्रांडों की इक्विटी को मजबूत करना है। एक्सिओम आयुर्वेद के साथ नई डील से इसकी स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है 14 नवंबर, 2019 को हरियाणा में एक्सिओम आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड हुई थी। इसकी भारतीय बाजार में उपस्थिति है। यह एक बेवरेज कंपनी है जिसमें फलों के मिश्रण के साथ एलोवेरा आदि का मिश्रण होता है। इस कंपनी के फाउंडर ऋषभ गुप्ता और अलीशा गुप्ता हैं। पिछले महीने इमामी ने जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 86.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 137.72 करोड़ रुपये पर रहा। कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 73.83 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। वहीं, तिमाही आधार पर प्रॉफिट 144.43 करोड़ रुपये से 4.6 प्रतिशत कम था। बता दें कि गुरुवार को इमामी के शेयर 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 515.00 रुपये पर बंद हुए।

आईपीओ से दोगुनी हो गई सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर की कीमत, 2021 में हुई थी लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2021 में कई ऐसे आईपीओ आए थे जिन्होंने निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही मालामाल कर दिया था। ऐसा ही एक आईपीओ सीई इंफो सिस्टम्स का था। मैपमाईइंडिया ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी सीई इंफो सिस्टम्स के शेयरों में गुरुवार को 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। गुरुवार को ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 2,108.95 रुपये पर पहुंच गई। यह आईपीओ के इश्यू प्राइस 1,033 रुपये से दोगुनी है। यह सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर में तेजी का चौथा दिन है। इस सप्ताह अब तक शेयर में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर 2021 में कंपनी की लिस्टिंग के बाद से यह स्टॉक के लिए सबसे अच्छा सप्ताह साबित हो रहा है। कंपनी के शेयरों में जो उछाल देखा गया है, उससे इसका मार्केट कैप भी पांच अंकों के क्लब में पहुंच गया है। कंपनी का मार्केट कैप बुधवार को 10,000 करोड़ रुपये को पार कर गया था और आज के कारोबारी सत्र में 11,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। 4 अगस्त को कंपनी ने जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। यह कंपनी के अब तक का सबसे अधिक तिमाही मुनाफा है। जून तिमाही में मुनाफा 32 करोड़ रुपये रहा। इस अवधि के लिए राजस्व भी साल-दर-साल लगभग 40 प्रतिशत बढ़कर 89.4 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 65 करोड़ था। बता दें कि दिसंबर 2021 में मैपमाईइंडिया की पैरेंट कंपनी सीई इन्फो सिस्टम्स शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। इससे पहले कंपनी का आईपीओ आया था। इस आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस 1,000-1,033 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

सीई इन्फो सिस्टम्स डिजिटल मैप की बड़ी कंपनी है। यह भारत में सरकारी एजेंसियों और राष्ट्रीय खाद्य भंडारण कंपनियों को भी सर्विस देती है।

घर बनाने वालों को बड़ा झटका, 1 अक्तूबर से सीमेंट मिलेगा महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप घर बनाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपको झटकना देने वाली है। दरअसल, सीमेंट कंपनियां मांग कम होने के बावजूद कार्टेल बनाकर एक बार फिर एक अक्टूबर से 15 रुपए प्रति बोरी की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। कंपनियों ने डीलरों को इसकी सूचना दे दी है। सीमेंट कंपनियों का कहना है कि उत्पादन लागत बढ़ जाने के कारण कीमत बढ़ाने जा रहे हैं। अगस्त तक 310 से 320 रुपये बोरी बिकने वाली सीमेंट की कीमत एक सितंबर को एक साथ 50 रुपये बढ़ा देने के बाद रिटेल में प्रति बोरी 360 रुपये पहुंच गई है। अब कंपनियों द्वारा एक बार फिर बढ़ोतरी से यह बाजार में रिटेल में 400 रुपये बोरी तक पहुंच जाएगी। इसका असर निर्माण कार्यों पर पड़ना निश्चित है। बता दें कि सीमेंट के उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख राज्यों में शामिल है। देश की कुल जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत सीमेंट का उत्पादन यहां होता है। यहां सीमेंट कंपनियों के 14 प्लांट संचालित हैं, जिनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 260 लाख टन है। आंध्र प्रदेश देशभर में सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक राज्य है। राजस्थान दूसरा, कर्नाटक तीसरा, मध्य प्रदेश चौथा सबसे ज्यादा सीमेंट उत्पादक राज्य है। एक अक्टूबर से दाम बढ़ सकते हैं जिस कारण निर्माण कार्यों पर असर पड़ेगा। वर्तमान में खुले बाजार में सरिया 59 हजार रुपये प्रति टन और फैक्ट्रियों में 56 हजार 500 रुपये प्रति टन बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में सरिया की कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

प्रेरक आशा : कैंसर सर्वाइवर साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए अपने गृह राज्य वापस आ गया है

भोपाल। सितंबर बचपन के कैंसर जागरूकता माह है। यह जागरूकता पैदा करने का समय है कि बहुत अधिक जीवित रहने की दर के साथ कैंसर का इलाज संभव है और यह कैंसर से लड़ने वाले बच्चों की बहादुरी और साहस का सम्मान करता है! मध्य प्रदेश के 19 वर्षीय अतुल राठौड़, जो बचपन में कैंसर से बचे थे, साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए भोपाल में 10 कैंसर से बचे लोगों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं। अतुल सिर्फ 3 साल का था जब उसे रेटिनोब्लास्टोमा (नेत्र कैंसर) का पता चला। उसकी माँ बहुत दुखी हो गई थी, लेकिन उसने उम्मीद नहीं छोड़ी। वह उसे सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों और अस्पताल में ले गईं और अतुल की कई सर्जरी और कीमोथेरेपी सत्र हुए।

1 लाख रुपये लगाने वाले 4 साल में बने करोड़पति, 19000 प्रतिशत चढ़ा मल्टीबैगर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी के शेयरों ने पिछले 4 साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर है। कंपनी के शेयर पिछले 4 साल में 19000 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर इस अवधि में 2 रुपये से बढ़कर 400 रुपये के पार पहुंच गए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों ने 4 साल में लखपति निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

1 लाख रुपये के बनाए 1.9 करोड़ रुपये : ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 13 सितंबर 2019 को 2.13 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 सितंबर 2023 को 402.20 रुपये पर बंद हुए हैं। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों ने पिछले 4 साल में 19800 पर्सेंट रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 13 सितंबर 2019 को ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 4 साल पहले खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 1.98 करोड़ रुपये होती।

3 साल में शेयरों में 3300 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल: ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले 3 साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2020 को 11.54 रुपये पर थे। ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयर 28 सितंबर 2023 को 402.20 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले 3 साल में 3385 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 11 सितंबर 2020 को ऑथम इनवेस्टमेंट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 34.85 लाख रुपये होती। ऑथम इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 580 रुपये है।

नहीं रहे एशियन पेंट्स के को-फाउंडर अश्विन दानी, 81 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित पेंट ब्रांड एशियन पेंट्स के को-फाउंडर अश्विन सूर्यकांत दानी का गुरुवार को 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह एशियन पेंट्स लिमिटेड के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष थे। वह दिसंबर 1998 से मार्च 2009 तक कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रहे। बता दें कि एशियन पेंट्स 16 देशों में परिचालन वाली भारत की सबसे बड़ी पेंट कंपनी है।

बता दें कि अरबपति अश्विन दानी को एशियन पेंट्स की विरासत पिता सूर्यकांत से मिली थी। साल 1942 में दानी के पिता सूर्यकांत और तीन अन्य लोगों ने इसकी शुरुआत की थी। अश्विन दानी की पढ़ाई की बात करें तो 1966 में मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की। इसके बाद, वह एक्रोन विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए।

कब जुड़े कंपनी से : दानी ने अपनी पहली नौकरी में डेट्रॉइट में एक केमिस्ट के रूप में काम किया। इसके बाद में साल 1968 में वह अपने पारिवारिक व्यवसाय, एशियन पेंट्स में शामिल हो गए। साल 1997 में एशियन पेंट्स के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बन गए। दानी के नेतृत्व में एशियन पेंट्स ने विश्व स्तर पर अपने परिचालन का विस्तार किया और दुनिया की अग्रणी पेंट कंपनियों में से एक बन गई। अनुसंधान एवं विकास निदेशक के तौर पर दानी ने रिसर्च में भारी निवेश किया, जिसने कंपनी की प्रगति में अहम भूमिका निभाई। आज, एशियन पेंट्स भारत में सबसे बड़ी पेंट कंपनी है। वहीं, एशिया में तीसरी बड़ी और वैश्विक स्तर पर नौवीं सबसे बड़ी कंपनी है।

कितनी है दौलत: अश्विन दानी ने इना से शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। दानी के बेटे मालव भी कंपनी के बोर्ड के सदस्य हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक दानी की दौलत 7 बिलियन डॉलर से ज्यादा है।

भारत के टॉप 75 ब्रांड का कुल मूल्य 4 फीसद गिरकर 379 अरब डॉलर पर आया, टीसीएस का दबदबा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप 75 मूल्यवान ब्रांड का संयुक्त मूल्य वर्ष 2022 की तुलना में इस साल चार प्रतिशत गिरकर 379 अरब डॉलर रह गया है। मार्केटिंग डेटा एवं एनालिटिक्स फर्म कांतार की एक ब्रांड रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। कांतार ब्रांड्ज की टॉप 75 मूल्यवान भारतीय ब्रांड रिपोर्ट कहती है कि इन ब्रांड के मूल्यांकन में यह गिरावट आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों, ब्याज दरों में तेजी और बाजार की अनिश्चितता के कारण हाल में कारोबार और उपभोक्ताओं पर पैदा हुए तनाव को दर्शाती है।

आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली: हालांकि, वैश्विक स्तर के टॉप 100 मूल्यवान ब्रांड के कुल मूल्यांकन में इस दौरान 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली ही है। कांतार के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ग्राहक अधिकारी (दक्षिण एशिया-अंतर्दृष्टि खंड) सौम्य मोहंती ने कहा, वैश्विक

ब्रांड्स की तुलना में भारत के टॉप ब्रांड्स के कुल मूल्यांकन में आई कम गिरावट इनके और भारतीय अर्थव्यवस्था के जुझारूपन को दर्शाती है। अगर हम निर्यात पर निर्भर बी2बी या प्रौद्योगिकी ब्रांड को हटा दें तो भारतीय ब्रांड का मूल्यांकन अधिक स्थिर और आंशिक रूप से बढ़ा ही नजर आता है।

मोहंती ने कहा कि असल में कई क्षेत्रों के मूल्य में वृद्धि हुई है और वाहन, दूरसंचार, वित्तीय सेवाएं एवं एफएमसीजी ब्रांड काफी स्थिर हैं। उन्होंने कहा, यदि आप इसकी तुलना 2019 से करते हैं तो हम अब भी कहीं ऊंचे स्तर पर हैं। कोविड गतिरोध से उबरने के बाद टॉप ब्रांड ने अपना मूल्य बरकरार रखा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड: रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 43 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड बना हुआ है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, जियो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक का स्थान है। कांतार ब्रांड्ज दुनियाभर में सबसे मूल्यवान ब्रांड की रैंकिंग करता है। इसके लिए लाखों उपभोक्ताओं से साक्षात्कार लिया जाता है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'जनव्याख्यान माला 'को सम्बोधित करेंगे प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक

भोपाल । अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'जन व्याख्यान माला' के तहत 29 सितम्बर को शाम 4.30 से 6.00 बजे ईपीसीओ- ई-5, पर्यावरण परिसर, अरेराकॉलोनी, भोपाल में प्रसिद्ध विद्वानऔर शिक्षा विद्प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक का व्याख्यान होगा। प्रोफ़ेसर पाठक के व्याख्यान का विषय है' आज के दौर में शिक्षक होने का अर्थ'। वे शिक्षा के क्षेत्र मेंबढ़ती चुनौतियों के बीच कक्षा में समालोचनात्मक शिक्षण, बहसों और चर्चाओं को प्रोत्साहित करने की ज़रूरत पर बातचीत करेंगे।प्रोफ़ेसर पाठक पिछलेतीन दशकों सेअधिक समय से जवाहरलालनेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाते रहे हैं।उनकी पुस्तकों और लेखों का संसार बेहद समृद्ध है। उन्होंने शिक्षा, समाजशास्त्र और सामाजिक प्रणालियों पर व्यापक विमर्श कोगढ़नेमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 629 अरब डॉलर के पार, आरबीआई ने जारी किए जून के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी कर्ज जून 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 629.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, हालांकि कर्ज-जीडीपी अनुपात में गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, कर्ज में 4.7 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा हुआ है। मार्च के आखिर में यह 624.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

सरकार का सामान्य बकाया कर्ज घटा: आरबीआई ने कहा कि जून 2023 के आखिर में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात घटकर 18.6 प्रतिशत हो गया, जो मार्च 2023 के आखिर में 18.8 प्रतिशत था। आरबीआई ने कहा कि सरकार का सामान्य बकाया कर्ज कम हुआ, जबकि गैर-सरकारी कर्ज जून 2023 के आखिर में बढ़ गया। इसके अलावा, विदेशी कर्ज में 32.9 प्रतिशत की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी कर्ज की रही। इसके बाद इसमें मुद्रा और जमा, व्यापार ऋण और एडवांस और ऋण प्रतिभूतियों का योगदान रहा।

इससे पहले भारत का विदेशी कर्ज मार्च, 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 624.7 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले देशों में जापान का नाम शुमार है। अमेरिका भी कर्ज लेने के मामले में भारत से आगे है।

पीएम गति शक्ति: 52,000 करोड़ रुपए की छह ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम गति शक्ति पहल के तहत 52,000 करोड़ रुपये की सड़क और रेलवे की छह बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, इससे पीएम गति शक्ति को शुरू करने के बाद से नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की कुल संख्या 112 हो गई है, जिनकी कुल लागत करीब 11.53 लाख करोड़ रुपये है।

इन छह परियोजनाओं का मूल्यांकन 27 सितंबर को 56वीं एनपीजी की बैठक में किया गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, '' पीएम गति शक्ति के तहत समूह की बैठक में छह परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की चार परियोजनाएं और रेल मंत्रालय की दो परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत करीब 52,000 करोड़ रुपये है।

अंतर-मंत्रालयी एनपीजी हर पखवाड़े बैठक करता है। इस दौरान वह क्रियान्वयन संबंधी प्रयासों तथा परियोजना स्थल के आसपास व्यापक विकास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन करता है।

एशियाई खेल 2023

पलक को स्वर्ण, ईशा को रजत

निशानेबाजों ने पदकों की बौछार की

हांगझोउ (एजेंसी)। पलक गूलिया और ईशा सिंह ने एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। दोनों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती देते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। 17 वर्ष की पलक ने स्वर्ण और ईशा ने रजत पदक जीता। भारत ने इस एशियाई खेलों में निशानेबाजी में 6 स्वर्ण समेत 17 पदक जीत लिए हैं। पाकिस्तान की तलत किश्माला को कांस्य पदक मिला।

पलक का यह अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में पहला व्यक्तिगत पदक है। उसने फाइनल में 242.1 स्कोर किया जो एशियाई खेलों में रिकॉर्ड है। बुधवार को 25 मीटर पिस्टल में व्यक्तिगत रजत जीतने वाली ईशा 10 मीटर एयर पिस्टल रजत जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थी। ईशा ने व्यक्तिगत फाइनल में 239.7 स्कोर किया।

पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (591), स्वप्निल कुसाले (591) और अखिल श्योराण (587) टीम में थे जिन्होंने चीनी चुनौती से पार पाते हुए 1769 स्कोर किया। चीन 1763 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया को कांस्य पदक मिला। ऐश्वर्य और स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में पहले और दूसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया।

अखिल पांचवें स्थान पर रहते हुए भी फाइनल में जगह नहीं बना सके क्योंकि आठ टीमों के फाइनल में एक देश से दो ही प्रतियोगी भाग ले सकते हैं। अगले साल पेरिस ओलंपिक में पदक उम्मीद स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए 591 स्कोर किया। ऐश्वर्य का भी यही स्कोर था लेकिन इनर 10 ज्यादा मारने के कारण स्वप्निल शीर्ष रहे।

शूटिंग टीम ने रच दिया इतिहास, गोल्ड और सिल्वर पर कब्जा

एशियन गेम्स में भारत ने शूटिंग में नया इतिहास रच द?या है। भारत ने अब तक के एशियाड में शूटिग कैटगरी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। युवा निशानेबाजी ईशा सिंह की अगुवाई में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने एशियाई खेलों में रजत पदक जीता।18 वर्ष की ईशा (579), पलक (577) और दिव्या टीएस (575) का कुल स्कोर 1731 रहा। चीन ने 1736 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता जो एशियाई खेलों का रिकॉर्ड भी है। चीनी ताइपै को कांस्य पदक मिला। ईशा और पलक क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहकर व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी पहुंच गए । दिव्या दसवें स्थान पर रहकर आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकी । ईशा ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत भी जीता है ।वहीं ईशा, मनु भाकर और रिदम सांगवान ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था । वहीं, भारतीय पुरूष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस टीम ने एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता। ऐश्वर्या, स्वप्निल और अखिल की तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3पी (शूटिंग) में गोल्ड मेडल पर कब्जा किया. भारत के लिए निशानेबाजी में 15वां पदक है।

स्क्वाश में भारतीय महिला टीम ने जीता कांस्य पदक

भारतीय महिला स्क्वाश टीम ने एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में हांगकांग से हारने के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। जोशना चिनप्पा, अनहत सिंह और तन्वी खन्ना की तिकड़ी को हांगकांग ने 1.2 से हराया। जोशना अकेली भारतीय थी जिसने जीत दर्ज की। उसने दुनिया की 24वें नंबर की खिलाड़ी जे लोक हो को 7.11, 11.7, 9.11, 11.6, 77.8 से हराया। तन्वी को पहले मैच में सिन युक चान ने 3.0 से मात दी। वहीं अनहम को ली का यि ने 11.8, 11.7, 12.10 से हराया।

एक-दो नहीं 15 बड़े खिलाड़ी है क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 से पहले जख्मी

नईदिल्ली (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्व कप की शुरूआत 5 अक्टूबर से अहमदाबाद में हो रही है लेकिन अंतिम समय तक सभी टीमें अपने प्रमुख प्लेयरों की चोटों से जूझती दिखी। टीम की फाइनल लिस्ट जारी करने की लिस्ट 28 सितंबर थी जिस दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बदली हुई टीम विश्व कप प्रबंधन को सौंपी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे जैसे खिलाड़ी पूरी तरह से विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जबकि अन्य खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं या फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

नसीम शाह

पाकिस्तान का यह तेज गेंदबाज कंधे की गंभीर चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गया है जिसके लिए सर्जरी की जरूरत होगी। दाहिने हाथ का तेज कई महीनों के लिए दरकिनार कर दिया गया है और अगले साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए वापसी कर सकता है।

ट्रैविस हेड

उंगली में फ्रैक्चर के कारण विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज की भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है, जिससे वह टूर्नामेंट के शुरुआती चरण से बाहर हो गए हैं।

जोफ्रा आर्चर

इंग्लैंड का तेज गेंदबाज इंग्लैंड टीम के साथ है। जोफ्रा दाहिनी कोहनी में फ्रैक्चर के करण परेशान थे। उनका विश्व कप में खेलना आसान नहीं है।

वानिंदु हसरंगा

श्रीलंका के लेग स्पिनिंग ऑलराउंडर जांघ में खिंचाव के कारण लंका प्रीमियर लीग फाइनल और एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। पुनर्वसन के दौरान ग्रेड तीन हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट के कारण भारत में मुख्य कार्यक्रम से बाहर हो गए।

टिम साउदी

अनुभवी कीवी सीमर ने अपने टूटे हुए अंगूठे की सर्जरी कराई है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के जो रूट की गेंद पर कैच लेने के दौरान उन्हें चोट लग गई। उनका नाम विश्व कप टीम में है। लेकिन वह खेल पाएंगे या नहीं इस पर अभी भी असमंजस है।

केन विलियमसन

पिछले अप्रैल में घुटने की गंभीर चोट का शिकार हुए केन विलियमसन अभी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के कप्तान के तौर पर विश्व कप टीम में चुना गया है लेकिन उनकी फिटनेस अभी भी 100 फीसदी नहीं है।

इबादोत हुसैन

घुटने की सर्जरी के बाद बांग्लादेश का यह तेज गेंदबाज विश्व कप में नहीं खेल पाएगा। उनके 8 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहने की उम्मीद है।

दुष्मंथा चमीरा

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज कंधे की चोट के कारण एशिया कप टूर्नामेंट में नहीं खेल सके और उनके विश्व कप के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है।

एनरिक नॉर्टजे

दक्षिण अफ्रीका का यह तेज गेंदबाज लगातार दूसरा क्रिकेट विश्व कप नहीं खेल पाएगा। टूटे हुए दाहिने अंगूठे ने उन्हें इंग्लैंड में 2019 टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और अब पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह 2023 संस्करण में भी नहीं खेल पाएंगे।

हारिस रऊफ

दाएं हाथ का तेज गेंदबाज साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप में खेल नहीं पाया था लेकिन उसे विश्व कप के लिए चुना गया है। उन्होंने प्रशिक्षण में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि वह मैच खेलेगा।

महेश थीक्षणा

श्रीलंकाई स्पिनर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण भारत के खिलाफ हाल ही में एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। हालाँकि, टीम प्रबंधन को भरोसा है कि वह 50 ओवर के आयोजन के लिए समय पर फिटनेस हासिल कर लेंगे।

मिचेल स्टार्क

बाएं हाथ का ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज इंग्लैंड में एशेज सीरीज के दौरान लगी कमर की चोट से उबर रहा है। भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में स्टार्क ने जरूर वापसी कि लेकिन वह फिट नहीं दिखे।

ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टखने की चोट से उबरने के बाद भारत में टीम में शामिल हुए। जुलाई के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में ज्यादा स्कोर नहीं बना पाए थे।

अक्षर पटेल

बाएं हाथ के भारतीय स्पिनर बाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। वह अंत समय तक फिट नहीं हो पाए जिसके चलते बीसीसीआई ने उनकी जगह पर रविचंद्रन अश्विन को टीम में चुन लिया।

एश्टन एगर

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एश्टन एगर चोट के कारण क्रिकेट विश्व कप से बाहर हो गए। प्रमुख ऑलराऊंडर की जगह पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रबंधन ने मार्नेस लाबुछेन को टीम में शामिल किया।

मीराबाई की नजरें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक पर, स्नैच में 90 किग्रा भार उठाने का दबाव

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी भारोत्तोलक मीराबाई चानू एशियाई खेलों में शनिवार से यहां शुरू हो रही भारोत्तोलन प्रतियोगिता में जब चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगी तो उन पर स्नैच वर्ग में 90 किग्रा का भार उठाने का दबाव होगा।

मणिपुर की इस खिलाड़ी के लिए हालांकि इन खेलों में पोडियम स्थान हासिल करना आसान नहीं होगा। भारोत्तोलन में चीन, उत्तर कोरिया और थाईलैंड जैसे देशों का दबदबा रहा है। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता चानू 49 किग्रा भार वर्ग में दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही है। वह हालांकि स्नैच वर्ग में 90 किग्रा का भार उठाने में संघर्ष कर रही है।

क्लीन एवं जर्क में वह 119 किग्रा के साथ अब भी दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में है लेकिन स्नैच में खराब प्रदर्शन से उनका कुल भार प्रभावित हो रहा है। स्नैच में चानू का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88 किग्रा है। उनके भारवर्ग में सात खिलाड़ियों ने 90 किग्रा या उससे ज्यादा का भार उठाया है। इसमें से चीन की दो बार की विश्व चैंपियन जियांग हुइहुआ, उत्तर कोरिया की री सोंग गम और थाईलैंड की थान्याथोन सुकचारोएन एवं सुरोडचाना खंबाओ एशियाई खेलों में चुनौती पेश करेंगी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने मीडिया से कहा, 'हमारा लक्ष्य एशियाई खेलों में 90 किग्रा (स्नैच में) का आंकड़ा पार करना है। काफी समय हो गया है जब से हम उस बाधा को पार करने का प्रयास कर रहे हैं। भारोत्तोलन में बिंदियारानी देवी महिलाओं की 55 किग्रा स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी।

2011 विश्व कप के दौरान सचिन ने दी थी टीम को सलाह

युवराज सिंह ने 12 साल बाद किया खुलासा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में झटका ग्रुप स्टेज के दौरान लगा जब भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से हुआ। जो एक सीधी जीत होनी चाहिए थी, उसमें भारत ने खुद को परिणाम के गलत पक्ष में पाया, जिससे मीडिया में हंगामा मच गया। यह ऐसा क्षण था जिससे टीम का ध्यान टूट सकता था। इस मीडिया तूफान के बीच लिटिल मास्टर सचिन तेंदुलकर ने खुद अपनी उल्लेखनीय बल्लेबाजी क्षमता से परे नेतृत्व की भूमिका निभाई। युवराज ने तेंदुलकर द्वारा टीम को दी गई बुद्धिमान सलाह को याद किया।

युवराज ने कहा, हम खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे थे और

विश्व कप में हम दक्षिण अफ्रीका से हार गए - एक ऐसा खेल जिसे हमें जीतना चाहिए था। मीडिया पागल हो गया। सचिन टीम के साथ बैठे और कहा, हमें इसकी जरूरत है टेलीविजन देखना बंद करो, अखबार पढ़ना बंद करो। जब हम हवाई अड्डों पर भीड़ से गुजर रहे हों तो अपने हेडफोन का उपयोग करें। सिर्फ विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करें। टीम सहमत थी, हमने बस उसका पालन किया और यह वास्तव में काम कर गया। उन्होंने कहा, भारत के साथ समस्या यह है कि लोग सोचते हैं कि केवल भारतीय टीम ही जीतेगी। यह एक बड़ा विश्व कप है, वहां बहुत सारी अच्छी टीमें हैं और हमें वास्तव में अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत की विश्व कप टीम पर बोले युवराज सिंह

लेग स्पिनर के रूप में चहल बेहतर विकल्प होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा कि युजवेंद्र चहल को भारत की एकदिवसीय विश्व कप टीम से बाहर किया जाना उनके लिए आश्चर्य की बात थी और टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें लेग स्पिनर के रूप में चुनना चाहिए था। चहल को प्रारंभिक 15-सदस्यीय रोस्टर से बाहर रखा गया था और यहां तक ??कि जब अक्षर पटेल को चोट लगने के कारण बाहर कर दिया गया था तब भी उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया था, टीम प्रबंधन ने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को प्राथमिकता दी थी।

युवराज ने 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था, ने कहा कि भारत के पास एक बेहतरीन संतुलित टीम है और उन्होंने भारतीय परिस्थितियों में चहल जैसे लेग स्पिनर की आवश्यकता पर जोर दिया। युवराज ने कहा, च्हमारी टीम का संतुलन अच्छा है। मुझे लगा कि युजवेंद्र चहल को वहां होना चाहिए था क्योंकि हम भारत में खेल रहे हैं और अक्सर (यहां की पिचों पर) स्पिन होती है। अन्यथा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छी संतुलित टीम है।

उन्होंने भारत की विश्व कप टीम से इस लेग स्पिनर को बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की। चहल की अनुपस्थिति पर अफसोस जताते हुए युवराज ने कहा कि लेग स्पिनर एक बेहतर विकल्प था क्योंकि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपनी टीम के लिए मैच जीत सकता है। उन्होंने कहा, च्यह थोड़ा आश्चर्य की बात थी, जैसा कि मैंने कहा था कि लेग स्पिनर के रूप में युजवेंद्र चहल बेहतर विकल्प होते। स्पिनर वह व्यक्ति है जो आपको मैच जिता सकता है। मुझे लगा कि वाशिंगटन सुंदर एक युवा लड़का है और बल्लेबाजी भी कर सकता है। लेकिन दिन के अंत में कप्तान और कोच को सर्वश्रेष्ठ फॉर्म देखना होगा।

वनडे विश्व कप के लिए टीम सौंपने के आखिरी दिन भारत ने चोटिल ऑलराउंडर पटेल की जगह अनुभवी स्पिनर अश्विन को टीम में शामिल किया। मेन इन ब्लू अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा।

राजकोट में रोहित शर्मा का आईफोन हुआ चोरी

राजकोट (एजेंसी)। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हाल ही में समाप्त हुई भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला के तीसरे वनडे मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने अपना आईफोन खो दिया था। विशेष रूप से हिटमैन का फोन तब गायब हो गया जब अनुभवी सलामी बल्लेबाज तीसरे वनडे से पहले नेट्स में अभ्यास कर रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक रोहित का फोन गायब होने की खबर तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो गई। हालांकि, इस विषय ने कप्तान को ज्यादा परेशान नहीं किया क्योंकि उन्होंने अंतिम वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी क्लास का प्रदर्शन किया।

रोहित सीरीज के पहले दो वनडे में नहीं खेल पाए थे लेकिन राजकोट में आखिरी वनडे के लिए लौटे और मुकाबले में सनसनीखेज प्रदर्शन किया। भारत के मैच हारने के बावजूद रोहित ने अपना प्रभाव जाहिर करना सुनिश्चित किया। 353 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ने केवल 286 रन बनाए रोहित 57 गेंदों में 81 रनों के स्कोर के साथ भारत के लिए सबसे अधिक रन बनाए। हालांकि यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने 66 रनों से खेल जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवरों की श्रृंखला समाप्त करने के बाद टीम इंडिया आगामी वनडे विश्व कप 2023 के लिए कमर कस रही है। पहली बार पूरी तरह से इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन की मेजबानी करते हुए टीम के पास बेजोड़ घरेलू समर्थन होगा। गौर करने वाली बात यह भी है कि वनडे विश्व कप की शुरुआत से पहले भारत क्रमशः 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो अभ्यास मैचों में प्रतिस्पर्धा करेगा। इसके अलावा 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे।

एशिया कप

हांगकांग के बल्लेबाज ने 12 गेंदों में बनाए नाबाद 40 रन, 5.5 ओवर में जीता मैच

हांगझोउ (एजेंसी)। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज खेले गए क्रिकेट टी20 पुरुष मुकाबले में हांगकांग ने निजाकत खान और बाबर हयात की तूफानी पारी की बदौलत कोलंबिया को नौ विकेट से हरा दिया है।

हांगकांग ने टॉस जीतने के बाद क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और उसने पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलंबिया की टीम को शानदार गेंदबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 70 रन पर समेट दिया। कोलंबिया टीक के ओपनर उदय हथिंजड़ को शुक्ला ने पहले ही ओवर में अकबर खान के हाथों शून्य पर आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। दूसरे ओपनर राम शरण ने 34 गेंदों में सर्वाधिक (27) रन बनाए। उन्हें नसरुल्ला राणा ने पगबाधा आउट किया।

हांगकांग के गेंदबाज नसरुल्ला राणा ने लक्षित गुप्ता (4) लुक़मान बट्ट (17) और ऐली एवंस (शून्य) पर बोल्ड आउट किया। कोलंबिया के दो खिलाड़ियों को छोड़ कोई भी खिलाड़ी दहाई अंक आंकड़ा छू नहीं सका। टीम के पांच खिलाड़ी शून्य पर आउट हुये। कोलंबिया की टीम 11 रन अतिरिक्त के रूप में प्राप्त हुए। हांगकांग की ओर से नसरुल्ला राणा ने सात रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। मोहम्मद ग़ज़नफ़र और अनस ख़ान ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। आयुष शुक्ला और एहसान ख़ान को एक-एक विकेट मिला।

71 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग टीम के ओपनर कप्तान निजाकत खान 21 गेंदा में 34 रन और एक विकेट के आउट होने के बाद खेलने आए बाबर हयात ने 12 गेंदों में 40 रन की नाबाद तूफानी पारी की बदौलत हांगकांग को 5.5 ओवर में 75 रन बनाकर जीत दिला दी। हांगकांग की ओर से एक मात्र विकेट मुहम्मद ख़ान के रूप में गिरा उन्हें शून्य के स्कोर पर कुरैशी ने पगबाधा आउट किया। कोलंबिया की ओर से एक मात्र विकेट मंसूर कुरैशी को मिला।

एशियन गेम्स में अपने फेवरेट एथलीट नीरज चौपड़ा से मिले रिंकू सिंह

हांगझू (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के क्रिकेटर रिंकू सिंह ने एशियन गेम्स के लिए हांगझू की यात्रा की। इस दौरान एयरपोर्ट पर उन्होंने अपने फेवरेट एथलीट नीरज चोपड़ा से मुलाकात की। रिंकू पहले दिए एक इंटरव्यू में रिंकू से मिलने की बेताबी जाहिर कर चुके थे। रिंकू एशियाई गेम्स में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अध्यक्षता में गई टीम इंडिया के सदस्य हैं। इस दौरान एयरपोर्ट पर पूरी टीम इंडिया ने नीरज चोपड़ा के साथ मुलाकात की और यादगारी फोटोज शेयर कीं। नीरज अपने गोल्ड का बचाव करने के लिए हांगझू पहुंचे हैं। नीरज ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों की भाला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड जीते थे।

एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट स्पर्धा की बात करें तो इसमें नेपाल, हांगकांग, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मालदीव समेत कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारतीयों ने एशियाई खेलों में अपनी बी टीम भेजी है लेकिन उसमें अभी भी आसानी से स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता है। भारत को श्रीलंका या पाकिस्तान टक्कर दे सकती है। भारतीय टीम में तिलक वर्मा, राहुल त्रिपाठी और यशस्वी जयसवाल के रूप में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मौजूद हैं। इसके अलावा शाहबाज अहमद, शिवम दुबे के साथ वाशिंगटन सुंदर को भी टीम में रखा गया है। जितेश शर्मा और प्रभसिमरन सिंह दो विकेटकीपिंग विकल्प हैं। टीम में एकमात्र लेग स्पिनर रवि बिश्नोई होंगे। अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, अवेश खान और आकाश दीप तेज गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व करेंगे।

नीरज की बात करें तो वह डायमंड लीग ट्रॉफी का बचाव करने में नाकाम रहने के कारण एशियाई खेलों की प्रतियोगिता में उतर रहे हैं। एशियाई खेलों में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उतरते ही नीरज के 2 लक्ष्य होंगे। एक गोल्ड जीतना। दूसरा- 90 मीटर का आंकड़ा पार करना। नीरज भारतीय एथलेटिक्स में एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक स्वर्ण, एशियाई खेलों का स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण, विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण और डायमंड लीग ट्रॉफी भी जीती है। नीरज 4 अक्टूबर को एक्शन में होंगे जबकि भारतीय टीम 3 अक्टूबर को सीधे क्वार्टर फाइनल खेलेगी। नीरज और भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम दोनों स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

एचपीएससी में पर्चा और खर्चा यानि खर्चा करो और पर्चा आउट कराओ का खेल कर रहे : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, एजेंसी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने एचसीएस अलाइड सर्विस की मुख्य परीक्षा में 100 पदों के लिए सिर्फ 61 उम्मीदवारों को ही पास किए जाने पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया बड़े और सुनियोजित भर्ती घोटाले की ओर इशारा कर रही है।

क्योंकि प्रदेश की बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणवी युवाओं को भर्ती लिस्ट से बाहर कर ज्यादातर भर्ती दूसरे राज्य के लोगों की करने पर जोर लगा रही है। उन्होंने कहा कि पर्ची और खर्ची की बात करने वाले अब भर्तियों में 'पर्चा और खर्चा' यानी

खर्चा करो और पर्चा आउट कराओ का खेल कर रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि इस बार हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में पिछले साल की परीक्षा के प्रश्न पत्र से 38 सवाल कॉपी-पेस्ट कर दोहराए गए हैं। कई प्रश्न क्रम भी वही थे, जो पिछले साल थे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि अपने चहेतों को एचसीएस बनाने के लिए जानबूझकर कम लोगों को पास किया गया। ऐसा पहली बार हुआ है कि भर्ती परीक्षा में कुल पदों से भी कम अभ्यर्थी पास किए गये। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पारदर्शिता के नाम पर सुनियोजित ढंग से पेपर लीक करवाकर बड़ा भर्ती घोटाला अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने मांग करी कि भ्रष्टाचार, कदाचार का पर्याय बन चुके एचपीएससी को तुरंत भंग किया जाए और इस पूरे भर्ती घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। हरियाणा के जो युवा यूपीएससी जैसे एग्ज़ाम पास करके देश की सेवा कर रहे हैं क्या वो एचसीएस परीक्षा पास नहीं कर पाएंगे ! एचपीएससी के इन नतीजों से हरियाणा के लाखों युवाओं के सपने चकनाचूर हो गये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणा के युवाओं की प्रतिभा पर जानबूझकर सवालिया निशान लगाकर, प्रदेश के युवाओं को अयोग्य घोषित कर बड़े पदों पर अन्य राज्यों के लोगों को भर्ती करने की नीति पर चल रही है।

1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू करने के लिए तैयार है। सीबीआईसी के चेयरमैन संजय अग्रवाल ने गुरुवार को ये बात कही। सीबीआईसी के चेयरमैन ने मीडियाकर्मियों से कहा, हम इसे 1 अक्टूबर से लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, संबंधित अधिसूचनाएं प्रक्रियाधीन हैं।यह कदम सभी राज्यों की सर्वसम्मति से उठाया गया है और हाल ही में लोकसभा में जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया गया।अग्रवाल ने कहा, 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लागू करने के लिए सभी राज्यों को इसे अपनी विधानसभाओं में पारित करना होगा या 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करना होगा।ऑनलाइन गेमिंग के मामले में लगाए गए दांव, कैसीनो के मामले में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ के मामले में सट्टेबाज/टोटलाइज़र के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। वर्तमान में लगने वाले 18 प्रतिशत के बजाय 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है।11 अगस्त को, लोकसभा ने मानसून सत्र के अपने अंतिम सत्र के दौरान ध्वनि मत से दो जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित

किया। ये संशोधन एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 से संबंधित हैं, जिसका मकसद ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करना है।

हिमालय के तापमान में तेजी से बदलाव, ग्लेशियरों पर भी बुरा असर: एक्सपर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमालय का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इक्कीसवीं सदी में इसके गरम होने की रफ्तार दोगुनी हो गई है। निचले इलाकों की तुलना में उच्च हिमालयी क्षेत्र ज्यादा तेजी से गरम हो रहा है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि यदि यही स्थिति रही तो इस सदी के समाप्त होने तक हिमालय के तापमान में 2.6 से 4.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

इससे बड़ी संख्या में ग्लेशियर और नदियों के प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाएगा। पुणे स्थित संस्थान ने हिमालय के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे वैज्ञानिक अध्ययनों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया है। सौ से ज्यादा वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से पता चला कि हिमालय का तापमान बीसवीं सदी की शुरुआत से धीरे-धीरे बढ़ने लगा था।

बीच के कुछ वर्षों में हालात सुधरे भी पर 1970 के बाद बिगड़ी स्थिति फिर काबू नहीं हो पाई। 21वीं सदी शुरू होने के साथ ये और विकराल हो गई है। बीसवीं सदी के किसी भी एक दशक में औसत तापमान .16 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। 21वीं सदी की शुरुआत के दशकों में ये वृद्धि .32 डिग्री सेल्सियस पहुंच गई है।

हिमालय का औसत तापमान वर्ष 1901 से 1940 तक धीरे-धीरे बढ़ा। वर्ष 1940 से 1970 के बीच तापमान में भी गिरावट देखने को मिली, पर वर्ष 1970 के बाद तापमान काफी तेजी से बढ़ने लगा। बीच के 30 सालों में तापमान गिरने की क्या वजह रही, इस पर भी अध्ययन किया जा रहा है।

चार हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई पर हिमालय का तापमान और तेजी से बढ़ रहा है। 10 वर्षों में इन स्थानों पर 0.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भविष्य में तापमान बढ़ने की रफ्तार और बढ़ेगी। माना जा रहा है कि 21वीं सदी के अंत तक तापमान में 2.6 से 4.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। जो कि एक चिंता का विषय है। इससे पेड़ पौधों और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। हिमालय का बढ़ रहा तापमान ग्लेशियरों को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। तापमान बढ़ने और शीतकाल में बर्फबारी कम होने से हिमालय के ग्लेशियर पिघल रहे हैं। पिछले 40 वर्षों में हिमालय के ग्लेशियरों में 13 प्रतिशत की कमी देखी गई है। पूर्वी हिमालय के ग्लेशियरों में सबसे अधिक नुकसान देखने को मिल रहा है। हिमालय के तापमान बढ़ने की रफ्तार चिंताजनक है। कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करना होगा ताकि ग्लोबल वार्मिंग का खतरा कम हो सके। हिमालय, भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों को आर्थिक और सांस्कृतिक ताकत देता है। इसे रोका नहीं गया तो समाज की पूरी सूरत बदल सकती है।

ग्रेटर नोएडा में बनेंगे 2 नए अंतरराज्यीय बस अड्डे, मास्टर प्लान 2041 में होंगे प्रावधान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में मास्टर प्लान-2041 में ग्रेटर नोएडा को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों के लिए 'पहले पड़ाव' के रूप में देखा गया है। यही कारण है कि मास्टर प्लान में आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को प्राथमिकता पर रखा गया है। इसी के तहत ग्रेटर नोएडा में दो अंतरराज्यीय बस अड्डे विकसित किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा की 40 लाख की आबादी को समायोजित करने में मास्टर प्लान 2041 सक्षम होगा। नए मास्टर प्लान के हिसाब से अब ग्रेटर नोएडा 71327.63 हेक्टेयर का हो जाएगा। इसमें से 53,350 हेक्टेयर शहरीकरण के आरक्षित होगा। मास्टर प्लान को लेकर आमजन अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। सारी प्रक्रिया को पूरी करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इसे प्रदेश सरकार को भेजेगा। प्रदेश सरकार की मुहर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन 2024 में शुरू हो जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मास्टर प्लान बनाते समय एयरपोर्ट को अपने केंद्र में रखा है। मास्टर प्लान में बताया गया है कि यमुना

एक्सप्रेसवे के आसपास के क्षेत्र को विकसित होने में अभी कुछ साल लगेंगे, इसलिए ग्रेटर नोएडा जेवर एयरपोर्ट से दिल्ली एवं उत्तरी भारत की ओर आने वाले यात्रियों और कार्गो के लिए पहला पड़ाव होगा। इस क्षेत्र की लोकेशन के हिसाब से ग्रेटर नोएडा का महत्व, भूमि की तत्काल उपलब्धता और तैयार बुनियादी ढांचा निवेश के लिए बहुत ही बेहतर है। यह विदेशी पूंजी को भी आकर्षित करेगा। सावर्जनिक परिवहन को दुरुस्त किया जाएगा। मेट्रो विस्तार, सिटी बस पर जोर दिया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया गया है। इसमें इलेक्ट्रिक रिक्शा योजना भी शामिल है। योजना में पांच हेक्टेयर क्षेत्र में दो स्थानों पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल की स्थापना की जाएगी। तीन स्थानों पर ट्रांसपोर्ट नगर प्रस्तावित किए गए हैं। मास्टर प्लान में बताया गया है कि ग्रेटर नोएडा विकास की ओर और तेजी से अग्रसर होगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पर्यावरण को संरक्षित करने पर जोर दिया जाएगा ताकि देश-विदेश के लोग जब ग्रेटर नोएडा से होकर जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचें तो उन्हें बेहतर अहसास हो। हरित भवनों और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पिछले मास्टर प्लान की तुलना में हरित क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा के दक्षिण में यमुना प्राधिकरण और जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क के साथ 674 हेक्टेयर क्षेत्र प्रस्तावित है।

गुरुग्राम-फरीदाबाद के मौसम का मिलेगा पल-पल का अपडेट, जल्द बनेंगे 8 वेदर स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के दो प्रमुख स्मार्ट सिटी गुरुग्राम और फरीदाबाद जिले में पर्यावरण और जलवायु की स्थिति पर नजर रखने के लिए जल्द ही वेदर स्टेशन (मौसम केंद्र) स्थापित किए जाएंगे। भारतीय मौसम विभाग और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा संचालित इस सहयोगात्मक पहल में, गुरुग्राम में 5 और फरीदाबाद में तीन वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

इसका उद्देश्य गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन से (एडब्ल्यू) और वायु शुद्धता की जांच स्थापित करना है। साथ ही मौसम विभाग और जीएमडीए द्वारा संयुक्त रूप से हाई रिजोल्यूशन वेदर और चेतावनी सेवाएं विकसित करना है। इस नेटवर्क का उपयोग स्थानीय स्तर पर पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियों की निगरानी के लिए इस नेटवर्क का उपयोग क्षेत्र/ब्लॉक स्तर पर भी किया जाएगा। इसके बाद सभी जिलों में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

आईसीसीसी से जोड़ा जाएगा गुरुग्राम और फरीदाबाद में स्थापित इन वेदर स्टेशनों का वास्तविक समय डेटा जीएमडीए के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और भारतीय मौसम विभाग के साथ साझा किया जाएगा। यदि प्रदूषण स्तर या पर्यावरणीय खतरों से संबंधित किसी भी चिंता के कारण का पता चलता है तो संबंधित अधिकारियों और विभागों द्वारा उपयुक्त कार्रवाई की जा सकती है। निगरानी प्रणालियां तीन मापदंडों को मापने में सक्षम होंगी, अर्थात् मौसम विज्ञान जिसमें हवा की दिशा, हवा की गति, परिवेश का तापमान, वर्षा, सापेक्ष आर्द्रता, सौर विकिरण और वायुमंडलीय दबाव का आंकलन शामिल होगा। दूसरे, सिस्टम के माध्यम से वायु गुणवत्ता मापदंडों की भी निगरानी की जाएगी जो पर्यावरण में नाइट्रोजन, अमोनिया, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी विभिन्न हानिकारक गैसों की उपस्थिति का पता लगाएगी।

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में दुकानों से चोरियां व लूटपाट, सालाना 72 हजार करोड़ की चपत

मेलबर्न, एजेंसी। बेकाबू होती महंगाई से कई देशों में आम लोगों की कमर टूट रही है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में तो लोगों को रोजाना की जरूरतों में कटौती करनी पड़ी रही है। महंगाई के चलते अपराध भी बढ़ने लगा है। किराना और खाने-पीने की सामग्री बेचने वाले स्टोर्स में चोरियां बढ़ गई हैं। कुछ इलाकों में तो इसने संगठित अपराध का रूप ले लिया है। कुल मिलाकर हालात अराजक होते जा रहे हैं। खुदरा कारोबारी संगठनों के मुताबिक दोनों देशों में एक साल में लूटपाट, संगठित अपराधियों की सेंधमारी से 72 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी ग्रॉसरी चैन नॉर्थ आइलैंड को फूडस्टफ्स ने अगस्त में फुटेज जारी किए थे। इसमें लोग बगैर शर्म के चोरियाँ करते दिखे। विशेषज्ञों का कहना है कि ये घटनाएं लोगों की बढ़ती महंगाई के कारण हताशा भी उजागर करती हैं। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के सर्वे के अनुसार, करीब 30त्न लोगों को आय से गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी

अमेरिका में संचालित क्राइम इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ऑरर के सह संस्थापक और सीईओ फिल थॉमसन का कहना है कि स्टोर्स में ग्राहकों की संख्या की घटने के साथ संगठित अपराधियों को खाद्य सामान और अन्य घरेलू चीजों की चोरी के मौके बढ़े हैं। सितंबर में पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में दुकान और रिटेल स्टोर्स में 2021 की तुलना में 2022 में चोरियां 45प्रतिशत वह गई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में जून में रिटेल स्टोर्स से चोरी की दर बीते साल से 47.5प्रतिशत अधिक थी। अंजाम दिया है। वहां सेंटर सिटी में मंगलवार शाम गैंग ने कई दुकानों में दंगों के वक्त होने वाली लूटपाट की तरह वारदात को साथ ही फुट लॉकर पर सुरक्षा गार्ड्स के साथ मारपीट की लूटपाट के शिकार स्टोर में एपल स्टोर भी शामिल है। घटना से जुड़ा बीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवा नकाबपोश पुरुष और महिलाएं जबरन दुकानों में घुसते दिखीं। उनके हाथ जो कुछ भी लगा, वह लूटकर ले गए। ऑस्ट्रेलिया में सेल्फ चेकआउट बंद किया जा रहा है। स्टोर्स स्वचालित गेट, फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का सहारा ले रहे है, ताकि पूर्व में चोरी कर चुके व्यक्ति का स्टोर में घुसते ही पता लग जाए।

ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में दाल फेंकने के आरोप में 2 भाजपा विधायकों को किया निलंबित

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में अध्यक्ष के आसन पर दाल फेंकने के आरोप में भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन चरण माझी और विधायक मुकेश महालिंग को निलंबित कर दिया।दोनों नेताओं को 4 अक्टूबर तक शेष मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है।बीजद विधायक अतनु सब्यसाची नायक ने कहा, हम इस व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहे हैं। अध्यक्ष की कुर्सी की एक गरिमा होती है और हम अध्यक्ष की कुर्सी की गरिमा को धूमिल करने के प्रयासों की निंदा करते हैं।मानसून सत्र के चौथे दिन विधानसभा में हंगामा हुआ, क्योंकि भाजपा सदस्यों ने विपक्ष के नेता जय नारायण मिश्रा के खिलाफ बीजद नेता और नयागढ़ विधायक अरुण साहू द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।साहू ने पहले कहा था कि मिश्रा और अन्य विपक्षी नेता मानसिक विकार से पीड़ित हैं। उन्होंने सभी से अच्छी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के साथ सदन में आने का आग्रह किया।नयागढ़ विधायक एलओपी मिश्रा और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता, नरसिंह मिश्रा का मुकाबला कर रहे थे, जिन्होंने राज्य के विभिन्न स्थानों पर 5टी सचिव के हेलीकॉप्टर की सवारी और 190 स्थानों पर शिकायत बैठकों के संचालन का मुद्दा उठाकर सत्तारूढ़ दल को घेरने की कोशिश की थी।बाद में भाजपा नेताओं ने अध्यक्ष से साहू की विशेष टिप्पणियों को उनके बयान से निकालने की मांग की। हालांकि, मलिक ने इस मामले को बाद में देखने का आश्वासन देकर मांग को टाल दिया।गुस्साए बीजेपी नेताओं ने स्पीकर के पोडियम पर दाल फेंक दी. बाद में स्पीकर ने माझी और महालिंग को इस कृत्य के लिए निलंबित कर दिया।माझी ने बाद में कहा, स्पीकर पर दाल फेंकने के आरोप झूठे हैं। मुझे आश्चर्य है कि अध्यक्ष महोदया ने बिना दृश्य देखे निर्णय कैसे ले लिया। मैंने स्पीकर मैडम को न तो दाल फेंकी है और न ही गिफ्ट की है। बिना किसी गलती के निलंबित किए जाने से मैं दुखी हूं।

अमेरिका में 2 दिन बाद शटडाउन! खरबों का कर्ज नहीं चुका पा रहे बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। यदि अमेरिका की बाइडन सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष के लिए धन उपलब्ध कराने में विफल रहती है, तो अमेरिकी सरकारी सेवाएं बाधित हो जाएंगी और लाखों कर्मचारियों के वेतन के लाले पड़ जाएंगे। या तो इन कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी दे दी जाएगी या फिर आवश्यक समझे जाने वाले कर्मचारी काम पर बने रहेंगे, लेकिन वो भी बिना वेतन के। कई सरकारी एजेंसियों और सेवाओं पर भी बड़ा असर हो सकता है। अरबों-खबरों के कर्ज में दबी अमेरिकी सरकार के किस विभाग के बंद होने का खतरा ज्यादा है? जानते हैं अगर ऐसा हुआ तो क्या खुला और क्या बंद रहेगा?

रिपब्लिकन यूएस हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने बुधवार को सीनेट में आगे बढ़ने वाले स्टॉपगैप फंडिंग बिल को खारिज कर दिया। जिससे वाशिंगटन एक दशक में अमेरिकी सरकार के चौथे शटडाउन के करीब पहुंच गया है। जिसमें सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इस शटडाउन से सैकड़ों-हजारों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी हो जाएगी। आवश्यक पड़ने पर गिने-चुने कर्मियों को बिना वेतन रखा जाएगा। ऐसा तब तक है जब तक कि कांग्रेस एक फंडिंग बिल पारित करने में सफल नहीं हो जाती, जिस पर राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर होंगे। 30 सितंबर से पहले फंड का आवंटन जरूरी अमेरिका के फेडरल सरकार में हर वित्तीय वर्ष 30 सितंबर का होता है। यहां कांग्रेस को इससे पहले 438 सरकारी एजेंसियों के लिए फंडिंग का आवंटन करना होता है। अगर सांसद वित्त वर्ष शुरू होने पर ये बिल पास नहीं करते हैं तो सरकारी एजेंसियों के पास काम करने के लिए पैसा नहीं रहेगा और उनको बंद होना पड़ेगा। अभी सांसदों और रिपब्लिक नेताओं के बीच विवाद की वजह से फंडिंग के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पा रही है। 1981 के बाद से अबतक यूएस में 14 बार शटडाउन हो चुका है, हालांकि, इनमें से कुछ एक या दो दिनों के लिए भी रहे हैं। इसके पहले दिसंबर, 2018 और जनवरी, 2019 के बीच 34 दिनों तक शटडाउन चला था, जोकि सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर हुआ था। अकसर ऐसा भी होता है कि सांसद एजेंसियों का मौजूदा फंड बढ़ाकर डेडलाइन खिसका देते हैं, ताकि मोल-भाव चलता रहे। 2 मिलियन अमेरिकी सैन्यकर्मी अपने पदों पर बने रहेंगे, लेकिन अगर शटडाउन होता है तो पेंटागन के 800000 नागरिक कर्मचारियों में से लगभग आधे को छुट्टी दे दी जाएगी। पेंटागन राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक आपूर्ति या सेवाओं के लिए नए ऑर्डर दे सकता है। नवीनीकरण या विस्तार सहित अन्य नए अनुबंध नहीं दिए जाएंगे। ऊर्जा विभाग का राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन परमाणु हथियारों का रखरखाव जारी रखेगा। एफबीआई, ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) और अन्य संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के एजेंट काम पर बने रहेंगे। वहीं, जेल कर्मचारी भी अपना काम करना जारी रखेंगे। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ दो संघीय मामलों सहित आपराधिक मुकदमा जारी रहेगा। अधिकांश नागरिक मुकदमे स्थगित कर दिये जायेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सरकार के ऐतिहासिक गूगल एंटीट्रस्ट मुकदमे को बाधित किया जाएगा।

ओमान में करता था काम, कंपनी ने जब्त कर लिया पासपोर्ट तो नाव से वापस आ गया भारतीय शख्स

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात में देवभूमि द्वारका जिले के ओखा शहर से ईरान के तीन नागरिकों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से सैटेलाइट फोन और 10 ग्राम हेरोइन कथित रूप से बरामद की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात को निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज के पास ओखा तट पर एक नौका पहुंची जिसपर ईरान के तीन मछुआरे और अशोक कुमार अयप्पन (37) नाम का एक भारतीय सवार था जबकि तट पर उन्हें लेने के लिए अशोक का छोटा भाई आनंद कुमार अयप्पन आया हुआ था। पुलिस अधीक्षक नितेश पांड्य ने बताया कि तमिलनाडु का रहने वाला अशोक ओमान में काम करता था जहां उसकी स्पॉन्सर कंपनी ने उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। इसके बाद अशोक ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की योजना बनाई। भारत लौटने की कोशिश में अशोक सबसे पहले मस्कट से ईरान गए। वहां उनकी ओखा यात्रा के लिए तीन ईरानियों के एक दल और एक नाव की व्यवस्था की गई थी। एक अन्य आरोपी आनंद, तमिलनाडु का एक भारतीय नागरिक, अपने भाई अशोक को द्वारका तट से लेने के लिए हवाई मार्ग से राजकोट में उतरा। उसने गुजरात के तट तक पहुंचने के लिए ईरानी मछुआरों की मदद ली थी। उन्होंने कहा कि तीन ईरानी मछुआरों की पहचान मुस्तफा बलूची, जशीम बलूची और आमिर हुसैन बलूची के तौर पर हुई है और तीनों बंदर अब्बास के रहने वाले हैं।

नासा ने अंतरिक्ष में दिखाई पकौड़े जैसी चीज, देखकर लोगों ने समझा एलियंस का जहाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है जिसमें एक खगोलीय पिंड और पकौड़ी बनावट में अनोखी वस्तुएं अंतरिक्ष में दिख रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने लोगों से पूछा कि वे इस तस्वीर को देखकर क्या समझे? लोगों ने इस सवाल पर मजेदार जवाब दिए। कई लोगों ने तो इसे एलियंस का यान तक कह डाला। इसके बाद नासा ने खुद ही सस्पेंस दूर कर दिया कि आखिर वो चीज है क्या?

नासा ने पकौड़े जैसे आकार की इन वस्तुओं का राज खोलते हुए तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि यह

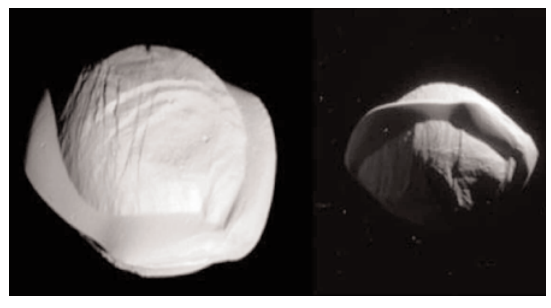

शनि ग्रह के चंद्रमा का पैन है। शनि के चंद्रमा के पैन की दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें। दोनों तस्वीरें अलग-अलग कोण से ली गई हैं। बाईं ओर की तस्वीर चंद्रमा के ऊपर से ली गई है, जबकि दाईं ओर की तस्वीर उसके नीचे से ली गई है। चंद्रमा के मध्यबिंदु के चारों ओर एक सपाट कटक है, और इस पर रेखाएं ऐसी दिख रही हैं जैसे वे इसकी सतह पर खुरची हुई हों।

कैप्शन में नासा आगे लिखता है कि यह 83,000 मील (134,000 किमी) की ऊंचाई पर हर 13.8 घंटे में एक कक्षा पूरी करता है। पैन के भूमध्य रेखा के चारों ओर का कटक शनि के चंद्रमा एटलस के समान है और चंद्रमा को विशिष्ट डंपलिंग (पकौड़ी जैसा) आकार देता है।

नासा ने कहा कि शनि के चंद्रमा की खोज पहली बार 1990 में वोयाजर 2 अंतरिक्ष यान द्वारा की की गई थी। पैन की ये हालिया तस्वीर चंद्रमा के 15,300 मील (24,600 किमी) के भीतर से गुजरते समय कैसिनी अंतरिक्ष यान द्वारा ली गई है। नासा की इस पोस्ट को 2.3 लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। इस पर लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने मजाक में कहा, एक मैकरॉन दिख रहा है, जिसमें से क्रीम निकल रही है।

2024 के चुनाव से ठीक पहले एलन मस्क ने किया बड़ा बदलाव, इलेक्शन टीम को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। साल 2024 में अमेरिका और भारत समेत कई देशों में चुनाव होने वाले हैं। लेकिन इन चुनावों से पहले ही एक्स (पूर्व में ट्विटर) के बॉस एलन मस्क ने एक सख्त कदम उठाया है। मस्क ने एक्स की इलेक्शन इंटीग्रिटी टीम को हटा दिया है। खुद मस्क ने ट्विटर पर एक यूजर को जवाब देते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह पुष्टि मस्क एक पोस्ट के जवाब में की है, जिसमें इलेक्शन टीम के लोगों की संख्या आधी करने की बात कही गई थी। आपका मतलब है कि 'इलेक्शन इंटीग्रिटी टीम'। वही टीम न जो चुनावों में शुचिता पर नजर रखती थी। हां, अब उन्हें हटा दिया गया है। गार्डियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डबलिन कार्यालय से बाहर काम करने वाले कई स्टाफ सदस्यों, जिनमें चुनाव सूचना टीम के सह-प्रमुख हारून रोडरिक्स भी शामिल हैं, ने कंपनी छोड़ दी है। चुनाव कर्मचारियों को जिस तरह अचानक बर्खास्त किया गया, उससे पता चलता है कि इंप्लॉयीज को मस्क के इस कदम का आइडिया नहीं था। पिछले महीने, रोडरिक ने लिंक्डइन पर एक भर्ती रिक्रूटमेंट ऐड पोस्ट किया था। इसमें कहा गया कि 2024 में दुनिया भर में 70 से अधिक चुनाव होने वाले हैं। रोडरिक ने लिखा था कि इस चुनाव से पहले वह आठ कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहते हैं। इसके आगे उन्होंने लिखा था कि अगर आपके पास चुनावों और नागरिक घटनाओं की शुचिता की रक्षा करने का जुनून है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129